



जनवरी 2026, अंक - 17

विक्रम



भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद
Physical Research Laboratory, Ahmedabad



पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

निदेशक की कलम से



हमारे कार्यालय की हिंदी पत्रिका "विक्रम" का यह नवीन अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि हमारे कार्यालय परिवार की सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति और सामूहिक भावना का सजीव चित्रण है। राजभाषा हिंदी हमारे कामकाज की दक्षता और आत्मियता बढ़ाने का माध्यम है। इस पत्रिका के माध्यम से हम न केवल अपने विचारों को साझा करते हैं, बल्कि भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान को भी सुदृढ़ करते हैं। यह हमारे उस संकल्प का प्रतीक है, जिसके अनुसार हम राजभाषा को कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना चाहते हैं। वर्तमान भारत नव संसाधन संपन्न महादेश के रूप में उभर रहा है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस विकास यात्रा में हिंदी ने देश की समृद्ध भाषा बनकर वसुधैव कुटुंबकम की धारणा को सुदृढ़ किया है।

कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग द्वारा चतुर्थ नुककडू — चाय पे बाइट 01 अगस्त, 2025 को "ज्ञानपुनरुत्थान — स्पेसनेट रिफ्रेश (रिवाइव, रीस्टोर, रीलर्न)" विषय पर आयोजित किया गया। 12 अगस्त को 106वीं विक्रम जयंती मनाई गई। इस समारोह में प्रेरणादायक भाषण, इंटरैक्टिव सेशन और सभी परिसरों में वृक्षारोपण शामिल था, जिसमें स्टाफ, छात्रों और अभ्यागतों ने उत्साह से भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. साराभाई के दूरदर्शी योगदान को सम्मानित किया गया, एवं संधारणीयता और वैज्ञानिक प्रेरणा के प्रति पीआरएल की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाया। उदयपुर सौर वेधशाला (यूसओ), पीआरएल के "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" (एनएसपीडी) समारोह 2025 का उद्घाटन 12 अगस्त 2025, विक्रम जयंती दिवस को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एम.एल.एस.यू.), उदयपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूसओ संकाय द्वारा "विकसित भारत की ओर भारत की अंतरिक्ष यात्रा" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

15 अगस्त, 2025 को पूर्ण राष्ट्रीय मर्यादा सहित 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। पीआरएल ने 15 से 26 सितंबर 2025 के दौरान डिफेंस स्पेस एजेंसी (DSA) के विशिष्ट कर्मचारियों के लिए अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभाव पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। DSA, इंडियन एयर फोर्स, इंडियन आर्मी और इंडियन नेवी के 20 कर्मचारियों को ट्रेनिंग प्रोग्राम का लाभ मिला।

19 सितंबर 2025 को हिंदी तकनीकी संगोष्ठी एवं हिंदी माह 2025 का संयुक्त उद्घाटन किया गया। हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का विषय था "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मूलभूत एवं अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान — आवश्यकताएं एवं संभावनाएं" जो अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े अनुसंधान, विकास और अनुप्रयोगों पर चर्चा को समर्पित थी। इस प्रकार की संगोष्ठियों में शोधार्थीगण, वैज्ञानिक एवं संकाय अपने शोधपत्र, तकनीकी कार्य हिंदी में प्रस्तुत करते हैं। प्रतिभागियों को बेहतर हिंदी तकनीकी लेखन, प्रस्तुतीकरण कौशल तथा अंतर विषयक संवाद का अवसर मिलता है। इस प्रकार की पहलें विज्ञान संचार में भाषाई समावेशन को बढ़ाती हैं और युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करती हैं। इस वर्ष हिंदी तकनीकी संगोष्ठी के दौरान पीआरएल में फ्लैश टॉक की शुरुआत की गई, जो एक नवोन्मेषी गतिविधि है। 19 सितंबर से 15 अक्टूबर के दौरान हिंदी माह का आयोजन किया गया था, जिनमें एक तरफ भाषा एवं शब्दावली ज्ञान से संबंधी टंकण, हिंदी समाचार पत्र वाचन, शब्द प्रश्नोत्तरी, वर्ग पहली, तकनीकी संगोष्ठी, स्लोगन लेखन, मातृभाषा से राजभाषा तक जैसी गतिविधियां थीं, वहीं दूसरी ओर गायन, कविता पाठ, लघुनाटिका जैसे मनोरंजक कार्यक्रम भी थे। इस दौरान साइबर स्वच्छता एवं सुरक्षा से संबंधी पर्व व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

25-26 सितंबर के दौरान शुक्र ग्रह विज्ञान, वीनस-एससी 2025 (ऑनलाइन) पर पांचवें सम्मेलन का आयोजन किया गया था। यह शुक्र ग्रह की खोज के लिए मॉडलिंग, अवलोकन, डेटा विश्लेषण, वैचारिक उपकरण डिजाइन और वैज्ञानिक प्रयोगों पर केंद्रित था। पीआरएल के सीएनआईटी प्रभाग ने भाषाई समावेशन और सटीक संचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अत्याधुनिक बहुभाषी अनुवाद टूल — Bhashasetu (भाषासेतु) का सफलतापूर्वक विकास और परिनियोजन किया है। यह टूल पीआरएल के इंटरनेट पर पूर्णतः ऑफलाइन कार्य करता है और अंग्रेज़ी, हिंदी, गुजराती, मराठी जैसी प्रमुख भाषाओं के बीच अनुवाद की सुविधा प्रदान करता है।

"राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस" प्रति वर्ष 01 अक्टूबर को पूरे देश में मनाया जाता है। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 2025 के उपलक्ष्य में, चिकित्सालय, पीआरएल ने सर्वोदय चैरिटेबल ट्रस्ट ब्लड सेंटर, अहमदाबाद के सहयोग से 01 अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें पीआरएल से 40 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया।

स्वच्छता ही सेवा 2025 पहल के एक भाग और सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों की कार्ययोजना के अंतर्गत, नवरंगपुरा चिकित्सालय में 6-7 अक्टूबर को संविदा कर्मचारियों के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का शीघ्र पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नैदानिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था। पीआरएल में गरबा समारोह 11 अक्टूबर, 2025 को आयोजित किया गया और यह उत्सव से भरी हुई एक शानदार और खुशी से भरी शाम थी, जिसमें 700 से अधिक उत्साही साथियों ने संस्कृति, लय और एकता का जीवंत प्रदर्शन किया। पीआरएल में 27 अक्टूबर, 2025 से 2 नवंबर, 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (VAW) 2025 मनाया गया। VAW-2025 का विषय था "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी"। इस दिन पीआरएल के सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा अपने-अपने कार्यस्थलों पर सत्यनिष्ठा की शपथ ली गयी।

पीआरएल में राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर, 2025 को मनाया गया, जिसमें सदस्यों ने अपने-अपने कार्यस्थल पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली। पीआरएल सदस्यों ने संबंधित कार्यस्थल पर "संविधान की प्रस्तावना" का पठन करके संविधान दिवस बुधवार, 26 नवंबर 2025 को मनाया।

"विक्रम" पत्रिका के इस अंक में हमारे सहकर्मियों द्वारा रचित लेख, कविताएँ और आलेख हमारे संस्थान की विविध प्रतिभाओं और संवेदनाओं का परिचय कराते हैं। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को प्रेरित करेगी और राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में सकारात्मक भूमिका निभाएगी।

"विक्रम" के संपादकीय मंडल और सभी सहयोगियों को उनके परिश्रम और समर्पण हेतु हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएँ!

अनिल भारद्वाज

अनिल भारद्वाज



सोम कुमार शर्मा

संपादकीय

नमस्कार पाठक गण

हिंदी भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं, अपितु हमारी सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। स्वतंत्र भारत की राजभाषा के रूप में हिंदी ने करोड़ों लोगों को जोड़ा है। आज हिंदी का विस्तार देखें तो आश्चर्य होता है। सरकारी दफ्तरों से लेकर संसद तक, हिंदी की उपस्थिति स्पष्ट है।

हिंदी गृह पत्रिकाएं कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों के शब्दावली, लेखन शैली और प्रशासनिक भाषा के स्तर को ऊपर उठाने में मदद करती हैं। इनमें तकनीकी लेखों, विविध गतिविधियों आदि पर लेख-सामग्री देकर अधिकारियों को हिंदी में सरकारी कामकाज करने का आत्मविश्वास और अभ्यास मिलता है, जिससे राजभाषा के व्यावहारिक उपयोग में वृद्धि होती है।

गृह पत्रिकाएं राजभाषा नीति, नियम, प्रशिक्षण योजनाओं, "हिंदी दिवस/पखवाड़ा/माह" आदि जैसे कार्यक्रमों की जानकारी देकर जागरूकता बढ़ाती हैं। इनमें ऐसे कर्मचारियों के लेख, चर्चा, साक्षात्कार या राजभाषा में योगदान की रिपोर्टें छपती हैं जो हिंदी में अधिक काम कर रहे हैं; इससे दूसरों को प्रेरणा मिलती है।

हिंदी भाषा को और सशक्त एवं सरल बनाने की ओर हमें इसके प्रचार-प्रसार के प्रति सजग होना होगा और जनगण को अपने विचार प्रकट करने का मंच प्रदान करना होगा। विक्रम पत्रिका का यह नवीनतम अंक प्रबुद्ध पाठकों को समर्पित है। हमारी विक्रम पत्रिका समय के साथ-साथ लेखकों के विचार प्रकट करने का एक सहजतम माध्यम बन चुकी है। यह पत्रिका पी.आर.एल. सदस्यों के परिवारजनों के विचार, लेखन का भी उन्मुक्त हृदय से आह्वान करती है। हमने इस पत्रिका के माध्यम से अपने सदस्यों के सृजनात्मक मनोभावों को उजागर करने का प्रयत्न किया है।

आपका अभिमत हमारे विश्वास को सम्बल प्रदान करता है। विक्रम पत्रिका की गुणवत्ता को क्रमशः और आगे बढ़ाने के लिए आप सभी प्रिय पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

भवदीय

प्रो. सोम कुमार शर्मा (प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विक्रम पत्रिका संपादन समिति)

विक्रम संपादकीय मंडल



संरक्षक

डॉ. अनिल भारद्वाज



संपादक

डॉ. सोम कुमार शर्मा



सह संपादक

श्री जिगर ए. रावल



सदस्य

डॉ. भूषित वैष्णव



सदस्य

डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा



सदस्य

श्रीमती रुमकी दत्ता



सदस्य

डॉ. नरेन्द्र ओझा



सदस्य

श्री तेजस सरवैया



सदस्य

डॉ. गिरजेश आर. गुप्ता



सदस्य

श्री विवेक कुमार मिश्रा



सदस्य

श्रीमती प्रीति पोद्दार



सदस्य

श्री आशीष जी सवडकर



सहयोजित सदस्य

श्री अभिषेक



सहयोजित सदस्य

श्रीमती हर्षबेन परमार



सहयोजित सदस्य

सुश्री सोनम जीतरवाल



सहयोजित सदस्य

श्री सौरभ गोयल



सहयोजित सदस्य

श्री अरुण

अनुत्तरदायित्वता: पी.आर.एल. द्वारा प्रकाशित विक्रम पत्रिका के लेख, वक्तव्य, विचार एवं प्रस्तुत सामग्री लेखकों द्वारा प्रदान की गई है और इन सभी की वैधता एवं सत्त्वाधिकार (कॉपीराइट) से संबंधित वैधिक एवं अन्य उत्तरदायित्व लेखकों का है। किसी भी प्रकार के विवाद या वैधिक स्थिति के उल्लंघन में पी.आर.एल. एवं संपादक मंडल उत्तरदायी नहीं होंगे।

आप इस पत्रिका में मुद्रित सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। कृपया सौजन्य का उल्लेख अवश्य करें।

विक्रम

जनवरी 2026

पीआरएल का प्रतीक चिह्न



पीआरएल के
अनुसंधान क्षेत्र में समाविष्ट हैं
पृथ्वी एवं सूर्य
जो निमीलित हैं
चुम्बकीय क्षेत्र एवं विकिरण में
अनंत से अनंत तक
जिन्हें प्रकट कर सकती है
मानव की जिज्ञासा एवं
विचार शक्ति

PRL research
encompasses
the Earth, the Sun
Immersed in the fields
and radiations
reaching from and to infinity,
all that man's curiosity
and intellect can reveal

इस अंक में

क्रमांक	विषय सूची	लेखक/ सौजन्य	पेज संख्या
1	चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर चंद्र मेटल सामग्री के नए संकेत सार	डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा	1-5
2	अक्षर मन्थन - भाषा और एआइ/कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मेलबंधन		6-9
3	संवाद-AI: एक सुरक्षित ऑफ़लाइन संवादात्मक AI	श्री वैभव वरीश सिंह राठौर	10-12
4	भाषासेतू: एक सुरक्षित ऑफ़लाइन बहुभाषी अनुवाद उपकरण	श्री अतुल अशोक माणके	13-15
5	हिंदी कार्यशाला: जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही	श्रीमती रुमकी दत्ता	16
6	चतुर्थ सीएनआईटी डिवीजन नुक्कड़ - चाय पे बाइट पर "ज्ञानपुनरुत्थान - स्पेसनेट रिक्रेश (रिवाइव, रीस्टोर, रीलर्न)"	सीएनआईटी प्रभाग	17-19
7	पीआरएल में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह	श्रीमती हर्षा परमार	20
8	उदयपुर सौर वेधशाला में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह	-	21
9	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (NSpD) 2025 समारोह	-	22-23
10	कविता 'ईश्वर'	श्री हर्ष चोपड़ा	24
11	उदयपुर सौर वेधशाला (यूएसओ) में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह (एनएसपीडी)	-	25-27
12	भारत मंडपम में राष्ट्रीय बैठक 2.0 और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस में पीआरएल सदस्यों की प्रतिभागिता	-	28-29
13	सीएनआईटी सहकर्मियों के लिए पास परियोजना के संग्रहण अवसंरचना पर प्रशिक्षण का आयोजन	-	30
14	अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभावों पर मूलभूत प्रशिक्षण	-	31-32
15	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025	-	33
16	पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ	-	34-35
17	हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2025	-	36-48
18	हिंदी माह समारोह - 2025	श्रीमती रुमकी दत्ता	49-56
19	कविता 'क्या खोया, क्या पाया जग में (जलवायु परिवर्तन संस्करण)'	डॉ. भूषित वैष्णव	57
20	हिंदी माह 2025 के अंतर्गत उदयपुर सौर वेधशाला की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका	-	58
21	हिंदी लघुनाटिका प्रतियोगिता - परमाणु, आणविक एवं प्रकाशिक भौतिकी प्रभाग की प्रस्तुति	-	59
22	हिंदी माह 2025 के अंतर्गत अंतरिक्ष एवं वायुमंडलीय विज्ञान की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका	-	60-63

23	हिंदी माह 2025 के अंतर्गत समस्त प्रशासन (थलतेज सहित), सी.एम.जी. एवं डीन कार्यालय की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका	-	64
24	हिंदी माह 2025 के अंतर्गत आयोजित पोस्टर एवं पंचलाइन गतिविधि	श्री पयोद वैश्य	65
25	हिंदी माह समारोह 2025 के दौरान आयोजित वर्ग पहली प्रतियोगिता	-	66-67
26	हिंदी माह 2025, माउंट आबू परिसर	-	68-79
27	शुक्र ग्रह विज्ञान सम्मेलन 2025	श्रीमती हर्षा परमार	80-81
28	स्वच्छता ही सेवा 2025 – सफाई मित्र सुरक्षा शिविर	-	82-83
29	स्वच्छता ही सेवा अभियान – 2025, यूएसओ (पीआरएल)	-	84-87
30	हिंदी माह समारोह 2025, उदयपुर परिसर	-	88-89
31	कविता 'एक दीवाना पत्थर'	-	90
32	पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 62वीं बैठक	श्रीमती रुमकी दत्ता	91-92
33	राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 2025 समारोह "रक्त दे, आशा दे: साथ मिलकर हम जीवन बचाएँगे।"	-	93
34	पीआरएल-2025 में गरबा	-	94
35	इन्फ्रा-रेड ऑब्जर्वेटरी, माउंट आबू में दिवाली - 2025 की रंगोली	-	95
36	राष्ट्रीय एकता दिवस	-	96
37	हिंदी कार्यशाला: अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही	-	97
38	मेरे गिरिडीह की छठ : दादी की आस्था, मेरा बचपन	श्री सुरज कुमार	98-99
39	संविधान दिवस	-	100
40	प्रकाशिकी और फोटोनिक्स पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला (SCOPOSIS 2025) का आयोजन	डॉ. राजेश कुमार कुशवाहा	101-104
41	पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 63वीं बैठक	-	105-106
42	स्वर्गीय प्रो. विक्रम ए साराभाई और स्वर्गीय प्रो. के.आर. रामनाथन की पुण्यतिथि	-	107
43	पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)	श्री प्रदीप कुमार शर्मा	108
44	पीआरएल का अमृत व्याख्यान	प्रो. लोकेश कुमार साहू	109-110
45	कर्मचारियों का कार्यग्रहण/कार्यमुक्ति विवरण	श्री सेंथिल बाबू टी. जे.	111

चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर चंद्र मेंटल सामग्री के नए संकेत सार

चंद्रयान मिशनों ने चंद्रमा की उत्पत्ति, संरचना एवं विकास संबंधी हमारी वैज्ञानिक समझ में अभूतपूर्व वृद्धि की है। चंद्रयान-3 को विशेष रूप से चंद्रमा की उत्पत्ति, आंतरिक विभेदन तथा वर्तमान सक्रिय अवस्थाओं से जुड़े मूलभूत प्रश्नों के समाधान हेतु अभिकल्पित किया गया था। लैंडिंग के पश्चात, प्रज्ञान रोवर पर स्थापित अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (APXS) द्वारा लैंडिंग स्थल के रेगोलिथ की तत्वीय संरचना का मापन किया गया। प्रमुख तत्वों (Fe, Mg, Ca, Si, Al) के परिणाम चंद्र मैग्मा महासागर (Lunar Magma Ocean) परिकल्पना के अनुरूप पाए गए, जो निचली पर्पटी (lower crust) अथवा ऊपरी मेंटल (upper mantle) सामग्री की संभावित उपस्थिति का संकेत देते हैं।



विशेष रूप से, वाष्पशील तत्वों (volatile elements) के विश्लेषण में सोडियम और पोटैशियम की सांद्रताएँ पूर्ववर्ती चंद्र उच्चभूमि नमूनों की तुलना में कम, जबकि सल्फर की मात्रा असामान्य रूप से अधिक पाई गई। यह प्रवृत्ति न तो उल्कापिंडीय योगदान और न ही सतही शीत-फँसाव (cold-trapping) प्रक्रियाओं से पूर्णतः समझाई जा सकती है। प्रस्तुत अध्ययन यह प्रस्तावित करता है कि लगभग 4.3 अरब वर्ष पूर्व दक्षिण ध्रुव-एटकन (SPA) बेसिन निर्माणकारी इम्पैक्ट के दौरान सल्फर-समृद्ध आदिम चंद्र मेंटल (primitive lunar mantle) सामग्री का उत्खनन हुआ, जिसका पुनर्वितरण बाद के इम्पैक्ट्स द्वारा होकर चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल तक पहुँचा।

ये निष्कर्ष चंद्रमा के प्रारंभिक विभेदन एवं विकासात्मक इतिहास को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करते हैं तथा भविष्य के नमूना-वापसी (sample return) मिशनों के लिए चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल को एक अत्यंत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक लक्ष्य के रूप में स्थापित करते हैं।

ग्रह-अन्वेषण: चंद्रयान मिशन

चंद्रयान मिशनों ने चंद्रमा के प्रति हमारी समझ को उल्लेखनीय रूप से परिवर्तित किया है। चंद्रयान-1 (22 अक्टूबर 2008 को प्रक्षेपित) ने जल अणुओं और हाइड्रॉक्सिल आयनों की उपस्थिति की पुष्टि कर, हालिया ज्वालामुखीय गतिविधियों के प्रमाण पहचान कर, जल-बर्फ का पता लगाकर, नई शैल-लिथोलॉजी (lithologies) का खोज कर तथा सूक्ष्म चुंबकमंडलों (mini-magnetosphere) की पुष्टि कर एक मील का पत्थर स्थापित किया। इस मिशन ने इसरो के सतत ग्रह-अन्वेषण कार्यक्रम की नींव रखी और भारत को नासा (NASA), रोस्कोस्मोस (ROSCOSMOS), ईएसए (ESA) और सीएनएसए (CNSA) जैसी चुनिंदा

अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ उस समूह में स्थापित किया, जिन्होंने चंद्र विज्ञान और चंद्रमा के विकासात्मक इतिहास में वैश्विक रुचि को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, चंद्रयान-2 (22 जुलाई 2019 को प्रक्षेपित) ने चंद्र सतह की अभूतपूर्व उच्च-रिज़ॉल्यूशन (high-resolution) छवियाँ प्रदान कीं, जो कक्षीय अन्वेषण में प्रमुख तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन करती हैं। इसके

बाद, चंद्रयान-3 (14 जुलाई 2023 को प्रक्षेपित) ने दक्षिणी उच्च अक्षांशों (southern high latitude) के उच्चभूमि (highland) क्षेत्र में विक्रम लैंडर की ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग सफलतापूर्वक की। यह क्षेत्र दशकों से मानवयुक्त और मानवरहित दोनों प्रकार के मिशनों द्वारा अप्रवेशित रहा था।

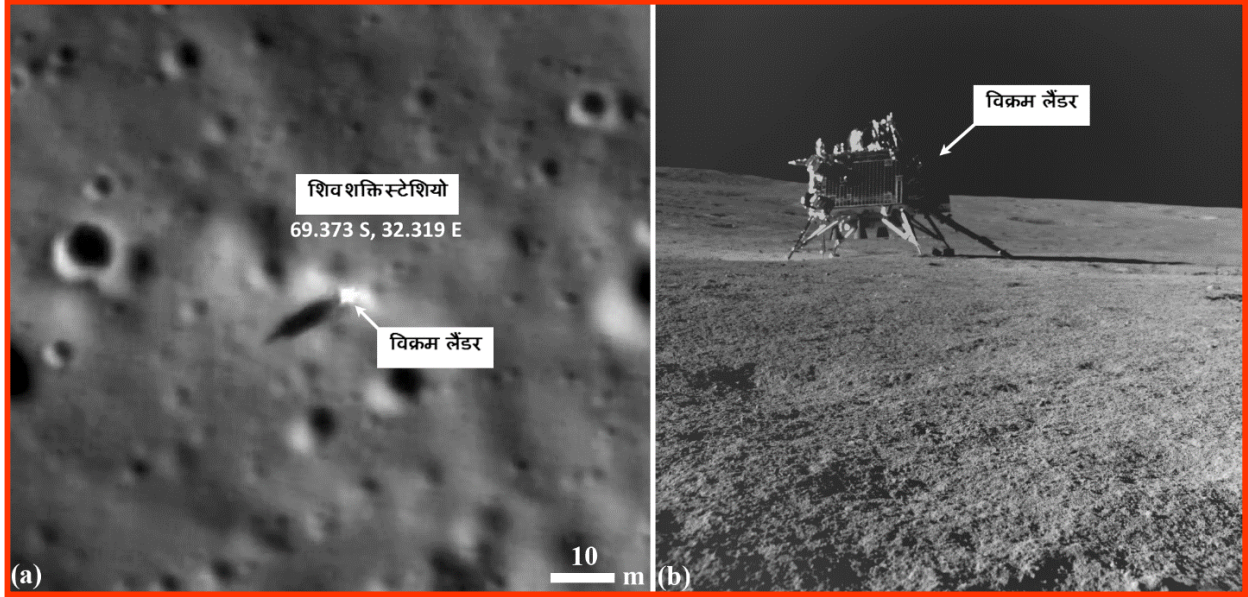
चंद्रयान-3 मिशन

माना जाता है कि चंद्रमा ने अपनी अभिवृद्धि (accretion) के बाद वैश्विक स्तर पर एक मैग्मा महासागर (magma ocean) चरण का अनुभव किया। यह मैग्मा महासागर आज भी शीतलन की अवस्था में है, जिसके परिणामस्वरूप चंद्र के आंतरिक भाग में संकुचन (contraction) होते हैं और चंद्रकंप (moonquakes) उत्पन्न होते हैं। इस पिघली हुई अवस्था के क्रमिक शीतलन और विभेदन के दौरान खनिजों (mineral) का पृथक्करण होकर पर्पटी तथा गहरे आंतरिक भागों में विभिन्न प्रकार की चंद्र सामग्रियों का निर्माण हुआ।

चंद्रयान-3 को चंद्रयान-2 के अनुवर्ती मिशन के रूप में परिकल्पित किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य चंद्र सतह पर सुरक्षित एवं सटीक सॉफ्ट लैंडिंग (soft landing) का प्रदर्शन करना तथा तत्पश्चात स्थल पर ही (in situ) वैज्ञानिक मापन करना था। ये मापन चंद्रमा की उत्पत्ति, आंतरिक विकास और वर्तमान सक्रिय अवस्था से जुड़े प्रमुख प्रश्नों को संबोधित करने के लिए अभिकल्पित थे। मिशन संरचना में एक प्रोपल्शन मॉड्यूल शामिल था, जो विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को 100 किमी की वृत्ताकार चंद्र कक्षा (circular lunar orbit) तक ले गया।

इस मिशन का प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) शार, श्रीहरिकोटा से किया गया। कक्षा-वृद्धि संबंधी कई चरणों और लगभग 23 दिनों की अंतरग्रहीय यात्रा के बाद, 5 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 को 164 किमी × 18,074 किमी की चंद्र कक्षा में सफलतापूर्वक प्रविष्ट कराया गया। 20 अगस्त 2023 को 25 किमी × 134 किमी की कक्षा से विक्रम लैंडर का लक्षित अवतरण स्थल की ओर संचालित अवतरण (powered descent) आरंभ हुआ। 23 अगस्त 2023 को लगभग 18:04 IST पर विक्रम ने 69.373° दक्षिण, 32.319° पूर्व निर्देशांकों पर ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग सफलतापूर्वक की (चित्र १)। इसके पश्चात, मार्च 2024 में, अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल (landing site) के नाम को 'शिव शक्ति स्टेशियो' (Shiv Shakti station) के रूप में स्वीकृति प्रदान की।

लैंडिंग के पश्चात, उसी दिन लैंडर से प्रज्ञान रोवर रैम्प की तैनाती और प्रज्ञान रोवर का चंद्र सतह पर अवतरण पूर्ण किया गया। प्रज्ञान रोवर ने एक ही चंद्र दिवस में 100 मीटर से अधिक दूरी तय कर सतही अन्वेषण को और आगे बढ़ाया (चित्र २)। एक ही चंद्र दिवस के दौरान, विक्रम और प्रज्ञान पर स्थापित वैज्ञानिक उपकरणों ने समृद्ध वैज्ञानिक डेटा संकलित किया, जिससे चंद्रमा के भूवैज्ञानिक विकास और उसकी वर्तमान सक्रियता के बारे में हमारी समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।



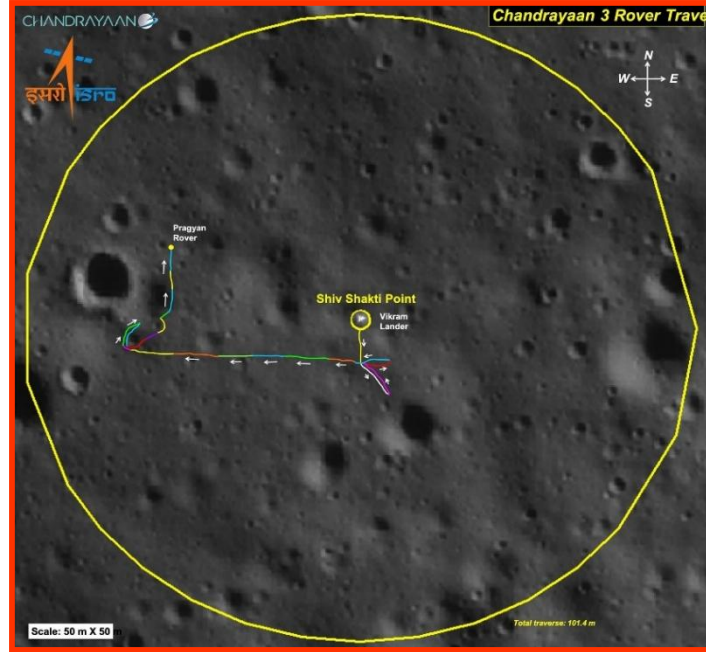
चित्र १: (a) चंद्रयान-2 ऑर्बिटर के उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरे (Orbiter high resolution camera; OHRC) ने 'शिव शक्ति स्टेशियो' पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की तस्वीर ली। (b) इसके अतिरिक्त, प्रज्ञान रोवर के नेविगेशन कैमरे (NavCam) द्वारा कैद की गई विक्रम लैंडर की यह एक प्रतीकात्मक छवि है।

लैंडिंग स्थल पर APXS मापन

प्रज्ञान रोवर पर स्थापित अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (APXS) ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर स्थित रेगोलिथ की तत्वीय संरचना का मापन किया। यह स्थल चंद्रमा के निकट-पक्ष (nearside) के दक्षिणी उच्च अक्षांशों की उच्चभूमि में स्थित है। प्रमुख तत्वों जैसे लोहा, मैग्नीशियम, कैल्शियम, सिलिकॉन और एल्युमिनियम के मापन चंद्र मैग्मा महासागर (LMO) परिकल्पना की भविष्यवाणियों के अनुरूप हैं, और लैंडिंग स्थल पर निचली पर्पटी (lower crust) या ऊपरी मेंटल (upper mantle) सामग्री की संभावित उपस्थिति का संकेत देते हैं (Vadawale et al., 2024)।

प्रमुख तत्वों के अतिरिक्त, APXS ने उच्चभूमि की मिट्टी (soil) में वाष्पशील तत्वों (volatile elements) जैसे सोडियम (Na), पोटैशियम (K) और सल्फर (S) की मात्राओं का भी निर्धारण किया। मापी गई सांद्रताएँ सोडियम के लिए 700–2800 ppm, पोटैशियम के लिए 300–400 ppm और सल्फर के लिए 900–1400 ppm के बीच पाई गईं। इन वाष्पशील तत्वों के विस्तृत विश्लेषण से पता चलता है कि चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर सोडियम और पोटैशियम की सांद्रताएँ पूर्ववर्ती मिशनों (जैसे अपोलो-16 और लूना-20) द्वारा एकत्रित चंद्र उच्चभूमि मिट्टी की तुलना में काफी कम हैं। इसके विपरीत, सल्फर की सांद्रता उन मिशनों की

तुलना में लगभग 300–500 ppm अधिक पाई गई (चित्र ३)। ये असामान्य प्रवृत्तियाँ लैंडिंग स्थल पर वाष्पशील तत्वों के संवर्धन या अपक्षय के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं की जांच को आवश्यक बनाती हैं।



चित्र २: अवतरण स्थल के आसपास प्रज्ञान रोवर का ट्रेवर्स पथ।

चंद्रमा पर, टाइप-1 (Type-1) कार्बोनेशियस कोंड्राइट (Carbonaceous chondrite) उल्कापिंडों के इम्पैक्ट (impact) रेगोलिथ में लगभग 400–1000 ppm सल्फर जोड़ सकते हैं। किंतु यह योगदान APXS द्वारा मापे गए 200–400 ppm अतिरिक्त सल्फर की व्याख्या के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त, लैंडिंग स्थल पर दर्ज सतही तापमान (250–300 K) सल्फर के संघनन (condensation) तापमान से काफी अधिक है, जिससे दीर्घकालिक शीत-फँसाव (cold-trapping) द्वारा सतही संवर्धन की संभावना समाप्त हो जाती है।

अतः सल्फर संवर्धन के लिए किसी वैकल्पिक स्रोत की आवश्यकता होती है। चंद्र मैग्मा महासागर के अंतिम स्फटीकरण चरणों के दौरान, अवशिष्ट द्रव सल्फर-धारक चरणों, विशेष रूप से ट्रोइलाइट (FeS), से समृद्ध हो गया। हम प्रस्तावित करते हैं कि लगभग 4.3 अरब वर्ष पूर्व दक्षिण ध्रुव-ऐटकन (South Pole-Aitken; SPA) बेसिन के निर्माणकारी इम्पैक्ट ने सल्फर-समृद्ध आदिम (primitive) चंद्र मेंटल (lunar mantle) से FeS-समृद्ध सामग्री का उत्खनन (excavation) किया, उस समय जब KREEP (potassium, rare earth elements, and phosphorus) परत विकासशील अवस्था में थी। SPA बेसिन के भीतर बाद के इम्पैक्ट ने इन सल्फर-समृद्ध सामग्रियों को पुनर्वितरित कर आसपास के इम्पैक्ट इजेक्टा (ejecta) के साथ मिश्रित किया, जिससे अंततः चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर देखी गई संघटनात्मक विशेषताएँ उत्पन्न हुईं (Sinha et al., 2025)।

चंद्रयान-3 के APXS द्वारा आदिम मेटल पदार्थ की खोज

चंद्रमा पर वाष्पशील तत्व

सोडियम, पोटेशियम तथा सल्फर चंद्रमा के आंतरिक भाग की रसायनिकी और उसके वाष्पशील तत्वों के बजट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

चंद्रयान-3 से पूर्व के आँकड़े



निकटवर्ती पक्ष के अधिकांश लैंडिंग स्थल क्रीप क्षेत्र में या उसके आसपास स्थित हैं। दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र से संबंधित वाष्पशील तत्वों के कोई आँकड़े उपलब्ध नहीं थे।

दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में स्थित शिव शक्ति स्टेशियो पर APXS द्वारा किए गए मापन — यह स्थल पहली बार अन्वेषित किया गया।

सोडियम: 700–2800 पीपीएम
पोटेशियम: 300–400 पीपीएम
सल्फर: 900–1400 पीपीएम

अपोलो-16 और लूना-20 मिशनों से प्राप्त हाइड्रोजन मिट्टी के नमूनों की तुलना में, यहाँ सोडियम और पोटेशियम के स्तर असामान्य रूप से कम, जबकि सल्फर का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।

उल्कापिंड — अतिरिक्त सल्फर की व्याख्या करने के लिए पर्याप्त नहीं

उच्च सतही तापमान — सल्फर के कोल्ड-ट्रैपिंग के लिए अनुपयुक्त

दक्षिण ध्रुव-ऐटकन (SPA) बेसिन से संभावित संबंध



APXS ने आदिम चंद्र मेटल से अतिरिक्त सल्फर का पता लगाया, जिसे 4.3 अरब वर्ष पहले स्पा इम्पैक्ट के दौरान निकला गया था, जब क्रीप का निर्माण नहीं हुआ था।



प्रोसेलारम क्रीप क्षेत्र

शिव शक्ति स्टेशियो

चित्र ३: चंद्रयान-3 के APXS द्वारा मापी गई वाष्पशील तत्वों की मात्रा के आधार पर शिव शक्ति स्टेशियो पर आदिम मेटल पदार्थों की उपस्थिति को दर्शाता हुआ एक कार्टून।

मुख्य निष्कर्षों का सार

संक्षेप में, चंद्रयान-3 APXS द्वारा मापी गई वाष्पशील तत्वों की तुलना पूर्ववर्ती चंद्र मिशनों से करने पर सोडियम और पोटेशियम की उल्लेखनीय रूप से कम सांद्रताएँ तथा सल्फर के असामान्य रूप से उच्च स्तर सामने आते हैं। यह संघटनात्मक प्रतिरूप अरबों वर्ष पूर्व SPA बेसिन इम्पैक्ट के दौरान उत्खनित आदिम मेटल (primitive mantle) सामग्री के समावेशन की ओर संकेत करता है। ये निष्कर्ष चंद्रमा के प्रारंभिक विभेदन और विकासात्मक इतिहास को समझने के उद्देश्य से भविष्य के नमूना-वापसी (sample return) मिशनों के लिए चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल को एक अत्यंत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक लक्ष्य के रूप में रेखांकित करते हैं।

आगे के अध्ययन हेतु

Sinha, R.K., Panwar, N., Srivastava, N., Ray, D., Mithun, N.P.S., Marhas, K.K., Vijayan, S., Bhatt, M., Patel, A.R., Shanmugam, M. and Vadawale, S.V., and Anil Bhardwaj, 2025. **चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल पर आदिम चंद्र मेटल सामग्री**. *Communications Earth & Environment*, 6(1), p.321.

Vadawale, S.V., Mithun, N.P.S., Shanmugam, M., Basu Sarbadhikari, A., Sinha, R.K., Bhatt, M., Vijayan, S., Srivastava, N., Shukla, A.D., Murty, S.V.S., Bhardwaj, A., et al., 2024. **चंद्रयान-3 द्वारा चंद्र उच्च अक्षांशों पर APXS के माध्यम से तत्वों की प्रचुरता के मापन**. *Nature*, 633(8029), pp.327-331.

अक्षर मन्थन/Akshar Manthan - भाषा और एआई /कृत्रिम बुद्धिमता का मेलबंधन

9 जुलाई, 2025 को 16:30 बजे से 17:30 बजे तक "अक्षर मंथन - भाषा और एआई/ कृत्रिम बुद्धिमता का मेलबंधन" विषय पर सीएनआइटी प्रभाग ने हाइब्रिड मोड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र में विभिन्न प्रभागों/अनुभागों के लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 70% चर्चाएँ हिंदी में और 30% अंग्रेजी में हुईं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य था :

- आंतरिक संचार में क्रांति लाने के लिए डिज़ाइन की गई एआई-सक्षम इंटरनेट वेब सेवाओं, SamvadAI और लिपियंत्र का अनावरण।
- नई एआई-सक्षम वेब सेवाओं का लाइव प्रदर्शन, ताकि उन की क्षमताओं और संभावनाओं का पता चल सके।
- सीएनआइटी प्रभाग और पीआरएल सहयोगियों के बीच संपर्क को बनाए रखना, टीम वर्क और आपसी सहयोग को मज़बूत करना।

श्री तेजस सरवैया ने उपस्थित सभी का स्वागत किया और सत्र - "अक्षर मंथन / Akshar Manthan - भाषा और एआई/कृत्रिम बुद्धिमता का मेलबंधन" का पूर्णावलोकन प्रदान किया, जिनमें आइटी सेवाओं के संवर्धन के लिए सीएनआइटी प्रभाग और पीआरएल समुदाय के बीच सुदृढ़ संबंधों की ओर इस पहल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।



पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज ने नये विकसित एआई-सक्षम वेब सेवाओं - "SamvadAI" और "लिपियंत्र" का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। ये सेवाएं डिजिटल परिवर्तन और बुद्धिमान स्वचालन की दिशा में पीआरएल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। अपने अभिभाषण में प्रो. भारद्वाज ने वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक परिवर्तनकारी कारक बताया, जो उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि एआई अब किसी दूरदर्शी अवधारणा से एक शक्तिशाली

उपकरण के रूप में विकसित हो चुका है, जो ज्ञान के सृजन, अभिगम और अनुप्रयोग को सक्रियता से नया रूप दे रहा है। छह महीने पहले यानी 9 जनवरी, 2025 को सीएनआइटी द्वारा आयोजित “सेतु 2025” कार्यक्रम पर विचार करते हुए, उन्होंने प्रौद्योगिकी और सहयोग के बीच तालमेल का विशिष्ट उल्लेख किया। प्रो. भारद्वाज ने पीआरएल के वैज्ञानिक और प्रशासनिक समुदाय के लाभ के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए सीएनआइटी के दृष्टिकोण की सराहना की।

उन्होंने SamvadAI को इस दिशा में एक अग्रणी कदम बताया—यह सुरक्षित, निःशुल्क उपलब्ध इंटरनेट-आधारित भाषा मॉडल है जो LLaMA आर्किटेक्चर पर आधारित है और जिसे सख्त डेटा गोपनीयता बनाए रखते हुए संगठन के भीतर प्राकृतिक भाषा समझ और चर्चा को सुगम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, लिपियंत्र इंटरनेट-आधारित अंग्रेज़ी-से-हिंदी अनुवाद उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो विविध उपयोगकर्ता समूहों में भाषाई समावेशिता और निर्बाध संचार को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम के भाग के रूप में, दो अंतर्दृष्टिपूर्ण तकनीकी वार्ताएं आयोजित की गईं, जिसके बाद लाइव प्रदर्शन किए गए, जिनमें पीआरएल की नई लॉन्च की गई एआई-सक्षम वेब सेवाओं की क्षमताओं को दर्शाया गया।

1. SamvadAI: श्री वैभव राठौर और श्री प्रशांत जांगिड़ ने SamvadAI पर एक आकर्षक सत्र का संचालन किया। उन्होंने परिनियोजन आर्किटेक्चर का व्यापक अवलोकन और लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया। उनके व्याख्यान के मुख्य अंश इस प्रकार थे:

- आंतरिक उपयोग के लिए LLaMA मॉडल चुनने का औचित्य।
- पीआरएल के बुनियादी ढाँचे के लिए अनुकूलित गोपनीयता-संरक्षणकारी आर्किटेक्चर।
- प्रासंगिक सटीकता और गति के साथ प्राकृतिक भाषा जिज्ञासाओं का उत्तर देने वाले SamvadAI का लाइव प्रदर्शन।

2. लिपियंत्र: श्री अतुल मानके और सुश्री सृष्टि शर्मा ने इंटरनेट-आधारित अंग्रेज़ी-से-हिंदी अनुवाद वेब सेवा, लिपियंत्र के विकास और कार्यान्वयन पर प्रस्तुति दी। मूल रूप से, लिपियंत्र इंजन, जिसे अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), अहमदाबाद द्वारा निर्मित और प्रदान किया गया था, को पीआरएल की सीएनआइटी टीम द्वारा अधिक उन्नत किया गया, तथा टीम ने पीआरएल परिवेश के विशिष्ट परिचालन और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप सेवा को अनुकूलित करने के लिए व्यापक अनुकूलन और सुधार कार्य किया। उनका व्याख्यान पीआरएल के आंतरिक उपयोग के लिए उपकरण को अनुकूलित करने में आने वाली तकनीकी चुनौतियों पर केंद्रित था, जिनमें मौजूदा बुनियादी ढाँचे के साथ एकीकरण, उपयोगकर्ता सुगमता और साइबर सुरक्षा शामिल थीं। प्रस्तुति के मुख्य अंश इस प्रकार थे:

- पीआरएल की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अनुवाद इंजन को अनुकूलित करना।
- सुरक्षित इंटरनेट में वास्तविक-समय अनुवाद के लिए निष्पादन को उपयुक्त बनाना।
- पीआरएल समुदाय द्वारा उपयोग में आसानी के लिए उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस को संवर्धित करना।
- पीआरएल के आइटी पारिस्थितिकी तंत्र में अनुकूलता और परिनियोजन चुनौतियों का समाधान करना।
- उदाहरणस्वरूप अंग्रेजी पाठ के माध्यम से वास्तविक-समय अनुवाद क्षमताओं का प्रदर्शन।

इन सत्रों ने न केवल सेवाओं से संबंधित तकनीकी गहनता को प्रदर्शित किया, बल्कि आंतरिक संचार, सुगमता और उत्पादकता में सुधार के लिए एआई का उपयोग करने के लिए पीआरएल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाया।

"SamvadAI" और "लिपियंत्र" के माध्यम से पीआरएल में एआई के एकीकरण पर उपयोगी चर्चा हुई। डीन प्रो. डी. पल्लमराजू और प्रो. नमित महाजन ने लिपियंत्र तक पहुँचने के लिए लॉग-इन की आवश्यकता को हटाने का सुझाव दिया, जिससे पीआरएल में इसका व्यापक उपयोग संभव हो सके। इसके उत्तर में, श्री अतुल ने बताया कि वे बिना क्रेडेंशियल के भी प्रवेश की अनुमति देने के लिए सॉफ़्टवेयर कोड में आवश्यक बदलाव लागू करेंगे। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस बदलाव से प्रत्येक उपयोगकर्ता द्वारा उपयोग को ट्रैक करने की क्षमता समाप्त हो जाएगी। श्री अतुल ने प्रणाली में बहुभाषी अनुवाद सुविधा को शामिल करने और उसे विकसित करने की योजना भी साझा की। तदनुसार एक्सेस यूआरएल अद्यतन करने पर, सीएनआइटी सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना देगी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों और अनुभागों के प्रधान और उप-प्रधान तथा अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सभी प्रतिभागियों ने प्रदर्शनों की गहनता और प्रासंगिकता की सराहना की और सीएनआइटी प्रभाग की दूरदर्शी और आकर्षक पहल - "सीएनआइटी नुक्कड़ - चाय पे बाइट" की सराहना की, जो पीआरएल समुदाय के भीतर ज्ञान साझा करने और सहयोग के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करती रही है।

सभी प्रतिभागियों के सहयोगात्मक प्रयासों और सीएनआइटी प्रभाग के समर्पित सहयोग ने इस सत्र को शानदार सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और "अक्षर मंथन - भाषा और एआई/कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मेलबंधन" के उद्देश्यों को साकार करने के लिए दृढ़ आधार तैयार किया। यह रिपोर्ट सभी प्रतिभागियों के सामूहिक योगदान और साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विभिन्न आइटी क्षेत्रों में इस तरह की गतिविधियों को शुरू करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए सीएनआइटी के सदस्य, पीआरएल के निदेशक के प्रति आंतरिक आभार प्रकट करते हैं। सीएनआइटी टीम, रजिस्ट्रार, पीआरएल और डीन, पीआरएल को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती है। टीम ने प्रो.

बिजय साहु, प्रो. वरुण शील, प्रो. नमित महाजन, डॉ. षण्मुगम को भी आइटी से संबंधित सभी गतिविधियों और परियोजनाओं में उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही टीम, डॉ. भूषित वैष्णव के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहती है, जिन्होंने वेबेक्स मीटिंग लिंक प्रदान किया, जिससे यूएसओ और माउंट आबू के सहयोगियों की प्रतिभागिता संभव हुई। सीएनआइटी सदस्य उन सभी प्रतिभागियों को हार्दिक धन्यवाद देती है जिन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया, अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और हमें भविष्य में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की झलकियां



संवाद-AI: एक सुरक्षित ऑफ़लाइन संवादात्मक AI

- परिचय:

9 जुलाई 2025 को, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (CNIT) प्रभाग ने संवाद-AI को लॉन्च किया - एक इंटरनेट आधारित संवादात्मक AI प्रणाली। यह पारंपरिक चैटबॉट्स से भिन्न है जो इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर रहते हैं; संवाद-AI पूरी तरह से ऑफ़लाइन कार्य करता है, जिससे हर बातचीत की गोपनीयता सुनिश्चित होती है। यह पूरी प्रणाली ओपन-सोर्स टूल्स का उपयोग करके विकसित की गई है, जो PRL परिवार की आवश्यकताओं के अनुसार समावेशी और सुरक्षित डिजिटल उपकरण बनाने के CNIT के उद्देश्य के अनुरूप है।



श्री वैभव वरीश
सिंह राठौर

- संवाद-AI क्या है

संवाद-AI एक लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) द्वारा संचालित है — यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का एक अत्याधुनिक रूप है जो मानव भाषा को समझने और उत्पन्न करने में सक्षम है। इसे पुस्तकों, लेखों, वेबसाइटों और प्रोग्रामिंग कोड जैसी विशाल मात्रा में पाठ सामग्री पर प्रशिक्षित किया गया है। यह मॉडल वाक्य में अगला शब्द अनुमान लगाकर सार्थक और प्रवाहपूर्ण उत्तर तैयार करता है।

“लार्ज” इसे इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह विशाल डेटा पर आधारित होता है और इसमें अरबों आंतरिक पैरामीटर्स होते हैं जो इसे व्याकरण, संदर्भ और बारीकियों को समझने की क्षमता प्रदान करते हैं। ये पैरामीटर्स मॉडल को पैटर्न पहचानने, अर्थ निकालने और स्वाभाविक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाते हैं — ठीक वैसे ही जैसे कोई जानकार साथी बातचीत करता है।

चूंकि यह पूरी तरह से ऑफ़लाइन काम करता है, संवाद-AI गोपनीयता बनाए रखते हुए उन्नत भाषा AI के लाभ प्रदान करता है। इसकी बहुमुखी प्रतिभा इसे शिक्षा, अनुसंधान, रचनात्मक लेखन, ग्राहक सहायता और अन्य क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बनाती है।

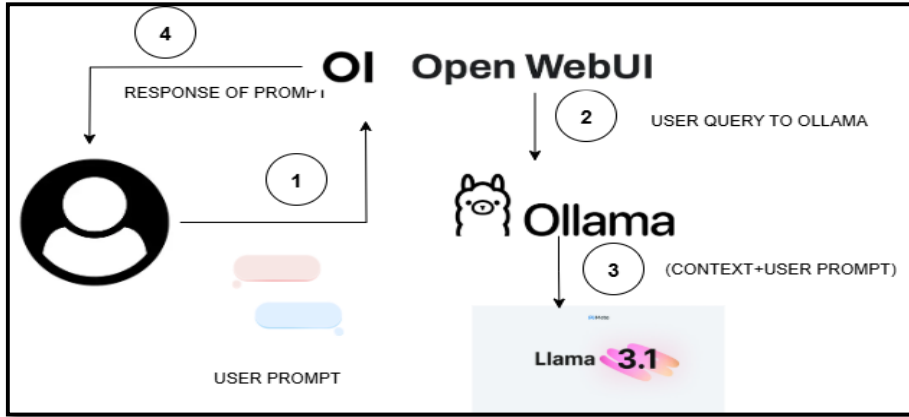
- संवाद-AI की संरचना

संवाद-AI को उच्च प्रदर्शन AI क्षमताएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें मजबूत गोपनीयता सुरक्षा और उपयोगकर्ता सुविधा है। इसकी संरचना मॉड्यूलर और कंटेनर आधारित है, जिससे इसे स्थापित करना, प्रबंधित करना और स्केल करना आसान होता है।

- मुख्य अवसंरचना:

1. **डॉकर के साथ कंटेनरीकरण:** संवाद-AI के प्रत्येक मुख्य घटक अलग-अलग Docker कंटेनर में चलते हैं। इससे संसाधनों पर बेहतर नियंत्रण, साफ़-सुथरा अलगाव और आसान अपडेट/रखरखाव संभव होता है।

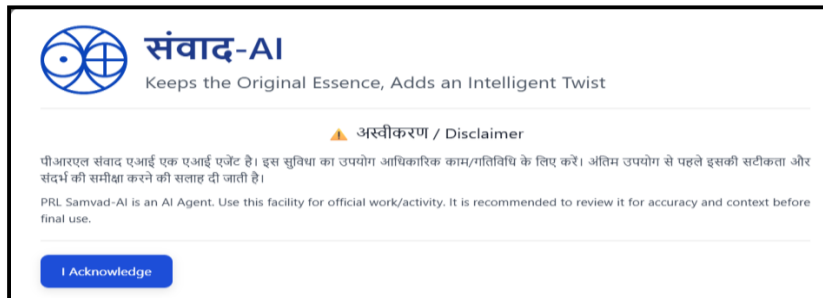
- II. **विजुअलाइज़ेशन नोड हार्डवेयर:** ये कंटेनर एक समर्पित नोड पर चलते हैं जिसमें डुअल NVIDIA A40 GPU लगे हैं, जो बड़े AI मॉडल को कुशलता से प्रोसेस करने में सक्षम हैं।
- III. **OpenWebUI^[1]:** यह एक यूजर-फ्रेंडली, स्वयं-होस्टेड AI प्लेटफ़ॉर्म है जिसे ऑफलाइन मोड में चलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें यूजर को सहज चैट इंटरफ़ेस मिलता है। इसे PRL की आवश्यकताओं के अनुसार कस्टमाइज़ किया गया है।
- IV. **बैकएंड AI मॉडल:** बैकएंड में Ollama^[1] फ्रेमवर्क का उपयोग किया गया है, जो स्थानीय हार्डवेयर पर बड़े भाषा मॉडल को कुशलता से चलाता है। इसमें विशेष रूप से Meta का LLaMA 3.1 70B मॉडल है, जो सभी भाषा-प्रसंस्करण कार्य करता है — जैसे प्रश्न समझना और उत्तर देना।



चित्र 1. संवाद-AI की संरचना

• संवाद-AI के साथ संवाद

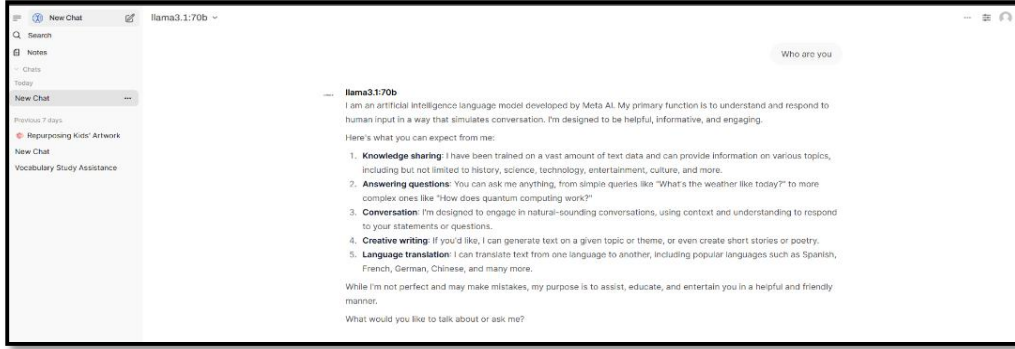
संवाद-AI के साथ बातचीत एक प्रॉम्प्ट (उपयोगकर्ता द्वारा दिया गया निर्देश या प्रश्न) से शुरू होती है। प्रॉम्प्ट की स्पष्टता और विशिष्टता ही AI के उत्तर की गुणवत्ता निर्धारित करती है। सरल प्रश्न संक्षिप्त उत्तर देते हैं, जबकि बहु-भागों वाले प्रॉम्प्ट विस्तृत रिपोर्ट, सारांश या रचनात्मक उत्तर प्रदान कर सकते हैं। उपयोगकर्ता प्रॉम्प्ट को बार-बार सुधारकर संवाद-AI से विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करवा सकते हैं।



- **संवाद-AI का एक्सेस**

संवाद-AI वेब सेवा इस पते पर उपलब्ध है: <https://samvad.lan.prl.res.in>. इसे Nginx^[1] वेब सर्वर टूल की रिवर्स प्रॉक्सी मोड में सुरक्षित रूप से कॉन्फ़िगर किया गया है।

चित्र 2. संवाद-AI एक्सेस स्क्रीन



चित्र 3. संवाद-AI का उदाहरण: प्रॉम्प्ट प्रश्न और उसका उत्तर

- **निष्कर्ष**

संवाद-AI समावेशी और विश्वसनीय AI की दिशा में एक बड़ा कदम है। एक अत्याधुनिक LLM को पूरी तरह ऑफलाइन संरचना में समेकित करके, CNIT ने एक सुरक्षित प्लेटफ़ॉर्म बनाया है जहाँ उपयोगकर्ता उन्नत भाषा उपकरणों का उपयोग करते हुए अपनी डेटा गोपनीयता बनाए रख सकते हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म गोपनीय अनुसंधान, संवेदनशील संवाद और सामुदायिक ज्ञान साझाकरण की नई संभावनाएं खोलता है।

- **आभार**

हम प्रो. अनिल भारद्वाज, निदेशक, PRL, के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके प्रोत्साहन और दूरदर्शी नेतृत्व ने हमें नई तकनीकों और टूल्स को अपनाने के लिए प्रेरित किया। हम PRL के रजिस्ट्रार और डीन के भी आभारी हैं, जिन्होंने निरंतर समर्थन प्रदान किया। हम प्रो. बिजय साहू, प्रो. वरुण शील, प्रो. नमित महाजन, और डॉ. एम. शनमुगम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। CNIT के सभी सदस्यों के समर्पण के लिए हम विशेष रूप से आभारी हैं। अंततः, हम अपने सभी PRL सहयोगियों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।

- **संदर्भ**

- I. <https://github.com/open-webui/open-webui>
- II. <https://ollama.com/library/llama3.1>
- III. <https://nginx.org/>

भाषासेतु: एक सुरक्षित ऑफ़लाइन बहुभाषी अनुवाद उपकरण

परिचय

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL) के कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (CNIT) प्रभाग ने भाषाई समावेशन और सटीक संचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अत्याधुनिक बहुभाषी अनुवाद टूल - Bhashasetu (भाषासेतु)- का सफलतापूर्वक विकास किया है। यह टूल PRL के इंटरनेट पर पूर्णतः ऑफ़लाइन कार्य करता है और अंग्रेज़ी, हिंदी, गुजराती, मराठी जैसी प्रमुख भाषाओं के बीच द्विदिश अनुवाद की सुविधा प्रदान करता है।



श्री अतुल अशोक
माणके

प्रारंभ में, SAC द्वारा विकसित अंग्रेज़ी से हिंदी अनुवाद टूल 'Lipyantra' का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के आधार पर, PRL के CNIT विभाग ने उसकी कार्यप्रणाली को समझते हुए एक नई, विस्तारित और पूर्णतः स्वदेशी प्रणाली - Bhashasetu (भाषासेतु): एक बहुभाषी अनुवाद उपकरण' - का विकास किया, जो 22 भारतीय भाषाओं के बीच द्विदिश अनुवाद की सुविधा प्रदान करता है।

संदर्भ से नवाचार की ओर: भाषासेतु का निर्माण

The screenshot shows the Bhashasetu web interface. At the top, there are navigation links: Home, Login, Change Password, Bug/Suggestion, Downloads, and Related sites. Below this, there is a breadcrumb trail: Home > Bhashasetu. The main heading is 'भाषा-सेतु' (Bhashasetu). Below the heading, there is a note: 'Fields with * are required.' There are two dropdown menus: 'Select Source Language' set to 'English' and 'Select Target Language' set to 'Hindi'. Below these is an 'Input Paragraph *' field containing the text 'I am working'. Below that is a 'Translated Paragraph' field containing the text 'मैं काम कर रहा हूँ।'. At the bottom, there is a 'अनुवाद' (Translate) button. Below the button, there is a disclaimer in Hindi: 'अस्वीकरण: यह अनुवाद एक ए. आई. मॉडल का उपयोग करके उत्पन्न किया जाता है। इस सुविधा का उपयोग अधिकारिक कार्यालय/विधि के लिए करें। अंतिम उपयोग से पहले सटीकता और संदर्भ के लिए इसकी समीक्षा करने की अनुमति की जाती है।' and an English disclaimer: 'Disclaimer: This translation is generated using an AI model. Use this facility for official work/activity. It is recommended to review it for accuracy and context before final use.'

चित्र 1. भाषासेतु का उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस

यह आंतरिक संचार, रिपोर्टिंग और मूल भाषाओं में दस्तावेज़ीकरण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बनता है। अनुवाद सेवा <https://bhashasetu.lan.prl.res.in> पर उपलब्ध है। इसे Nginx [2] वेब सर्वर का उपयोग करके रिवर्स प्रॉक्सी के पीछे सुरक्षित रूप से तैनात किया गया है। वेब इंटरफ़ेस Yii 1.1PHP फ्रेमवर्क[3] का

उपयोग करके बनाया गया है। यह उपयोगकर्ता इनपुट स्वीकार करता है, API कॉल के माध्यम से अनुवाद सेवा से संचार करता है, और अनुवादित आउटपुट प्रदर्शित करता है।

प्रमुख विशेषताएँ

- 1. एआई अनुवाद इंजन:** भाषासेतु 'IndicTrans2' [1] मॉडल का उपयोग करता है जो भारतीय भाषाओं के लिए उन्नत मशीन अनुवाद प्रदर्शन प्राप्त करता है।
- 2. वास्तविक समय प्रदर्शन और उच्च उपलब्धता:** यह प्रणाली वास्तविक समय में अनुवाद को समर्थन देने के लिए बनाई गई है, जिसमें न्यूनतम विलंब होता है, चाहे कई उपयोगकर्ता एक साथ इसका उपयोग करें।
- 3. सुरक्षित इंटरनेट तैनाती:** भाषासेतु को पीआरएल के सुरक्षित इंटरनेट वातावरण में पूर्ण रूप से तैनात किया गया है। यह डिज़ाइन अधिकतम डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करता है और संस्थागत साइबर सुरक्षा नीतियों के अनुरूप है।
- 4. एचपीसी विज़ुअलाइज़ेशन नोड पर तैनाती और नेटवर्क अनुकूलता:** भाषासेतु को वर्तमान में पीआरएल के हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग (एचपीसी) के विज़ुअलाइज़ेशन नोड पर तैनात किया गया है।
- 5. अनुवाद लॉग:** यह प्रणाली उपयोगकर्ता अनुवाद गतिविधियों का 30-दिवसीय सुरक्षित लॉग भी बनाए रखती है, जिससे उपयोगकर्ता अपने पिछले कार्य की पुनरावृत्ति कर सकते हैं और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।
- 6. उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफ़ेस:** भाषासेतु में एक साफ़-सुथरा और उत्तरदायी वेब इंटरफ़ेस [3] है, जो उपयोगकर्ताओं को 22 समर्थित विकल्पों में से स्रोत और लक्ष्य भाषा चुनने की अनुमति देता है।
- 7. Bhashasetu (भाषासेतु) में अनुवाद के लिए पाठ की लंबाई पर कोई सीमा नहीं है -** उपयोगकर्ता सामान्य संवादों से लेकर तकनीकी रिपोर्ट तक किसी भी लंबाई के दस्तावेज़ को अनुवादित कर सकते हैं। यह इसे शोध, प्रशासन और संचार के लिए अत्यंत उपयोगी बनाता है।

रीयल-टाइम ट्रांसलेशन: Bhashasetu (भाषासेतु) की प्रभावशीलता

Bhashasetu (भाषासेतु) अब PRL के इंटरनेट में पूर्णतः कार्यरत है। उपयोगकर्ता आंतरिक पोर्टल के माध्यम से इस सेवा तक पहुँच सकते हैं, पाठ दर्ज कर सकते हैं और तुरंत अनुवाद प्राप्त कर सकते हैं। यह टूल विशेष रूप से निम्नलिखित परिदृश्यों में सहायक सिद्ध हुआ है:

- - परिपत्रों, सूचनाओं और आंतरिक संचार का अनुवाद
- - द्विभाषी रिपोर्टों का निर्माण

- - प्रशासनिक दस्तावेज़ों में हिंदी उपयोग को बढ़ावा
- - संस्थान में भाषाई समावेशन को प्रोत्साहन

निष्कर्ष

भाषासेतु का सफल विकास और कार्यान्वयन, पीआरएल के आंतरिक नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करता है। यह संस्थान के कर्मचारियों को गुणवत्ता, सुरक्षा या प्रदर्शन से समझौता किए बिना, विभिन्न भारतीय भाषाओं में सूचनाओं का संचार और दस्तावेज़ीकरण करने में सक्षम बनाता है। कर्मचारियों को पीआरएल इंटरनेट के माध्यम से भाषासेतु का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और समावेशी डिजिटल अवसंरचना के निर्माण की हमारी प्रतिबद्धता के तहत, सीएनआईटी टीम मार्गदर्शन, प्रतिक्रिया और निरंतर समर्थन के लिए उपलब्ध रहती है।

आभार

हम पीआरएल के निदेशक प्रो अनिल भारद्वाज के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके प्रोत्साहन और दूरदर्शी नेतृत्व ने हमें नई तकनीकों और उपकरणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। हम पीआरएल के डीन के भी आभारी हैं, जिन्होंने निरंतर सहयोग प्रदान किया। हम सीएनआईटी के सभी सदस्यों के समर्पण के लिए विशेष रूप से आभारी हैं। अंत में, हम अपने सभी पीआरएल सहयोगियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।

संदर्भ

1. <https://github.com/AI4Bharat/IndicTrans2/>
2. <https://nginx.org/>
3. <https://www.yiiframework.com/doc/guide/1.1/en>

हिंदी कार्यशाला: जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही

जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही की हिंदी कार्यशाला दिनांक 17 जुलाई 2025 को 14:30 बजे, ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई। इस हिंदी कार्यशाला में वक्ता के रूप में श्री एम. जी. सोमशेखरन नायर, संयुक्त निदेशक (रा.भा.), इसरो/अंतरिक्ष विभाग द्वारा "हिंदी के प्रयोग संबंधी संशोधित संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली एवं महत्वपूर्ण राजभाषा नियम" विषय पर व्याख्यान दिया गया। हिंदी कार्यशाला के प्रारंभ में श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.), ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा राजभाषा के प्रोत्साहन में सभी के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात श्री प्रदीप कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी द्वारा वक्ता का परिचय दिया गया। इस हिंदी कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रतिभागियों को हिंदी से संबंधित आँकड़ों के महत्व एवं उनकी तथ्यपरकता के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यशाला हेतु कुल 68 सदस्यों को नामित किया गया था।

प्रस्तुति के पश्चात एक चर्चात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन प्रो. सोम कुमार शर्मा द्वारा किया गया। माननीय प्रशिक्षक महोदय ने प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों के उत्तर धैर्यपूर्वक प्रदान किए।

कार्यशाला की कुछ झलकियां

प्रश्नावली के चार भाग
Four parts of Questionnaire
निरीक्षण कार्यालय से संबंधित
Questionnaire related to Office under Inspection

- भाग-1 सामान्य सूचना, कर्मियों के हिंदी ज्ञान, प्रशिक्षण, हिंदी में किए जा रहे कार्य के संबंध में सूचना/General information, Hindi knowledge of personnel, Training, information regarding work done in Hindi.
- भाग-2 राजभाषा अधिनियम, नियम का अनुपालन/Compliance of OL act, rules.
- भाग-3 संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर राष्ट्रपति द्वारा जारी किए गए आदेशों पर कार्रवाई/Action on orders issued on first 9 parts of the report of CPOL by the President.
- भाग-4 कार्यालय स्तर पर जारी विज्ञापन, निरीक्षण, आभारों में हिंदी संबंधी कार्य, कार्यक्रमों का आयोजन, विदेशियों के संबंध में सूचना, कार्यालय धरातल द्वारा किया गया हिंदी बय/Advertisement issued at office level, Inspection, Hindi related work in Sections, conduct of programmes, information regarding notices and Hindi work done by head of office.



चतुर्थ सीएनआइटी डिवीजन नुक्कड़ - चाय पे बाइट पर "ज्ञानपुनरुत्थान - स्पेसनेट रिफ्रेश (रिवाइव, रिस्टोर, रिलर्न)"

सीएनआइटी प्रभाग चतुर्थ नुक्कड़ - चाय पे बाइट 01 अगस्त, 2025 को दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक "ज्ञानपुनरुत्थान - स्पेसनेट रिफ्रेश (रिवाइव, रिस्टोर, रिलर्न)" विषय पर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य और थलतेज परिसर में ऑफ़लाइन मोड में आयोजित किया गया। इस सत्र में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र में 80% चर्चा हिंदी में और 20% चर्चा अंग्रेजी में हुई।



सीएनआइटी प्रभाग द्वारा "चाय पे बाइट" पहल ज्ञान साझाकरण, अनुभव विनिमय और सहयोगात्मक समस्या-समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के सामने आने वाली आइटी-संबंधी चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना है, साथ ही सीएनआइटी प्रभाग और पीआरएल सहयोगियों के बीच संबंध को मज़बूत करना है। आपसी चर्चा के लिए एक अनौपचारिक लेकिन निर्दिष्ट मंच बनाकर, यह पहल पीआरएल की आइटी सेवाओं और बुनियादी संरचना की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में योगदान देती है।

सीएनआइटी ने अवलोकित किया है कि इसरो/अं.वि. स्पेसनेट नेटवर्क सेवाएँ जैसे सर्व-नभ, इंटरनेट इसरो/अं.वि. केंद्र/यूनिट की वेबसाइट ब्राउज़िंग का उपयोग मुख्य रूप से पीआरएल समुदाय द्वारा इसरो/अं.वि. के भीतर फ़ाइल साझा करने या इसरो/अं.वि. की आंतरिक वेब सेवाओं को ब्राउज़ करने के लिए किया जाता है। प्रायः यह देखा गया है कि स्पेसनेट से संबंधित सहायता अनुरोध सीएनआइटी तक अंतिम क्षणों में पहुँचते हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि ये सेवाएँ हमारे दैनिक कार्यों का नियमित अंश नहीं हैं, जिसके कारण इनकी कार्यक्षमताओं से संबंधित हमारा अभ्यास कम होता जाता है।

इस समस्या के समाधान के लिए, सीएनआइटी ने एक नई पहल की, और सीएनआइटी नुक्कड़ - चाय पे बाइट के बैनर के अंतर्गत पहला लाइव अभ्यास आधारित चर्चात्मक जागरूकता सत्र "ज्ञानपुनरुत्थान - स्पेसनेट रिफ्रेश (रिवाइव, रिस्टोर, रिलर्न)" आयोजित करने की योजना बनाई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य

प्रतिभागियों को स्पेसनेट के साथ अपने अभ्यास को ताजा करने, दोबारा सीखने और पुनः संपर्क स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है, और आवश्यकता पड़ने पर स्पेसनेट सेवाओं का तत्परता से उपयोग करना है। तकनीकी जागरूकता को चर्चात्मक शिक्षण के साथ जोड़कर, सत्र ने प्रतिभागियों को अपने कार्यप्रणाली

में स्पेसनेट को अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने में सशक्त बनाया, जिससे चाय पे बाइट के व्यापक मिशन को बल मिला।

श्री आलोक श्रीवास्तव और श्री तेजस सरवैया ने क्रमशः मुख्य परिसर और थलतेज परिसर में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। दोनों स्थानों पर सभी प्रतिभागियों को समग्र स्पेसनेट अवसंरचना और इसकी प्रमुख सेवाओं, जिनमें सर्व-नभ (इसरो/अं.वि. फ़ाइल साझाकरण), VAST/VISWAS, कार्यालय आदेश, अन्य इसरो/अं.वि. केंद्रों और यूनिटों की स्पेसनेट वेबसाइट, और कर्मचारी संपर्क निर्देशिकाएँ आदि के बारे में जानकारी दी गई। पीआरएल लैन और पीआरएल के स्पेसनेट नेटवर्क के बीच फ़ाइल ट्रांसफर के लिए पीआरएल की वेब-आधारित फ़ाइल ट्रांसफर सेवा "टेम्पशेयर" पर भी चर्चा हुई। सीएनआईटी टीम ने इन सेवाओं तक प्रभावी पहुँच और उपयोग की जानकारी देने के लिए लाइव प्रदर्शन किया।

दोनों परिसरों में निम्नलिखित सीएनआईटी सदस्यों द्वारा व्यावहारिक सत्र का समन्वय किया गया।

- **मुख्य परिसर:** श्री याग्रिक लकुम और श्री राहुल परमार ने प्रतिभागियों को सभी तकनीकी सहायता और दिशानिर्देश प्रदान किया। उन्होंने "टेम्पशेयर" और "इसरो/अं.वि. सर्व-नभ" सुविधा का उपयोग करने में मदद की।
- **थलतेज परिसर:** श्री देवर्षि ब्रह्मभट्ट, श्री तेजस सरवैया और श्री वैभव राठौड़ ने प्रतिभागियों को सभी तकनीकी सहायता और दिशानिर्देश प्रदान किया। उन्होंने "टेम्पशेयर" और "इसरो/अं.वि. सर्व-नभ" सुविधा का उपयोग करने में मदद की।

प्रत्येक प्रतिभागी ने "सर्व-नभ" और "टेम्पशेयर" पर हाथों-हाथ गतिविधियाँ की, जिससे उन्हें स्पेसनेट सेवाओं की कार्यक्षमता और उपयोग से फिर से जुड़ने का अवसर मिला। इन व्यावहारिक गतिविधियों ने कार्यक्रम के मूल विषय "रिवाइव, रिस्टोर, रिलर्न" को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **रिवाइव:** प्रतिभागियों ने स्पेसनेट सेवाओं का पुनः मंथन किया, जिनका उन्होंने पूर्व में भी उपयोग किया था, लेकिन धीरे-धीरे उपयोग कम कर दिया था। इस अभ्यास से वे दोबारा प्रक्रिया से परिचित हुए।
- **रिस्टोर:** निर्देशित अभ्यास के माध्यम से, उन्होंने दोबारा स्पेसनेट सेवा का अनुभव लिया।
- **रिलर्न:** इंटरैक्टिव प्रारूप ने उन्हें अपनी समझ को गहरा करने, गलत धारणाओं को दूर करने और वर्तमान सर्वोत्तम अभ्यास के साथ अपने ज्ञान को अद्यतन करने का अवसर दिया।

इस व्यापक अनुभव ने प्रतिभागियों को स्पेसनेट सेवाओं को अपने कार्यप्रणाली में सहजता से जोड़ने में सक्षम बनाया, जिससे आवश्यकतानुसार तत्परता और दक्षता सुनिश्चित हुई।

यह सत्र अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ और इसमें स्पेसनेट सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और "ज्ञानपुनरुत्थान - रिवाइव, रिस्टोर, रिलर्न" के अंतर्गत सीएनआईटी प्रभाग के नवाचार "सीएनआईटी नुक्कड़ - चाय पे बाइट" की सराहना की।

सभी प्रतिभागियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह दिखाया और सीएनआईटी प्रभाग के समर्पित प्रयासों की तहे दिल से सराहना की। उनकी सक्रिय प्रतिभागिता ने समग्र शिक्षण अनुभव को समृद्ध बनाया और सत्र को वास्तव में चर्चात्मक बनाया।

सीएनआईटी के सदस्य विभिन्न आईटी क्षेत्रों में इस तरह की गतिविधियाँ शुरू करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा देने के लिए निदेशक, पीआरएल का हार्दिक धन्यवाद करते हैं। सीएनआईटी टीम पीआरएल के रजिस्ट्रार और डीन, पीआरएल को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देती है। टीम प्रो. बिजय साहु, प्रो. वरुण शील, प्रो. नमित महाजन और डॉ. षण्मुगम को भी आईटी से जुड़ी सभी गतिविधियों और परियोजनाओं में उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद देती है। सीएनआईटी टीम तहे दिल से उन सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करती है जिन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया, अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और हमें भविष्य में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सीएनआईटी सभी पीआरएल उपयोगकर्ताओं को उनके सहयोग और समर्थन के लिए भी धन्यवाद देता है।

कार्यक्रम की झलकियां



पीआरएल में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 को पीआरएल मुख्य परिसर, लाइब्रेरी लॉन में उत्साहपूर्वक मनाया गया। पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ। नियमों के अनुसार, सीआईएसएफ और पीआरएल ने कार्यप्रणाली और दृढ़ता के प्रतीक के रूप में एक परेड का आयोजन किया। प्रो. अनिल भारद्वाज ने वर्ष के दौरान पीआरएल की वैज्ञानिक और अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एक समृद्ध और देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण दिया। सीआईएसएफ कैडेटों को मेरिट पुरस्कार दिए गए और पीआरएल कर्मचारियों को सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए जिन्होंने पीआरएल में 25 साल की सेवाएं पूरी कर ली हैं। हमारे वीरों और स्वतंत्रता सेनानियों की याद में, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, हमें स्वतंत्रता, शांति और आनंद दिलाया, पीआरएल सदस्यों के बच्चों के लिए एक फैसी ड्रेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयु वर्ग 2-12 वर्ष था, जिसमें कई बच्चे रानी लक्ष्मी बाई, सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, मदर टेरेसा, सरदार वल्लभभाई पाटे आदि बनकर आये थे। इन बच्चों ने अपने द्वारा चित्रित राष्ट्रीय नायकों के बारे में एक संक्षिप्त भाषण दिया। पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज ने सम्मानित कर उन सभी का हौसला बढ़ाया। विभिन्न आयोजनों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया, जैसे वार्षिक बैडमिंटन, वार्षिक ब्रिज टूर्नामेंट और राजभाषा प्रतिभा पुरस्कार। स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित करने के लिए बच्चों द्वारा तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए, जिसके बाद पीआरएल सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस की झलकियां



उदयपुर सौर वेधशाला में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

उदयपुर सौर वेधशाला/भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। देशभक्ति के वातावरण को सुदृढ़ करने हेतु परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. षिबू के. मैथ्यू, प्रमुख, यूएसओ/ पीआरएल, उदयपुर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिससे उपस्थित सभी जनों में गर्व और एकता की भावना जागृत हुई।

इस अवसर पर डॉ. मैथ्यू ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। डॉ. भुवन जोशी, उप प्रधान, यूएसओ/ पीआरएल, उदयपुर ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास एवं प्रगति पर विचार व्यक्त करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियों और भावी संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उदयपुर सौर वेधशाला की उपलब्धियों तथा उसके भविष्य के लक्ष्यों की भी विस्तार से जानकारी प्रदान की।

प्रो. नंदिता श्रीवास्तव एवं डॉ. ब्रजेश कुमार, जिन्होंने यूएसओ/ पीआरएल में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण की है, ने अपने अनुभव साझा करते हुए श्रोताओं को प्रेरित किया। टीए सम्मान समारोह के अंतर्गत श्री सुनील को उनकी समर्पित सेवा के लिए 'सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा कार्मिक पुरस्कार (2024-2025)' से सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य एवं कल्याण गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 21 जून को आयोजित योग दिवस प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर को विशेष महत्व देते हुए कर्मचारियों के परिजनों ने परिसर में वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया, जिससे पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं हरित भविष्य के संकल्प को सुदृढ़ किया गया।

समारोह का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें गणमान्य अतिथियों, कर्मचारियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के योगदान की सराहना की गई। यह आयोजन देशभक्ति की भावना को सशक्त करते हुए एक सुदृढ़ और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण हेतु एकता, सेवा और प्रतिबद्धता के मूल्यों को और अधिक दृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (NSpD) 2025 समारोह

भारत ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला राष्ट्र बनकर इतिहास रच दिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में घोषित किया और सभी को देश भर में हर साल इस अनूठी उपलब्धि का उत्सव मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतरिक्ष विभाग ने अंतरिक्ष विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों में युवाओं को प्रेरित करने के लिए पूरे अगस्त 2025 में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित किए हैं। इस दिशा में, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में छात्र कार्यशाला, ओपन हाउस कार्यक्रम और व्याख्यान और छात्रों के साथ चर्चा सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। "अंतरिक्ष में भारत: अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर एक कार्यशाला 20 अगस्त 2025 को अहमदाबाद के नवरंगपुरा परिसर में आयोजित की गई है। कार्यशाला में युवा पीढ़ी को अंतरिक्ष अन्वेषण में भविष्य के अवसरों की ओर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए भारत की वैज्ञानिक विरासत को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। एनएसपीडी कार्यशाला को आकर्षक प्रदर्शन, व्यावहारिक वार्ता और इंटरैक्टिव सत्रों से पूर्ण किया गया, जिससे यह सभी प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर बन गया। कार्यशाला सुबह 8:30 बजे अंतरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण प्रदर्शनों के प्रदर्शनी के साथ शुरू हुई। पीआरएल वैज्ञानिकों ने ग्रहों और अंतरिक्ष अन्वेषण, उल्कापिंड अध्ययन और माउंट अबू वेधशाला के आभासी दौरे पर व्यावहारिक वार्ता की। प्रत्येक वार्ता के बाद छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला में गुजरात और राजस्थान के 8 स्कूलों और 2 कॉलेजों के लगभग 300 छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उदयपुर सोलर ऑब्जर्वेटरी (यूएसओ) ने उदयपुर शहर के साथ-साथ उदयपुर जिले के उपनगरीय क्षेत्रों में स्थित 7 स्कूलों और 6 कॉलेजों के लगभग 130 छात्रों और 25 शिक्षकों के लिए पूरे दिन के ओपन हाउस कार्यक्रम का भी आयोजन किया। ओपन हाउस में व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, छात्रों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा और पोस्टर के माध्यम से यूएसओ की वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों के चित्रण जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल थीं। इसके अलावा, उदयपुर के फतेहसागर झील के अंदर द्वीप वेधशाला में संचालित अत्याधुनिक मल्टी-एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप (एमएएसटी) और यूएसओ में इंटरनेशनल ग्लोबल ऑसिलेशन नेटवर्क ग्रुप (जीओएनजी) सोलर ऑप्टिकल टेलीस्कोप के दौरे की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, 12 अगस्त 2025 को मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू), उदयपुर में यूएसओ संकाय द्वारा "विकसित भारत की अंतरिक्ष यात्रा" विषय पर एक व्याख्यान भी दिया गया।

इस व्याख्यान में लगभग 200 यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों के साथ-साथ भौतिकी विभाग, एमएलएसयू के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। अधिकतम संख्या में छात्रों तक पहुंचने के लिए, अहमदाबाद, माउंट आबू और उदयपुर परिसरों के पीआरएल वैज्ञानिकों ने राजस्थान (माउंट आबू, आबू रोड, सिरोही और उदयपुर) और गुजरात (अहमदाबाद, गांधीनगर, आणंद, सिहोल, वडोदरा और पालनपुर) में विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का दौरा किया, जहां उन्होंने व्याख्यान दिए और अंतरिक्ष अन्वेषण के कई पहलुओं पर छात्रों के साथ बातचीत की। उनकी पहुंच लगभग 3500 से अधिक छात्रों तक थी। ये आकर्षक समारोह हर टीम के समन्वित योगदान के बिना संभव नहीं होते, चाहे वह प्रदर्शन डिजाइन करने में हो, व्याख्यान देने में,

छात्रों का मार्गदर्शन करने या व्यवस्था प्रबंधन करने में हो। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के लिए दर्शाए गए टीम वर्क और निष्ठा ने इस आयोजन को यादगार बना दिया और यह इसकी भावना के साथ मेल खाता है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की झलकियां



कविता

'ईश्वर'

कहाँ ढूँढ़ूँ मै तुझे हे ईश्वर,
मंदिर में गया तो तुझे पत्थर में देखा.
दरगाह में तुझको हरी चद्दर में पाया.
चर्च में ढूँढा तो क्रॉस में था तू .
गुरूद्वारे में तू अरदास में समाया.
ना तू घंटी बजाने से आया,
ना तू नमाज से आया,
ना तू प्रार्थना में आया.
ना तू अरदास में आया.
ना तू कुछ कहता है न ही तू दिखता है.
शायद तू सपनों में ही दिखता है.
जबसे श्रद्धा ,भक्ति और विश्वास बढ़ा,
तू मुझे हर चीज में दिखा.
अब हर व्यक्ति में तू दिखता है.
अहसास मुझे अब होता है,
तू पूरी दुनिया में समाया है.
अगर हर वस्तु ,इंसान में तुझे हम देखेंगे,
फिर तुझे ना ढूँढ़ना होगा ना ही कुछ मांगना होगा.
हां सत्य है कि ईश्वर मुझमे है तुझमे है सबमे है.



उदयपुर सौर वेधशाला (यूएसओ) में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह (एनएसपीडी)

यूएसओ, पीआरएल द्वारा आयोजित एनएसपीडी समारोह 2025 का उद्घाटन 12 अगस्त 2025 को विक्रम जयंती के अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू), उदयपुर में किया गया। इस अवसर पर यूएसओ के संकाय सदस्यों ने "विकसित भारत की ओर भारत की अंतरिक्ष यात्रा" विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा, जिसमें एमएलएसयू के भौतिकी विभाग के संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 200 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



एमएलएसयू समूह छायाचित्र

दिनांक 20 अगस्त 2025 को, यूएसओ-पीआरएल द्वारा उदयपुर शहर और उदयपुर ज़िले के उपनगरीय क्षेत्रों में स्थित 7 स्कूलों और 6 कॉलेजों के कुल 130 छात्रों और 25 शिक्षकों के लिए एक पूरे दिन का ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किया। यह ओपन हाउस कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया था :पूर्वाह्न सत्र विशेष रूप से स्कूली छात्रों और उनके साथ आए शिक्षकों के लिए था, जो सुबह 9:00 बजे शुरू हुआ, जबकि दोपहर का सत्र कॉलेज के छात्रों और उनके संकाय सदस्यों के लिए था, जो दोपहर 2:00 बजे शुरू हुआ। यूएसओ-पीआरएल द्वारा ओपन हाउस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम के विकास पर व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सूर्य और अंतरिक्ष मौसम एवं छात्रों के साथ बातचीत, पोस्टर के माध्यम से यूएसओ, पीआरएल की वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों का चित्रण और यूएसओ-पीआरएल की विभिन्न सौर अवलोकन सुविधाओं का

दौरा जिनमें सम्मिलित हैं –

1. फतेहसागर झील के टापू पर स्थित वेधशाला में संचालित अत्याधुनिक मल्टी-एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप (मास्ट)
2. अंतर्राष्ट्रीय ग्लोबल ऑसिलेशन नेटवर्क ग्रुप (गोंग) सौर ऑप्टिकल टेलीस्कोप, एवं
3. यूएसओ के मुख्य कार्यालय परिसर के अंदर स्थित सोलर रेडियो टेलीस्कोप।

छात्रों और शिक्षकों ने हमारे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा यूएसओ, पीआरएल द्वारा संचालित वैज्ञानिक एवं तकनीकी गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। प्रतिभागियों ने "आर्यभट्ट" उपग्रह के प्रक्षेपण के युग से लेकर चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल1 और वर्तमान गगनयान मिशन तक भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की यात्रा से उन्हें अवगत कराने के हमारे प्रयासों की सराहना की। इस आयोजन के सफल संचालन हेतु यूएसओ के सभी सदस्यों - संकाय, इंजीनियर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी, तकनीकी स्टाफ, शोधार्थी, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रशिक्षु, दूरबीन ऑपरेटर प्रशिक्षु, परियोजना छात्र, संविदा कर्मचारी तथा सुरक्षा कर्मियों ने समर्पित भाव से कार्य किया। फतेहसागर झील के टापू पर स्थित वेधशाला तक छात्रों और शिक्षकों के सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन में राजस्थान, उदयपुर स्थित राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, जो अत्यंत सराहनीय है। इन सभी के सामूहिक प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की झलकियां





भारत मंडपम में राष्ट्रीय बैठक 2.0 और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस में पीआरएल सदस्यों की प्रतिभागिता

“राष्ट्रीय बैठक 2.0” और “राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस” नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम थे, जो भारत की अंतरिक्ष क्षमता और भविष्य की दृष्टि पर केंद्रित थे। समारोह की शुरुआत 22 अगस्त 2025 को “राष्ट्रीय बैठक 2.0” के साथ हुई, जिसका विषय था - “विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों का लाभ उठाना”। एक उच्च-स्तरीय नीतिगत सम्मेलन के रूप में आयोजित इस बैठक ने केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, निजी उद्योग, शिक्षाविदों तथा स्टार्ट-अप प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान किया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय विकास के प्रत्येक क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के एकीकरण हेतु एक ठोस रोडमैप तैयार करना था।

इस अवसर पर उभरते अंतरिक्ष स्टार्ट-अप, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और छात्र नवप्रवर्तकों की क्रांतिकारी उपलब्धियों को प्रदर्शित करती एक सजीव नवाचार प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। दस विशिष्ट ब्रेकआउट सत्रों में कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, जलवायु निगरानी और डिजिटल शासन जैसे प्राथमिकता क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई। प्रत्येक सत्र से नीति-निर्माण और सहयोग के लिए क्रियाशील सिफारिशें प्राप्त हुईं। इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, केंद्रीय मंत्रियों और उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं ने 2047 तक भारत के विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया।

अगले दिन, 23 अगस्त 2025 को चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग की स्मृति में दूसरे “राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस” का भव्य आयोजन किया गया। प्रेरक विषय - “आर्यभट्ट से गगनयान: अनंत संभावनाओं के लिए प्राचीन ज्ञान” - के माध्यम से कार्यक्रम ने भारत की प्राचीन खगोलीय परंपरा को सम्मान देते हुए भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर दृष्टि केंद्रित की। इस अवसर पर प्रख्यात वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं के मुख्य व्याख्यान आयोजित हुए तथा चार पैनल चर्चाओं में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के विस्तार, ग्रहों की खोज की नई सीमाओं, वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्यमों के संवर्धन तथा भारतीय अंतरिक्ष अभियानों में महिलाओं की बढ़ती नेतृत्वकारी भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

भारत के प्रथम “गगनयात्रियों” के साथ संवादात्मक सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। उन्होंने अपने प्रशिक्षण और मिशन तैयारियों से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव साझा कर छात्रों और युवा पेशेवरों को प्रेरित किया। छात्र एवं जनसहभागिता समारोह का केंद्रीय तत्व रही। देशभर के विद्यालयों और महाविद्यालयों में विज्ञान मेले, जन-जागरूकता कार्यक्रम तथा इसरो वैज्ञानिकों के साथ संवाद आयोजित किए गए। इसरो रोबोटिक चैलेंज और भारतीय अंतरिक्ष हैकेथॉन 2025 जैसे प्रतिस्पर्धात्मक आयोजनों ने युवाओं में व्यापक उत्साह उत्पन्न किया तथा वास्तविक अंतरिक्ष चुनौतियों के समाधान हेतु नवाचारी विचारों को प्रोत्साहित किया। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने उद्घाटन सत्र में विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनकी सृजनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता की सराहना की।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस दो-दिवसीय समारोह में सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में पीआरएल के निदेशक की उपस्थिति के दौरान विभिन्न मंत्रालयों की प्रगति-रिपोर्टें जारी

की गई, जिसने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोगों में सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास की महत्ता को रेखांकित किया। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने तकनीकी प्रदर्शनों और विषयगत चर्चाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इन प्रस्तुतियों और प्रदर्शनों से प्राप्त अनुभव ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया तथा भविष्य के अनुसंधान की दिशाओं की पहचान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



सीएनआईटी सहकर्मियों के लिए पास परियोजना के संग्रहण अवसंरचना पर प्रशिक्षण का आयोजन

पीआरएल पास परियोजना के अंतर्गत 2-3 सितंबर 2025 को अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में "नेटएप एफएस 9500 संग्रहण अवसंरचना" पर दो आधे दिनका तकनीकी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। नेटएप के अकाउंट टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ, श्री गौरव मिश्रा, जिनके पास संग्रहण और डेटा प्रबंधन समाधान बनाने में पाँच वर्षों से अधिक का अनुभव है, को पीआरएल में नेटएप संग्रहण तकनीकों की अवधारणाओं पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया गया था।

सभी सीएनआईटी कर्मचारियों के लिए डिज़ाइन किए गए इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक संग्रहण तकनीकों पर सिस्टम प्रशासन के उनके पेशेवर तकनीकी कौशल को अद्यतन करना था। सत्रों में एंटरप्राइज़ संग्रहण प्रणालियों के मूलभूत और उन्नत दोनों पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें एकीकृत संग्रहण, डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन अनुकूलन और सुरक्षा शामिल हैं। व्याख्यानों, लाइव प्रदर्शनों और परस्पर संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से, प्रतिभागियों ने सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि के साथ-साथ मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया।

यह पहल पीआरएल-सीएनआईटी द्वारा अपनी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने और अपनी टीम के सदस्यों को उभरती आईटी अवसंरचना प्रबंधन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने पर निरंतर जोर देने को दर्शाती है।

लाइव प्रशिक्षण सत्रों के दौरान ली गई कुछ तस्वीरें निम्नलिखित हैं:

प्रशिक्षण की झलकियां



अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभावों पर मूलभूत प्रशिक्षण

पीआरएल ने 15 से 26 सितंबर 2025 के दौरान डिफेंस स्पेस एजेंसी (DSA) के नामित कर्मियों के लिए "अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभावों" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। DSA, भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना और भारतीय नौसेना के कुल 20 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह पाठ्यक्रम खास तौर पर अंतरिक्ष मौसम में होने वाली प्रक्षोभों की उत्पत्ति, विकास, अन्योन्यक्रिया के साथ-साथ भू और अंतरिक्ष-आधारित प्रौद्योगिकीय प्रणाली पर उनके प्रभावों की बुनियादी और पूरी समझ देने के लिए तैयार किया गया था, जो कि सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए प्रासंगिक हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूर्य-अंतरग्रहीय माध्यम-चुंबकमंडल-आयनमंडल-तापमंडल प्रणाली में मूलभूत प्रक्रियाओं, क्षणिक घटनाओं (जैसे इंटरप्लेनेटरी कोरोनल मास इजेक्शन, स्ट्रीम / को-रोटेटिंग इंटरैक्शन रीजन) और उनके विशेषीकरण, भू और अंतरिक्ष आधारित प्रौद्योगिकीय प्रणाली पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभावों, अंतरिक्ष मौसम डेटा की व्याख्या और मॉडलिंग आदि से संबंधित केंद्रित विषयों पर वार्ता की श्रृंखला शामिल थी। वार्ता के अलावा, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए अभ्यासों के साथ प्रैक्टिकल सत्र आयोजित किए गए, ताकि अंतरिक्ष मौसम की घटनाओं और भू और अंतरिक्ष-आधारित प्रयोगों के डेटा का उपयोग करके उनके प्रभावों के आकलन के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान किया जा सके। सत्र प्रतिशत से अधिक वार्ता/सत्र पीआरएल संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए और कुछ वार्ताएं पीआरएल के बाहर के फैकल्टी द्वारा दिए गए थे। पीआरएल की उदयपुर सोलर ऑब्जर्वेटरी (USO) की दो दिवसीय शैक्षणिक यात्रा आयोजित की गई, जिसके दौरान, प्रतिभागियों ने मल्टी एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप (MAST) सुविधा का दौरा किया और eCallisto और GONG सुविधाओं का अवलोकन किया। पीआरएल मुख्य और थलतेज परिसर में प्रयोगशालाओं का दौरा भी आयोजित किया गया, जिसमें इसरो के अंतरिक्ष मिशन के लिए पीआरएल में विकसित इन-हाउस निर्मित अत्याधुनिक भू-और अंतरिक्ष-आधारित प्रयोगों और पेलोड का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम औपचारिक मूल्यांकन और प्रमाण पत्र वितरण के साथ समाप्त हुआ। प्रतिभागी पूरे कार्यक्रम के दौरान बहुत उत्साहित थे और उन्होंने पीआरएल में प्राप्त ज्ञान और सीखने के अनुभव के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस तरह के आयोजन देश में अंतरिक्ष मौसम पर निर्भर रणनीतिक अनुप्रयोग में योगदान देने के लिए पीआरएल की निष्ठा और प्रयासों को दर्शाते हैं।



15 सितंबर 2025 को "अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभावों पर मूलभूत प्रशिक्षण" के उद्घाटन के दौरान प्रतिभागियों और पीआरएल सदस्यों की ग्रुप फोटो।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिनांक 10.09.2025 के परिपत्र और दिनांक 17.09.2025 को अंतरिक्ष विभाग के पृष्ठांकन के आधार पर, पीआरएल में 27 अक्टूबर 2025 से 2 नवंबर 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) - 2025 मनाया गया था। VAW-2025 का विषय था सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी। पीआरएल के सभी स्टाफ सदस्यों ने 27.10.2025 को अपने-अपने कार्य स्थलों पर सत्यनिष्ठा की शपथ ली। सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के अलावा, सभी स्टाफ सदस्यों को सीवीसी पोर्टल (<https://pledge.cvc.nic.in>) में सत्यनिष्ठा ई-प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुल 77 पीआरएल कर्मचारियों ने ई-शपथ ली है, जिसके लिए सीवीसी पोर्टल से ऑनलाइन प्रमाणपत्र डाउनलोड किए जा सकते हैं। पीआरएल के लिए एक संगठन के रूप में सत्यनिष्ठा ई-शपथ भी ली गई है। VAW2025 के अवसर पर 31.10.2025 को एक ऑफलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसमें पीआरएल के सभी परिसरों के 30 सदस्यों ने भाग लिया था। इस निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को 26.01.2026 को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। निवारक सतर्कता गतिविधियों के संबंध में: 3 महीने का अभियान, 31.10.2025 को जागरूकता सप्ताह के दौरान पीआरएल के स्थायी कर्मचारियों के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा सुझाए गए निम्नलिखित विषयों पर एक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया था: - (ए) आरोप पत्र तैयार करना (बी) सीटीई प्रकार की गहन परीक्षाएं आयोजित करना।

पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ





हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2025

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद में 19 सितंबर 2025 को एक दिवसीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर हिंदी माह समारोह 2025 का उद्घाटन भी संयुक्त रूप से संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी में उदयपुर सौर वेधशाला (यूएसओ), माउंट आबू वेधशाला तथा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), अहमदाबाद के प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

पीआरएल द्वारा आयोजित हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2025 में विविध एवं व्यापक शोध क्षेत्रों को समाहित किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, चिकित्सा, पर्यावरण तथा संचार जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति ने समाज के विकास में उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्वांटम कंप्यूटिंग तथा नैनो-प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में निरंतर अनुसंधान भविष्य की दिशा निर्धारित कर रहा है।

यह संगोष्ठी विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा, विचार-विमर्श और ज्ञान-विनिमय का प्रभावी मंच सिद्ध हुई। साथ ही, हिंदी में तकनीकी शब्दावली, अभिव्यक्ति एवं ज्ञान-संपदा को समृद्ध करने का यह एक महत्वपूर्ण प्रयास भी रहा। ऐसे आयोजनों से छात्रों, शोधार्थियों एवं वैज्ञानिक समुदाय को अपने अनुभव, अनुसंधान निष्कर्ष तथा नवीनतम तकनीकी जानकारी साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ, जिससे ज्ञान के व्यापक प्रसार को बल मिला।

विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि पीआरएल ने पहली बार हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में “फ्लैश टॉक” सत्र को सम्मिलित किया। यद्यपि अन्य वैज्ञानिक सम्मेलनों में यह प्रारूप प्रचलित है, परंतु अंतरिक्ष विभाग की हिंदी तकनीकी संगोष्ठियों में इस प्रकार का नवाचार पहली बार पीआरएल द्वारा किया गया। वर्तमान तीव्रगामी समय में संक्षिप्त एवं प्रभावी प्रस्तुतियों को अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

विभिन्न कार्यालयों तथा नराकास, अहमदाबाद से आए आमंत्रित सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने आयोजन की समग्र व्यवस्था तथा सुव्यवस्थित संचालन की सराहना की। संगोष्ठी का मुख्य विषय:

“वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मूलभूत एवं अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान “आवश्यकताएँ एवं संभावनाएँ —

(A) मूलभूत अनुसंधान हेतु उप:विषय-

- अंतरिक्ष विज्ञान, ग्रहीय विज्ञान, खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी, सौर भौतिकी
- पृथ्वी विज्ञान, भूविज्ञान एवं संबंधित विषय

(B) कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन शिक्षण

(C) मुख्य विषय से संबंधित अन्य प्रासंगिक विषय

उपरोक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित :पत्र प्रस्तुत किए गए-विषयों पर भी शोध (परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं)

1. मौलिक एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान का एकीकरण
2. वैश्विक अनुसंधान में अंतःविषय सहयोग के अवसर
3. कम्प्यूटेशनल नवाचार एवं डेटामॉडलिंग) संचालित अनुसंधान-, सिमुलेशन तथा बिग डेटा विश्लेषण में कंप्यूटर विज्ञान का उपयोग
4. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उपग्रह प्रणालियाँ (मूलभूत विज्ञान से अभियांत्रिकी उपलब्धियों तक)
5. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं नीतिगत ढाँचे वित्तपोषण), नैतिकता और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र
6. डिजिटल युग में अनुसंधान की बदलती प्रवृत्तियाँ
7. डिजिटल युग में युवाओं की शोध क्षमताएँ एवं अवसर
8. अनुप्रयुक्त अनुसंधान के माध्यम से समाजोपयोगी समाधान

इस संगोष्ठी में उपर्युक्त विषयों पर कुल 85 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए-, जिनमें 54 फ्लैश टॉक तथा 31 मौखिक प्रस्तुतियाँ सम्मिलित थीं। मौखिक पीपीटी और फ्लैश टॉक प्रस्तुतियों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

क्रमांक	नाम	पदनाम	शीर्षक	पीआरएल /सैक
मौखिक प्रस्तुतियां:				
1.	प्रो .जयेश पी . पाबारी	प्रोफेसर	मंगल ग्रह पर धूल भरी आंधी के दौरान आवेशित धूल के अध्ययन हेतु संवेदक का विकास और परीक्षण	पीआरएल
2.	डॉ. अर्पित पटेल	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	विकिरण के प्रकार एवं मापन प्रणाली का वर्गीकरण	पीआरएल
3.	श्रीमती सृष्टि शर्मा	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	भाषासेतुएक सुरक्षित ऑफ़लाइन : बहुभाषी अनुवाद उपकरण	पीआरएल
4.	श्री कुशाग्र उपाध्याय	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	लघु लागत एवं स्वदेशी LWA-CALLISTO प्रणाली द्वारा सौर रेडियो विस्फोटों का अध्ययन :USO-PRL से प्रारंभिक परिणाम	पीआरएल

5.	श्री अभिषेक कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	ASPEX-SWIS संचालन का एक वर्ष - अवलोकन और वैज्ञानिक क्षमता	पीआरएल
6.	श्रीमती अल्का	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	निस्प उपकरण के लिए डिटेक्टर का शोर लक्षण वर्णन	पीआरएल
7.	सुश्री निमिषा सिंह	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	इनसैट-3डीएस से सक्रिय अग्नि उत्पाद का वैधीकरण	सैक
8.	श्री दानिश हुसैन	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	गहरे संवहनीय बादलों का उपयोग करके इनसैट-3डीएस इमेजर दृश्य चैनल का अंशांकन	सैक
9.	श्री यज्ञेशकुमार आरपटेल .	वैज्ञानिक/अभियंता – एस.जी.	नाविक एल -5 (NavIC – L5) मोड में स्थिति त्रुटि और GDOP प्रदर्शन पर उपलब्ध केवल 4 नाविक उपग्रहों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए लॉग किए गए नाविक रिसेवर डेटा का विश्लेषण	सैक
10.	श्री जयेश जयराजन	वैज्ञानिक/अभियंता – एस.एफ.	मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिस्प्ले पैनल ड्राइवर का डिज़ाइन	सैक
11.	सुश्री स्वाति मेहता	वैज्ञानिक/अभियंता – एस.सी.	एरोसोल निगरानी के लिए प्रस्तावित ध्रुवीयमापी संवेदक का अनुकरण आधारित प्रारंभिक अध्ययन	सैक
12.	सुश्री निधि सिंह	वैज्ञानिक/अभियंता – एस.जी.	सी-बैंड आवृत्ति जनित्र के लिए गुणक और एकीकृत फ़िल्टर का अभिकल्प एवं विकास	सैक
13.	डॉ. आभा छाबरा	प्रधान, रेस्पॉंड एवं अनुसंधान प्रबंधन प्रभाग	भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम हेतु वैश्विक अनुसंधान में अंतःविषय सहयोग: सैक के योगदान	सैक

22.	श्री जितेंद्र कुमार	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.एफ.	जीआइसैट: भू-स्थिर कक्षा से उच्च रेजोल्यूशन सुदूर संवेदन की उपयोगिता एवं नवीनता	सैक
23.	श्री चंद्रशेखर	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.जी.	असेंबली और हार्मेटिक सील परीक्षण स्थितियों के तहत एल.सी.सी.टी. में विफलता का थर्मोसंरचनात्मक - विश्लेषण	सैक
24.	श्री विकास अग्रवाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	उच्च गति प्रकाशीय संचार उपग्रह का अनुप्रयोग और विकास अनुसंधान	सैक
25.	सुश्री प्रतिभा खेमसरा	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	"उपग्रह डेटा की विश्वसनीयता और सटीकताप्रक्षेपण के बाद : रेडियोमेट्रिक कैलिब्रेशन की निर्णायक भूमिका."	सैक
26.	श्री रंजन परनामी	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.एफ.	इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर के लिए ऑनबोर्ड डेटा रिकॉर्डिंग सिस्टम	सैक
27.	सुश्री सिनी सूसन वर्गीस	सामाजिक अनुसंधान अधिकारी.सी -	राष्ट्रीय विकास के लिए डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र: युवाओं में क्षमता निर्माण में इसरो की भूमिका	सैक
28.	श्री नारायण मोहंती	सामाजिक अनुसंधान अधिकारी डी.	ईगवर्नेस- हेतु अंतरिक्ष आधारित सामाजिक अनुप्रयोगसैक के योगदान :	सैक
29.	श्री आनन्द मोहन रोय	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	अंतरिक्ष में ऑनबोर्ड सॉफ्टवेयर के लिए सॉफ्टवेयर अद्यतन के लिए कार्यप्रणाली	सैक
30.	श्री पुरुषोत्तम तम्माली	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	डीडीएस रहित-डिजिटल आवृत्ति अनुवाद और छनन तथा इसके विकिरणसख्त- कार्यान्वयन के लिए एक नवीन एल्गोरिथ्म	सैक
31.	श्री हरीश सेठ	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.जी.	बाह्य ग्रहों के अन्वेषण में मूलभूत एवम अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान	सैक

प्लैश टॉक प्रस्तुतियां:

32.	श्री वैभव वरीश सिंह राठौर	वैज्ञानिक/इंजीनि- यर एस.डी.	संवाद-AI: एक सुरक्षित ऑफ़लाइन संवादात्मक AI	पीआरएल
33.	श्री प्रशांत जांगिड़	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	छवि	पीआरएल
34.	श्री दिनेश मेहता	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.ई.	PRL Overleaf: एक कस्टमाइज्ड LaTeX सहयोगी प्लेटफार्म	पीआरएल
35.	श्री आलोक श्रीवास्तव	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.ई.	पाई होल के साथ-DNS-स्तरीय नेटवर्क फ़िल्टरिंग	पीआरएल
36.	सुश्री सोनम जीतरवाल	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	प्राकृतिक और कृत्रिम स्रोतों द्वारा उत्पन्न बिजली के स्पेक्ट्रम का तुलनात्मक अध्ययन	पीआरएल
37.	श्रीमती अंकिता पटेल	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	कैमरा इंटरफ़ेस नियंत्रण सॉफ्टवेयर का विकास और उपकरण नियंत्रण सॉफ्टवेयर के साथ इसका एकीकरण	पीआरएल
38.	सुश्री ऋचा नाजा जैन	पीडीएफ	कोरोनल रेडियो साउंडिंगसूर्य के : निकट सौर पवन गतिशीलता की जांच के लिए एक प्रवीण तकनीक	पीआरएल
39.	श्री भावेश राज सिंह नेहरा	वैज्ञानिक/अभियं ता – एस.सी.	पॉलीनोमियल ट्रांसफर इकेशन वाले डिफरेंशियल इंडक्टिव सेंसर के लिए इंस्ट्रुमेंटेशन एम्पलीफायर आधारित - एंड-लीनियरिंग फ्रंट	पीआरएल
40.	श्री शिवम् अजय	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	सोलर हार्ड एक्स-रे पोलरीमीटर — अनुप्रयोग विशिष्ट एकीकृत परिपथ (ASIC) आधारित रीडआउट	पीआरएल
41.	श्री पड़िया गिरिशकुमार डी	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	सर्वम् अनित्यम् : टेम्पशेयर — PRL में एक अस्थायी फ़ाइल-साझाकरण सेवा	पीआरएल

42.	श्री राहुल शर्मा	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	पीआरएल नभ: एक सुरक्षित और स्व-होस्टेड सहयोग मंच	पीआरएल
43.	श्री हर्ष कावा	जेआरएफ	निम्न अक्षांश क्षेत्रों में IRI मॉडल में तल-भाग आयनमंडल की कुल इलेक्ट्रॉन सामग्री (TECb) का अधिक आकलन	पीआरएल
44.	सुश्री पल्लवी सराफ	पीडीएफ	ब्रह्मांड में तत्वों की उत्पत्ति	पीआरएल
45.	श्री अतुल अशोक माणके	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	"ज़ीरोइंस्टॉल-, GPU-त्वरित पायथन प्लेटफॉर्म :PARAM VIKRAM 1000 पर JupyterHub की संगठित शक्ति"	पीआरएल
46.	श्री कपिल कुमार भारद्वाज	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	L2 बिंदु पर स्थित एक खगोलीय दूरबीन का थर्मल प्रबंधन प्रणाली	पीआरएल
47.	श्री भावेशकुमार वीमिस्त्री .	तकनीकी सहायक (यांत्रिक)	पीआरएल 2.5 मीटर माउंट आबू दूरबीन के लिए M-FOSC-EP (ईशेल स्पेक्ट्रोमीटर) के यांत्रिक डिज़ाइन पहलू	पीआरएल
48.	श्री अवध कुमार	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायकए-	सामान्य कॉन्ड्राइट्स में नियॉन समस्थानिकों का अध्ययन	पीआरएल
49.	श्री लकुम याग्निक	तकनीशियन – जी	तरंग — पीआरएल में वाई-फाई अवसंरचना आधुनिकीकरण	पीआरएल
50.	श्री राहुल पाठक	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	आगामी अंतरिक्ष मिशन के लिए डिटेक्टर का चयन और फ्रंटएंड और-रीडआउट इलेक्ट्रॉनिक्स का विकास : एयरग्लो फोटोमीटर।	पीआरएल

51.	सुश्री मानसा सिंह	जेआरएफ	अरब सागर में खनिज आधारित महासागरीय क्षारीयता वृद्धि की संभावनाएं और प्रभाव :बायोअसे प्रयोगों से मिली जानकारी	पीआरएल
52.	श्री विष्णु कुमार धाकड़	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	रैले पश्चप्रकीर्णन गुणांक में अनिश्चितताएँ और एरोसोल पश्चप्रकीर्णन पुनर्प्राप्ति पर उनका प्रभाव	पीआरएल
53.	सुश्री श्रुति सिन्हा	जेआरएफ	विभेदक छवि गतियों का उपयोग करके फ्राइड पैरामीटर का अनुमान	पीआरएल
54.	सुश्री दिव्या पालीवाल	जेआरएफ	बहु-लेन प्रकार II सौर रेडियो विस्फोट: कोरोना में आघात प्रसार की अंतर्दृष्टि	पीआरएल
55.	श्री चित्रोदा जय हितेशकुमार	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.सी.	अनुकूली प्रकाशिकी (ए.ओ.) टेस्टबेंच का विकास	पीआरएल
56.	श्री ऋषिकेश शर्मा	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.सी.	पारस -2 द्वारा एक लघु शनि-TOI-6651b की खोज	पीआरएल
57.	सुश्री दिव्यानी सिंह	जेआरएफ	क्षोभमंडलीय ओजोन के निर्माण में जैव-जनित वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों का महत्व	पीआरएल
58.	श्री आशीष कुमार मंडल	एसआरएफ	प्रस्तावित दक्ष उपग्रह की जी.आर.बी. स्थानीयकरण क्षमता में सुधार हेतु कोडेड मास्क इमेजिंग तकनीक का उपयोग	पीआरएल
59.	श्री केशव प्रसाद	तकनीकी सहायक	प्राकृतिक आपदाएँ और पृथ्वी विज्ञान की भूमिका	पीआरएल
60.	श्री अरुण	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.सी.	हिमालय की तलहटी में स्थित देहरादून के ऊपर वायुमंडलीय सीमा परत का अध्ययन	पीआरएल

61.	श्री अमृत शांडिल्य	वैज्ञानिक अभियंता - एस.डी.	पी.बी.सी. वैद्युत संकेत और पॉवर अखंडता	सैक
62.	श्री हेमंत कुमार लालवानी	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	चंद्रयान-2 छवियों से कनवोल्यूशन न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके चंद्र क्रेटर पता लगाने की एक	सैक
63.	श्री अखिल कुमार पोद्दार	अभियंता.ई.एस -	ऑफगैसिंग पॉलिमरिक पदार्थ की : मानव रेटिंग के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण	सैक
64.	श्री दीपक कुमार अग्रवाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	उपग्रह प्रणालियों में 3डी मुद्रित सर्किट बोर्ड की संरचना एवं उपयोगिता	सैक
65.	श्री विभूति भूषण झा	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	डिस्कग्रह अंतःक्रियाओं में चुंबकीय - जलगतिकी प्रभाव और रॉस्बी तरंग अस्थिरता	सैक
66.	श्री ओम प्रकाश सोनी	वैज्ञानिक/अभियंता - एस.सी.	एयर-गैप नेटवर्क के लिए सुरक्षित डेटा ट्रांसफर सेवाओं का कार्यान्वयन	सैक
67.	श्री सत्यम थलपते	तकनीशियन - डी	नेटवर्क-आधारित उपकरणों और सेवाओं की निगरानी हेतु सॉफ्टवेयर सेवा का कार्यान्वयन	सैक
68.	श्री लोकेन्द्र	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अंतःविषय सहयोगनवाचार एवं अन्वेषण का - वैश्विक मार्ग	सैक
69.	श्री चिन्मय कुमार पात्रा	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.ई.	क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी में अनुसंधान: डिजिटल युग में युवाओं के लिए अवसर और संभावनाएँ	सैक
70.	श्री विपिन कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर - एस.डी.	अंतरतारकीय तंतुओं की पहचान के लिए प्रयुक्त विधियों का व्यापक विश्लेषण	सैक

71.	श्री चोपडा मयुर डाह्याभाई	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	मशीन शिक्षण तकनीकों का उपयोग करके EOS-08 डेटा से आंतरिक जल निकायों की पहचान एवं मानचित्रण	सैक
72.	श्री वसीम अकरम	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	NISAR L-S बैंड लेवल-1 और लेवल-2 विज्ञान डेटा उत्पादों के लिए गुणवत्ता आश्वासन सॉफ्टवेयर	सैक
73.	श्रीमती क्रिष्णा एसमकाणी .	तकनीकी अधिकारी – डी	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उपग्रह प्रणालियों में उच्च गति पी .बी.सी. लंबाई : डिजाइनसुमेलन तकनीक	सैक
74.	श्री यशश जैन	वैज्ञानिक/अभियं ता – एस.सी.	डिजिटल युग में युवाओं की शोध क्षमताएँ एवं अवसर	सैक
75.	श्री दिनेश कुमार अग्रवाल	प्रधान आई एन सी सीमीसा -	अंतरिक्ष मिशनों हेतु उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन प्रौद्योगिकियाँ	सैक
76.	श्री नीरज अग्रवाल	वैज्ञानिक/अभियं ता – एस.जी.	उत्तरी अरब सागर में उच्च विभेदन महासागरीय गतिशीलता का विश्लेषण: SWOT और OCM-३ के आंकड़ों का संयुक्त उपयोग	सैक
77.	श्री आशिष जैन	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	उच्च थ्रूपुट उपग्रह संचार नेटवर्क के लिए प्रीफेचिंग तकनीक का उपयोग	सैक
78.	श्री निखिल कौशल	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), इसरो से मेगा-कोन्स्टेलेशन नेटवर्क के माध्यम से विश्व भर में ऑडियो-विजुअल (AV) स्ट्रीमिंग	सैक
79.	श्री सुनील शर्मा	तकनीकी अधिकारी – डी	विद्युत क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन शिक्षण की उपयोगिता	सैक
80.	श्री दीपक कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनि यर – एस.डी.	डेटा-संचालित डिज़ाइन सत्यापन में परिमित अवयव विधि (FEM) आधारित कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन का उपयोग	सैक

81.	श्री प्रसून कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन में एआई एमएल की/संभावनाएं	सैक
82.	श्री अरविंद पटेल	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.डी.	ईका संरचनात्मक विश्लेषण .सी.पी.	सैक
83.	श्री सुरेंद्र सिंह सिसोदिया	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	अंतरिक्ष अनुप्रयोगों हेतु क्रायोजेनिक डीटीईप्रकार हीट स्विच का- विकास	सैक
84.	श्री दीप चन्द्र	सामाजिक अनुसंधान अधिकारी – सी	डिजिटल युग में अनुसंधान की बदलती प्रवृत्तियाँ अंतरिक्ष उपयोग : केंद्र, अहमदाबाद के विशेष संदर्भ में	सैक
85.	श्री राहुल गुप्ता	वैज्ञानिक/इंजीनियर – एस.ई.	केयू (Ku)-बैंड तरंग-पथक से समाक्षीय समकोण सूक्ष्म तरंग संक्रमण की उन्नत अभिकल्पना	सैक

हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2025 की कुछ झलकियां







हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2025 के आयोजन के लिए सराहना-पत्र:

आदरणीय महोदया/महोदय

Dear Madam/Sir

Feedback for PRI seminar:

पी.आर.एल, अहमदाबाद में 19.09.2025 को आयोजित हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुति का मेरा अनुभव सर्वोत्तम रहा है।

पी.आर.एल कार्यालय में यह मेरी प्रथम तकनीकी प्रस्तुति थी। मुझे इस बात पर गर्व है कि यह लेख मैंने हिंदी भाषा में लिखा।

साथ ही मुझे इस बात की उत्सुकता भी थी कि सभी लेखों की प्रस्तुति एक दिन में कैसे संभव हो पाएगी?

एक ही दिन और एक ही सभागार में इसका आयोजन अभूतपूर्व था। समय प्रबंधन उत्तम था तथा सभी प्रस्तुतकर्ताओं ने निश्चित समयावधि का पालन भी किया।

मैं पी.आर.एल हिंदी तकनीकी संगोष्ठी आयोजन समिति तथा पी.आर.एल हिंदी विभाग को संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देना चाहूँगी।

साथ ही निदेशक, सैक तथा हिंदी विभाग, सैक का भी आभार व्यक्त करती हूँ।

सादर धन्यवाद/Thanks & Regards

निधि सिंह/ Nidhi Singh

वैज्ञानिक/अभियंता 'एसजी' / Sci/Engr.'SG'

एमएसआरडी/एमएसआरजी/एमआरएसए

MSRD/MSRG/MRSA

फोन-5210

महोदय/महोदया,

पीआरएल (भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला) अहमदाबाद के राजभाषा कार्यक्रमों का सृजन अत्यंत उत्साही रहता है। पीआरएल का हिंदी तकनीकी संगोष्ठी बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं। यह तकनीकी और अनुसंधान के क्षेत्र में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए पीआरएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हिंदी उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। वैज्ञानिक या तकनीकी गतिविधि संगोष्ठी हिंदी में होना अत्यंत गौरव की बात है। यह इस बात का प्रमाण है कि तकनीकी क्षेत्र में भी हिंदी भाषा के प्रयोग का दायरा अत्यंत विस्तृत किया जा सकता है। पीआरएल द्वारा हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में संक्षिप्त और प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक होती हैं जिसमें विज्ञान और हिंदी का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सादर धन्यवाद।

भवदीय

(विक्रम सोनी)

सहायक निदेशक (ट/आ)

हिंदी शिक्षण योजना,

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय,

अहमदाबाद।

प्रिय रुमकी,

दि. 19/09/2025 को पूल स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए बधाई।

मुख्य विषय- "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मूलभूत एवं अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान - आवश्यकताएं एवं संभावनाएं" विषय पर उप विषयों को शामिल करते हुए विविध क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों को इस संगोष्ठी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन श्रमसाध्य कार्य है, जिसके लिए आपकी टीम ने काफी परिश्रम किया है।

सभी लेखकों को मौखिक प्रस्तुति का अवसर प्रदान करने के लिए फ्लैश टॉक जैसा नवाचार सराहनीय प्रयास है।

सैक के प्रतिभागियों ने पीआरएल के आयोजन की बहुत प्रशंसा की है।

आपको भविष्य के आयोजनों के लिए शुभकामनाएं।

सादर / Regards

नीलू सेठ Neelu Seth

उप निदेशक-राभा Dy. Director-OL

राजभाषा अनुभाग/Official Language Section

अंतरिक्ष उपयोग केंद्र / Space Applications Centre

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन/ Indian Space Research Organisation

अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार/ Dept. of Space, Govt. Of India

अहमदाबाद /Ahmedabad 079-26913280/89/87/86

हिंदी माह समारोह - 2025

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग के निर्देशानुसार भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, माउंट आबू अवरक्त वेधशाला तथा उदयपुर सौर वेधशाला में दिनांक 14 सितंबर 2025 से हिंदी माह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिंदी माह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी माह के प्रारंभ से पूर्व निदेशक, पीआरएल द्वारा सभी स्टाफ सदस्यों से कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक हिंदी के प्रयोग की अपील की गई। साथ ही, सितंबर माह के दौरान हिंदी में टिप्पण, पत्राचार आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष प्रोत्साहन योजना भी आरंभ की गई।

इस वर्ष हिंदी दिवस का औपचारिक शुभारंभ दिनांक 14-15 सितंबर 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एजिबिशन सेंटर, गांधीनगर में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन-2025 के माध्यम से हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई।

उक्त कार्यक्रम में पीआरएल के निम्नलिखित नामित सदस्यों द्वारा सहभागिता की गई:

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	प्रो. ब्रजेश कुमार	प्रोफेसर
2.	श्री आनंद दिनेश मेहता	वरिष्ठ प्रधान: कार्मिक एवं सामान्य प्रशासन
3.	डॉ. केतन पटेल	एसोसिएट प्रोफेसर
4.	डॉ. अंशु कुमारी	रीडर
5.	श्री विष्णुभाई आर पटेल	वैज्ञानिक/अभियंता-एसडी
6.	श्रीमती सृष्टि शर्मा	वैज्ञानिक/अभियंता-एसडी
7.	श्री नफीस अहमद	वैज्ञानिक/अभियंता-एसडी
8.	श्री आशिष कुमार	वैज्ञानिक/अभियंता-एसडी
9.	श्री पीयूष शर्मा	वैज्ञानिक/अभियंता-एसडी
10.	श्रीमती रुमकी दत्ता	उप(भा.रा) निदेशक-
11.	श्री अभिषेक उपाध्याय	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
12.	श्री सौरभ गोयल	सहायक (राजभाषा)

पीआरएल हिंदी माह समारोह समिति द्वारा विभिन्न प्रकार के रोचक कार्यक्रमों 2025/ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि सभी भाषाभाषी एवं कर्मचारी वर्ग तथा - परिवार के सदस्य भी इन कार्यक्रमों/ प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का विवरण:

❖ 19 सितंबर 2025

(1) हिंदी माह एवं हिंदी तकनीकी संगोष्ठी (हिं.त.सं.) का संयुक्त उद्घाटन समारोह

इस कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी माह-2025 तथा पूल-डी के अधीन आयोजित हिंदी तकनीकी संगोष्ठी-2025 का संयुक्त उद्घाटन परंपरागत रूप से निदेशक, पीआरएल के संबोधन द्वारा किया गया।

हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), अहमदाबाद; माउंट आबू अवरक्त वेधशाला; तथा उदयपुर सौर वेधशाला ने प्रतिभागी संस्थानों के रूप में सहभागिता की।

संगोष्ठी के माध्यम से प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं नवाचार से संबंधित विविध विषयों पर चर्चा, विचार-विमर्श तथा ज्ञान का आदान-प्रदान किया गया। यह आयोजन न केवल तकनीकी ज्ञान साझा करने का प्रभावी मंच सिद्ध हुआ, बल्कि हिंदी भाषा में तकनीकी शब्दावली एवं अभिव्यक्ति के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल रही। संगोष्ठी ने छात्रों, शोधार्थियों एवं विभिन्न शोध क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभागियों को अपने अनुभव, शोध निष्कर्ष तथा नवीनतम तकनीकी जानकारीयों प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया, जिससे ज्ञान का व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव उत्पन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि पीआरएल द्वारा पहली बार हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में फ्लैश टॉक (Flash Talk) सत्र का समावेश किया गया। संगोष्ठी में कुल 85 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें 54 फ्लैश टॉक तथा 31 मौखिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं।

संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया गया। इस संदर्भ में सैक के सदस्यों द्वारा प्रशंसा-पत्र भी प्रेषित किए गए।

❖ 24 सितंबर 2025

(1) ऑनलाइन हिंदी टंकण प्रतियोगिता (अवधि: 10 मिनट)

यह पीआरएल के सभी परिसरों के सदस्यों के लिए थी एवं ऑनलाइन आयोजित की गई थी जिसमें सभी को अपने कार्य स्थान से इस प्रतियोगिता में भाग लेने की सुविधा प्रदान की गई।

❖ 25 सितंबर 2025

(1) हिंदी समाचार-पत्र पठन

❖ यह प्रतियोगिता भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला मुख्य परिसर, थलतेज; माउंट आबू अवरक्त वेधशाला; तथा उदयपुर सौर वेधशाला परिसरों में ग्रुप-डी (ऑब्ज़िलरी) एवं संविदा कर्मियों के लिए आयोजित की गई।

❖ 29 सितंबर 2025

(1) कविता पाठ प्रतियोगिता

पीआरएल के सदस्यों के लिए इस कविता पाठ का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी में स्वरचित कविताएं प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। इस प्रतियोगिता में माउंट आबू एवं यूएसओ के सदस्यों ने भी ऑनलाइन भाग लिया।

(2) मातृभाषा से राजभाषा तक

हिंदी, राजभाषा होने के साथ-साथ हमारे देश की विविध संस्कृतियों के मोतियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है। इसी भाव को रेखांकित करते हुए हिंदी माह के अंतर्गत “मातृभाषा से राजभाषा तक” कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपनी मातृभाषा अथवा अपने प्रांत की बोली/भाषा में भावपूर्ण कविताएँ, लेख, कहानियाँ, नाट्य अंश एवं संगीत के छंद प्रस्तुत किए। तत्पश्चात प्रस्तुत रचना का भावानुवाद हिंदी भाषा में किया गया तथा संबंधित रचना के स्रोत, लेखक एवं संक्षिप्त परिचय की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम की सभी भाषा-वर्गों के कर्मचारियों द्वारा अत्यंत सराहना की गई तथा इसे सांस्कृतिक समन्वय और भाषाई गौरव का प्रेरणादायक उदाहरण बताया गया।

❖ 03 अक्टूबर 2025

(1) पोस्टर एवं स्लोगन/पंचलाइन गतिविधि (बच्चों हेतु)

यह गतिविधि पीआरएल सदस्यों के सीएचएसएस आश्रित बच्चों (कक्षा 7 से 12 तक) के लिए आयोजित की गई। प्रतिभागी बच्चों को निर्धारित विषय पर A1 आकार का पोस्टर तैयार कर उसके साथ उपयुक्त स्लोगन/पंचलाइन प्रस्तुत करनी थी। इस गतिविधि में बच्चों को अपनी रचनात्मकता का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने का अवसर प्रदान किया गया।

पोस्टर के साथ एक प्रभावी एवं सारगर्भित स्लोगन लिखना अनिवार्य था।

इस प्रतियोगिता का विषय था - “वर्ष 2500 में मेरा भारत”।

❖ 04 अक्टूबर 2025

(1) गायन कार्यक्रम

फिल्मी गीतों का हिंदी के प्रचार-प्रसार में अतुलनीय योगदान रहा है। इसी क्रम में पीआरएल के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों से गायन प्रस्तुति हेतु सहभागिता आमंत्रित की गई। गायन कार्यक्रम में पीआरएल के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने अत्यंत मधुर, भावपूर्ण एवं मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दीं। सभी प्रतिभागियों ने

अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीतों की विविधता तथा प्रस्तुतियों की उच्च गुणवत्ता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से आकर्षक बना दिया।

गायन के साथ वाद्य यंत्रों की सुमधुर संगति एवं युगलबंदी ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ाया। उपस्थित सभी सदस्यों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रतिभागियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

❖ 08 अक्टूबर, 2025

(1) शब्द प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

शब्द प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अंतर्गत पीआरएल के प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में संरचित कर प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता हिंदी भाषाज्ञान-, वर्गपहेली-, सामान्य ज्ञान, मुहावरों तथा हिंदी गीतों से संबंधित विभिन्न चरणों में संपन्न हुई। (राउंड)

इस प्रतियोगिता में कुल **09 टीमों** निम्नानुसार सम्मिलित थीं:

क्रमांक	प्रभाग/ अनुभाग	क्रमांक	प्रभाग/ अनुभाग
1.	ग्रहीय विज्ञान	6.	सैद्धांतिक भौतिकी
2.	भूविज्ञान	7.	कार्यशाला, पुस्तकालय एवं कंप्यूटर सेवाएँ
3.	खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी	8.	समस्त प्रशासन, सी.एम.जी.
4.	अंतरिक्ष एवं वायु मंडलीय विज्ञान	9.	लेखा, क्रय, भंडार एवं चिकित्सालय
5.	परमाणु, आण्विक एवं प्रकाशिक भौतिकी		

❖ 10 अक्टूबर, 2025

(1) वर्ग पहेली प्रतियोगिता (सभी परिसरों में एक ही समय पर आयोजित)

यह प्रतियोगिता भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद; माउंट आबू अवरक्त वेधशाला; तथा उदयपुर सौर वेधशाला परिसरों में एक साथ आयोजित की गई। प्रतिभागियों को वर्ग पहेली हल करने हेतु 45 मिनट का समय प्रदान किया गया।

वर्ग पहेली के प्रश्न अंतरिक्ष विभाग, इसरो, पीआरएल, हिंदी शब्द-ज्ञान, हिंदी साहित्य, सामान्य ज्ञान, गीत-संगीत, फिल्म तथा खेल आदि विविध विषयों से संबंधित थे, जिससे प्रतिभागियों के समग्र ज्ञान का परीक्षण किया जा सके।

❖ 15 अक्टूबर, 2025

(1) लघुनाटिका प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में विभिन्न वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े सदस्यों द्वारा विविध विषयों पर लघुनाटिकाएँ प्रस्तुत की गईं। सभी लघुनाटिकाएँ वीडियो रूप में प्रस्तुत की गईं।

प्रस्तुत लघुनाटिकाएँ संक्षिप्तता, भावपूर्ण अभिव्यक्ति, विषय-विविधता, प्रभावशीलता, सामाजिक संदेश, कल्पनाशीलता तथा संगीत के सुसंगत समावेशन जैसे गुणों से परिपूर्ण थीं। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करने के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम भी सिद्ध हुई। दर्शकों को भी इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नवीन एवं प्रेरणादायक अनुभव प्राप्त हुए।

प्रतिभागियों ने राजभाषा के माध्यम से समसामयिक सामाजिक विषयों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रत्येक लघुनाटिका की निर्धारित अधिकतम अवधि 7 मिनट थी।

इस प्रतियोगिता में कुल 08 टीमों निम्नानुसार सम्मिलित थीं:

क्रमांक	प्रभाग/ अनुभाग	क्रमांक	प्रभाग/ अनुभाग
1.	अंतरिक्ष एवं वायुमंडलीय विज्ञान	5.	समस्त प्रशासन, सीएमजी एवं डीन कार्यालय
2.	खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी	6.	लेखा, क्रय, भंडार एवं चिकित्सालय
3.	ग्रहीय विज्ञान	7.	उदयपुर सौर वेधशाला
4.	परमाणु, आणविक एवं प्रकाशिक भौतिकी	8.	माउंट आबू

(2) पर्व व्याख्यान

हिंदी माह-2025 के समापन समारोह के अवसर पर पर्व समिति के समन्वयन में एक विशेष पर्व व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "साइबर स्वच्छता" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्याता के रूप में श्री कृतार्थ झाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (डिजिटल फोरेंसिक्स एवं सूचना सुरक्षा), राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर, गुजरात ने अपने विचार व्यक्त किए।

व्याख्यान में साइबर सुरक्षा, डिजिटल सतर्कता एवं सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया, जिससे उपस्थित प्रतिभागियों को समसामयिक डिजिटल चुनौतियों के प्रति जागरूकता प्राप्त

हुई।

उक्तानुसार, पीआरएल हिंदी माह समारोह-2025 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों में माउंट आबू अवरक्त वेधशाला तथा उदयपुर सौर वेधशाला के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

(3) समापन समारोह

हिंदी माह के समापन समारोह के अवसर पर पूरे माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों में सहभागिता करने वाले सदस्यों की संख्या का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस अवधि में लगभग 485 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

समापन समारोह में निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल); डीन, पीआरएल; तथा अध्यक्ष, हिंदी माह समारोह द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिंदी माह समारोह की कुछ झलकियाँ







हिंदी दिवस एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की झलकियां 2025:



कविता



“क्या खोया, क्या पाया जग में (जलवायु परिवर्तन संस्करण)”

क्या खोया, क्या पाया जग में,
बदलते मौसम के इस मग में।
हिम शिखरों के पिघलने की अब,
शुरू हुई शिकायत रग-रग में।
एक दृष्टि धरती पर डालें, यादों की पोटली टटोलें।
पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी, पर अब संकट में इसकी कहानी।
घटती ठंड और भीषण गर्मी,
खत्म हुई वह शरद सुहानी।
सूख रही नदियाँ बेचारी, प्यासे कंठों को अब खोलें।
बिन मौसम की बारिश छलेगी,
धरती लू की लपटों में जलेगी।
चक्रवात और बाढ़ का फेरा,
प्रकृति क्या अब मौन रहेगी?
अंधियारा आकाश धुआँ सा, साँसों के पंखों को तौलें।
जन्म-मरण का क्रम तो वही है, पर अब ऋतुएँ नहीं रही हैं।
आज यहाँ सूखा, कल सैलाब है,
नियति अब कहाँ स्थिर रही है?
संकट गहराया है पृथ्वी पर, खुद ज़िम्मेदारी को टटोलें।
अपने ही मन से कुछ बोलें?

हिंदी माह 2025 के अंतर्गत उदयपुर सौर वेधशाला की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका

‘रवि बनाम शोधकर्ता: एक और फोटो प्लिज़...’

हिंदी माह समारोह 2025 के अंतर्गत भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद द्वारा आयोजित लघुनाटिका प्रतियोगिता में उदयपुर सौर वेधशाला, पीआरएल, उदयपुर की ओर से प्रस्तुत लघुनाटिका - ‘रवि बनाम शोधकर्ता: एक और फोटो प्लिज़...’ ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से विज्ञान की जिज्ञासा एवं मानवीय संवेदनाओं के बीच का सुंदर संतुलन प्रदर्शित किया। इस लघुनाटिका की कहानी सूर्य (रवि) की व्यथा पर आधारित है, जो निरंतर हो रहे वैज्ञानिक अवलोकनों से तंग आ चुका है। वह अब निजता का अधिकार माँगने अदालत का दरवाज़ा खटखटाता है। अदालत में न्यायाधीश के समक्ष एक अनोखा मुकदमा चलता है, जहाँ सूर्य अपनी पीड़ा व्यक्त करता है और अपने ऊपर लगातार होने वाले अवलोकनों/निरीक्षणों का विरोध करता है। दूसरी ओर, वैज्ञानिक पक्ष की ओर से एक पीएचडी छात्रा अपने शोध की आवश्यकता और इन अवलोकनों के महत्व को भावनात्मक व हास्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करती है। नाटक के मध्य में एक मनोरंजक पैरोडी गीत ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। अंत में न्यायाधीश दोनों पक्षों की बात सुनकर एक व्यंग्यपूर्ण निर्णय देते हैं - सूर्य को एक दिन की निजता प्रदान की जाती है, और वह दिन तय होता है - 30 फ़रवरी। इस काल्पनिक किन्तु विडंबनात्मक अंत ने दर्शकों को हँसी के साथ-साथ सोचने पर भी विवश किया। लघुनाटिका के प्रमुख पात्रों में श्री अमित चतुर्वेदी, सुश्री अनन्या रावत, डॉ. अंशु कुमारी, श्री दिनेश मिश्रा, सुश्री दिव्या पालीवाल, श्री हासिल दीक्षित, श्री रवि चौरसिया, सुश्री श्रुति सिन्हा, श्री संदीप कुमार, सुश्री सिमरत कौर, तथा श्री विश्वविजय सिंह शामिल थे। नाटक का मुख्य संदेश यही था कि निजता महत्वपूर्ण है - चाहे वह किसी की भी क्यों न हो।



हिंदी लघुनाटिका प्रतियोगिता – परमाणु, आणविक एवं प्रकाशिक भौतिकी प्रभाग की प्रस्तुति

‘आत्मनिर्भरता अब ऑफ़लाइन ही’

AMOPH डिवीज़न ने हिंदी लघुनाटिका प्रतियोगिता के लिए “आत्मनिर्भरता अब ऑफ़लाइन ही” शीर्षक से एक प्रस्तुति दी। इस नाटक में तेज़ फूड डिलीवरी ऐप्स पर बढ़ती निर्भरता और उसके असर को तीन दृष्टिकोणों से दिखाया गया-ग्राहक, रेस्टोरेंट और डिलीवरी बॉय।

कहानी इस बात पर आधारित थी कि कैसे ये ऐप्स “सबसे तेज़ डिलीवरी” का विज्ञापन करते हैं और इस वजह से सभी संबंधित लोगों पर किस प्रकार का दबाव और प्रभाव पड़ता है।

रेस्टोरेंट के नजरिए से, कम समय में खाना तैयार करने के दबाव के कारण खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। कई बार तैयार मसालों या रेडीमेड सामग्री का उपयोग करना पड़ता है। इसका परिणाम यह होता है कि ग्राहक तक पहुँचने वाला खाना कभी-कभी स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे फूड पॉयजनिंग पैदा कर देता है।

ग्राहक के नजरिए से, तेज़ और आसान सुविधा के कारण लोग रोज़मर्रा के खाने के लिए भी इन ऐप्स पर निर्भर होते जा रहे हैं। व्यस्त जीवनशैली के कारण घर पर खाना बनाना उन्हें समय की बर्बादी लगता है। धीरे-धीरे वे खाना बनाने की आत्मनिर्भरता खो देते हैं और अस्वास्थ्यकर खाने से सेहत पर असर पड़ने लगता है।

डिलीवरी बॉय के दृष्टिकोण से, जल्दी डिलीवरी का दबाव उन्हें तेज़ गाड़ी चलाने और ट्रैफ़िक नियम तोड़ने की ओर धकेलता है। चलते-चलते मोबाइल पर लोकेशन देखना उनके लिए और दूसरों के लिए खतरनाक साबित होता है। देर से डिलीवरी होने पर ग्राहक उनसे गलत व्यवहार करते हैं और अक्सर उनकी सैलरी भी काट ली जाती है, जिससे उनकी गरिमा और आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

इस लघुनाटिका के माध्यम से हमने दिखाने की कोशिश की कि तेज़ फूड डिलीवरी संस्कृति हमारे जीवन में किस तरह के नकारात्मक प्रभाव ला रही है और हमें किस तरह इसके बारे में सोचने की ज़रूरत है।



हिंदी माह 2025 के अंतर्गत अंतरिक्ष एवं वायुमंडलीय विज्ञान की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका

‘चमत्कार को नमस्कार’

दृश्य 1: जंगल में मिली बच्ची (एक किसान खेत के किनारे बेहोश पड़ी 15 साल की बच्ची को देखता है।)

किसान: अरे बिटिया... उठो... कौन हो तुम? कहाँ से आई हो? देखकर तो ऐसा नहीं लगता कि कोई तुम्हारे साथ है।

तुम्हारी हालत देखकर हम तुम्हें यहाँ ऐसे नहीं छोड़ सकते। चलो, हमारे साथ चलो, हमारे घर रहो बिटिया।

(बच्ची धीरे-धीरे उठती है, चलते-चलते बार-बार एक ही बात बुदबुदाती है)

बच्ची: तूफ़ान आने वाला है... बहुत बड़ा तूफ़ान...

दृश्य 2 : किसान का घर

(किसान की पत्नी और पड़ोसन बात कर रही हैं। तभी किसान अंदर आता है। बाहर हवा तेज़ हो चुकी है।)

किसान: सही कह रही थी बिटिया... बाहर भयानक तूफ़ान है। सारी फ़सल बर्बाद हो रही है।

पड़ोसन (मिर्ची): बिटिया? कौन बिटिया धानिया बहन?

किसान की पत्नी (धानिया): अरे, ये बेचारी जंगल में बेहोश पड़ी मिली थी। कोई अपना नहीं दिखा तो हम इसे घर ले आए। अब से ये हमारी बिटिया है।

पड़ोसन (मिर्ची): काश... आज हमारा बबलू होता, तो इतना ही बड़ा होता।

बच्ची: आपका बेटा कैसा दिखता है?

पड़ोसन: ये देखो... ये रही उसकी फोटो।

(बच्ची फोटो देखकर कुछ सोचती है)

बच्ची: आपका बेटा... जयपुर हाईवे पर कैलाश ढाबे में काम करता है।

किसान: मिर्ची बहन, ज़रा पता लगाइए। क्या पता ये सही कह रही हो। इसने तूफ़ान की बात भी पहले ही

बता दी थी... जो सच हो गई।

दृश्य 3 : बीमार युवक का घर

(एक युवक खाट पर बेसुध पड़ा है। आसपास मेडिकल रिपोर्ट्स और दवाइयाँ रखी हैं। लोग चिंतित खड़े हैं।)

प्रधान (युवक के पिता से): प्रणाम काका। कैसा है आपका बेटा?

पुदीना काका: प्रणाम प्रधान जी... हालत तो आप देख ही रहे हैं। डॉक्टर साहब भी अब हाथ खड़े कर चुके हैं।

डॉक्टर: प्रधान जी, हमने पूरी कोशिश की। अब इलाज संभव नहीं है।

(बच्ची आगे बढ़कर रिपोर्ट्स और दवाइयाँ ध्यान से देखती है)

बच्ची: इन्हें मिलियरी ट्यूबरकुलोसिस (TB) है। अभी इनकी जान बच सकती है। इन्हें तुरंत शहर के किसी अच्छे पल्मोनोलॉजिस्ट के पास ले जाना होगा।

प्रधान (आश्चर्य से): ये बच्ची कौन है, जो डॉक्टर से ज़्यादा जानती है?

पड़ोसी और किसान: प्रधान जी, इसकी बात मान लीजिए। इसने तूफ़ान की भविष्यवाणी की थी — सही निकली। और इसकी बात मानकर मिर्ची बहन को उनका खोया बेटा भी मिल गया।

युवक के पिता:

अब तो बस उम्मीद का ही सहारा है... ठीक है, जैसा ये कह रही है वैसा ही करेंगे।

दृश्य 4 : वैज्ञानिक का कार्यालय

(एक वैज्ञानिक अखबार पढ़ रहा है। हेडलाइन दिखाई देती है -)

अखबार की सुर्खी: “बच्चा बना भगवान”

(वैज्ञानिक कुर्सी से उठकर अपने सहकर्मी को फ़ोन करता है)

वैज्ञानिक: हमारा प्रयोग उम्मीद से कहीं ज़्यादा सफल रहा। लगता है अब समय आ गया है...हमें अपना प्रयोग रोक देना चाहिए।

दृश्य 5 : गाँव – सच्चाई का खुलासा

(वैज्ञानिकों की टीम गाँव में आती है। वे बच्ची के पास जाते हैं और उसका पावर बटन बंद कर देते हैं। बच्ची निष्क्रिय हो जाती है।)

वैज्ञानिक (गाँव वालों से):

जिसे आप अवतार या भगवान समझ रहे हैं...वह हमारा प्रयोग था।

इसका नाम **PARI — PRL Artificial Robotic Intelligence** है। हमने इसे बनाया और परीक्षण के लिए इस गाँव में छोड़ा।

गाँव वाले (नाराज़ होकर):

हम कैसे मान लें? इसने इतने बड़े-बड़े चमत्कार किए हैं!

वैज्ञानिक:

न तो इसने कोई चमत्कार किया है...और न ही ये भगवान है।

आपका खोया बेटा इसलिए मिला क्योंकि PARI हाई-टेक **चेहरा पहचान तकनीक** का उपयोग करती है, जो **CNIT आधारित डेटाबेस** से जुड़ी है। उसने लाखों रिकॉर्ड्स में खोज कर सही अनुमान लगाया।

बीमारी का सही इलाज इसलिए हुआ क्योंकि यह मेडिकल रिपोर्ट्स को पढ़ और समझ सकती है। यह चमत्कार नहीं... विज्ञान की उपलब्धि है।

और जिस तूफ़ान की इसने पहले ही जानकारी दी थी —वह भी किसी चमत्कार से नहीं।

यह **मौसम विज्ञान के रियल-टाइम डेटा**, सैटेलाइट इमेजरी और वायुमंडलीय पैटर्न का विश्लेषण कर आने वाले तूफ़ान की सूचना दे सकती है।

अंतिम संवाद : संदेश

वैज्ञानिक:

इसलिए मैं आप सबसे कहना चाहता हूँ—चमत्कार को नमस्कार मत कीजिए, उसके पीछे के विज्ञान को समझिए।



हिंदी माह 2025 के अंतर्गत समस्त प्रशासन, सी.एम.जी. एवं डीन कार्यालय की टीम द्वारा प्रस्तुत लघुनाटिका

चलिए, एक ऐसी शिक्षा की कल्पना करते हैं जहां डर की जगह आनंद हो, जहां रट्टा मारने की जगह रचनात्मकता हो। आज हम एक ऐसे ही बहुत हिम्मत वाले एजुकेशनल एक्सपेरिमेंट की कहानी में उतरने वाले हैं जिसने शिक्षा की दुनिया को हमेशा के लिए बदलने की एक कोशिश की।

यह कहानी है गिजू भाई के दिवास्वप्न की। यह आवाज है एक बच्चे की जो एक ऐसे एजुकेशन सिस्टम में फंसा है जहां खेलने, कूदने और गाने पर मानो पाबंदी लगी हो। और यह सवाल हमें सोचने पर मजबूर कर देता है कि क्या शिक्षा का मतलब सिर्फ चुपचाप बैठना और अनुशासन है? बस इसी सवाल का जवाब खोजने निकल पड़े एक टीचर। हां, तो यह कहानी है एक ऐसे टीचर की जो सिर्फ बड़ीबड़ी बातें न-हीं करना चाहता था। वह तो अपने आइडियाज को असल क्लासरूम में टेस्ट करना चाहता था।

यह देखने के लिए कि क्या सच में शिक्षा को बदला जा सकता है? तो अपने इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए उस टीचर ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया। वह सीधे पहुंचे शिक्षा विभाग के अधिकारी के पास और एक ऐसी चीज मांग ली जिसके बारे में उस जमाने में कोई सोच भी नहीं सकता था। उन्हें प्रयोग करने के लिए एक पूरी की पूरी क्लास सौंप दी जाए।

हिंदी माह 2025 के अंतर्गत आयोजित पोस्टर एवं पंचलाइन गतिविधि



हिंदी माह समारोह 2025 के दौरान आयोजित वर्ग पहेली प्रतियोगिता

1		2	3		4	5		6		7	8	9		
		10			11					12				
13				14				15		16			17	
		18			19	20		21			22			
23					24			25			26			
				27				28	29			30		
31		32				33				34				
												35	36	
						37	38	39	40			41		
	42				43		44				45		46	
47					48	49				50		51		
52			53		54			55		56		57		58
59					60					61				
		62			63			64	65				66	
67				68			69			70			71	

बाएं से दाएं →	ऊपर से निचे ↓
1 हमारी सरकार का संकल्प है कि 2047, यानी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक, हम ____ (4,3) के रूप में स्थापित हो सके।	1 एक द्रव-ईंधन वाला रॉकेट इंजन है जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ISRO) ने विकसित किया है (3)
6 PRL के संस्थापक (3, 4)	2 अत्याचार करनेवाला, अत्याचारी (5)
10 मूल घटक - किसी भी वस्तु का सबसे बुनियादी हिस्सा (2)	3 वास्तविकता, सार (2)
11 सिद्धांत, मत (3)	4 लक्ष्मी, सौभाग्य, संपत्ति (2)
12 इंदौर के एक मशहूर शायर का नाम (3)	5 जिसे खींचा जा सके, तानने योग्य (2)
13 डर, भय या खौफ (3)	6 न्यूजीलैंड के एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (6)
15 एक ध्वनि या गति का चिह्नित और दोहराया गया पैटर्न ____ है (2)	7 सचिन तेंदुलकर की बेटी का नाम (2)
18 भारत का पहला घोषित मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन (5)	8 पथिक, मुसाफिर या राह पर चलने वाला व्यक्ति (4)
21 किसी कामना की पूर्ति के लिए ईश्वर से की गई प्रार्थना (3)	9 उबले चावल (2)
22 किसी वस्तु या प्रक्रिया को अच्छी स्थिति में बनाए रखने के लिए उसकी देखभाल करना (3)	14 जन गण मन हमारा राष्ट्र ____ है (2)
23 धूर्त, छली या पाखंडी व्यक्ति (3)	16 संस्कृत शब्द जिसका अर्थ है वेद (2)
24 दूध, जल/पानी, और अनाज के लिए संस्कृत शब्द (2)	17 'सुमन' उपनाम के एक प्रसिद्ध हिंदी कवि और शिक्षाविद का नाम (5)
25 प्राचीन कृष्ण लीला से जुड़ा एक प्रकार का नृत्य (2)	19 समय बिताना, व्यतीत करना (3)
27 ध्वनि को गहरण करना (3)	20 आँखों को प्रिय लगने वाला (6)
	23 औपचारिक या पारंपरिक कार्य या प्रथाओं के लिए उपयोग में लाए जाने वाला अरबी भाषा का शब्द/इस नाम से एक म्यूजिक एलबम भी है (4)
28 किसी बड़ी चीज या समूह का एक छोटा सा अंश या भाग, जिसे उस बड़े समूह का गुण, रूप या प्रकृति दर्शाने के लिए लिया जाता है (3)	26 15 अगस्त, 2025 को भारत का __ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया (संख्या लिखें)
	27 भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन और टेस्ट पायलट और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में घनित गगनयात्री (3)

30	___ एक कण संरचना है जो पुष्प प्रजनन के लिए आवश्यक होते हैं (3)	29	उत्तर प्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री का नाम (4)
31	पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के उद्देश्य से चलाया गया था ऑपरेशन ___ (3)	30	बेहतर जीवन और रोजगार की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की प्रक्रिया (4)
33	कोई भी कष्टदायक या थका देने वाली प्रक्रिया या अनुभव (3)	32	जगन्नाथपुरी और अहमदाबाद की प्राचीन काल से प्रसिद्ध ___ (4)
		36	भारत सरकार की 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पहल का एक हिस्सा- ___ तिरंगा (2,2)

34	भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के शिमला जिले के रामपुर बुशहर नगर में मनाया जाने वाला एक व्यापारिक मेला (2,2)	38	हॉठ के लिए उर्दू/फ़ारसी से आया शब्द (2)
35	निकटस्थ वस्तु का निर्देशक सर्वनाम (2)		
37	वर्ष 2013 में इस भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ है (5)		
41	पुरुष (2)	39	सवारी, घोड़ा गाड़ी आदि वाहन (2)
42	किसी स्थान की यात्रा के दौरान यात्री के अनुभवों, विचारों और अवलोकनों का एक विस्तृत विवरण, जो एक साहित्यिक विधा है। (2, 3)		
44	किसी काम का सफल होना, काम ___ (3)	40	भारत रत्न सुर साम्राजी (2)
46	एक त्रि-आयामी (3D) ठोस ज्यामितीय आकृति है जिसके सभी छह फलक (फेस) वर्गाकार होते हैं और ये समान आकार के होते हैं (2)	42	आवागमन (4)
47	जिसे जय या विजय प्राप्त हुई हो (2)	43	एक लड़ाकू खेल है जिसमें नकली तलवारों का प्रयोग किया जाता है (4,2)
48	भाग्य के लिए अंग्रेजी भाषा का शब्द (2)	45	भारत में आज तक कुल ___ व्यक्तियों को भारत रत्न सम्मान से नवाजा जा चुका है (संख्या लिखें)
51	आंखें ___ आना (2)	46	आलय, मकान (2)
52	एक 1957 की भारतीय हिंदी सोशल ड्रामा फिल्म है, जो बी.आर. चोपड़ा द्वारा निर्देशित और निर्मित है (2,2)	47	फिल्म "हरे रामा हरे कृष्णा" की अभिनेत्री का नाम (3)
54	बायाँ, विरुद्ध (2)	49	किसी कम उम्र के किशोर या किशोरी के लिए प्रयुक्त किए जाने वाला फारसी भाषा का शब्द (4)
56	माउंट आबू में स्थित ___ वैदशाला	50	देवों का शहर/भाषा लिखने की लिपि (5)
59	ऐसे संस्कृत शब्द हैं जो किसी बदलाव या परिवर्तन के बिना ज्यों के त्यों हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं ___ सम कहलाते हैं (2)	51	ईश्वर या देवता का प्रेमी / स्नेही और निष्ठावान व्यक्ति (2)
60	रस से भरा, रसयुक्त (3)	53	दया, करुणा, कृपा (3)
61	सर्प, भुजंग, और विषधर (2)		
62	आप और मैं मिल कर बनता है ?(2)	55	विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ___ शतक बनाए हैं (संख्या लिखें)
63	आन-___-शान (2)	57	नस या शिरा (2)
64	देवभूमि द्वारका जिले में स्थित एक ऐतिहासिक शहर और प्रमुख बंदरगाह है (2)	58	कारखाना या स्थान जहाँ सरकार की देखरेख में सिक्के या मुद्राएँ बनाई जाती हैं (4)
66	ताँबे और जस्ते का मिश्र धातु (2)	64	आचार्य रजनीश (2)
67	कनक, हिरण्य (2)		
68	नीच, अधम, बेईमान या चरित्रहीन व्यक्ति (2)	65	मुम्बई के पश्चिमी भाग में स्थित एक समृद्ध उपनगर (2)
69	प्रसिद्ध पार्श्वगायक, अभिनेता, संगीतकार, निर्माता, निर्देशक और लेखक (3)	66	सुनने और शरीर का संतुलन बनाए रखने वाला अंग (2)
70	प्रसन्न/मोहित होने का भाव (2)		
71	रामायण के शक्तिशाली वानर हैं, जो भगवान विश्वकर्मा के पुत्र थे (2)		

हिंदी माह 2025, माउंट आबू परिसर

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, माउंट आबू

हिंदी माह 2025
19 सितंबर 2025 से
17 अक्टूबर 2025

हिंदी को अपनाओ, देश को बढ़ाओ।

- उद्घाटन समारोह - 19 सितंबर 2025 (शुक्रवार) पी.आर.एल. अहमदाबाद से ऑनलाइन माध्यम से हिंदी माह का उद्घाटन।
- पहचान कौन? भारत के वैज्ञानिक एवं प्रसिद्ध व्यक्तियों की तस्वीरें पहचानना। - 22 सितंबर 2025 (सोमवार)
- पहचान कौन? हिंदी शब्द पढ़े-जुके, जो भी सत्य सबसे पहले हाथ उठाएगा, वही विजेता होगा। - 23 सितंबर 2025 (सोमवार)
- आनुषंगिक - 29 सितंबर 2025 (सोमवार)
- शब्द ज्ञान: अक्षर से शब्द बनना, शब्दों के विलोम, सन्धि-विच्छेद, अन्य हिंदी पाठन-विचारक प्रश्न, अक्षर देखकर कौन सा शब्द कहेगा? - 1 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- हिंदी शिबिर / सुनेख - 6 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- ज से त तक: स्वर और व्यंजन को ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ क्रम में बताना। - 7 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- भाषा परख: शब्दों की कनीसी से जोड़ना। - 9 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- अलाहारी: किसी भी गीत या लोकगीत को दिए गए अक्षर से रच कर पढ़ना। - 14 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- कला 1 से 8 तक: विद्यालय में अक्षर हिंदी का प्रयोग, भाषा के अक्षर समझना और सांकेतिक भाषा को लिखित रूप में प्रकृत। - 16 अक्टूबर 2025 (सोमवार)
- हिंदी माह 2025: हिंदी समाचार पत्र पढ़ना, पुरस्कार विवरण एवं समाचार - 17 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार)

प्रस्तावना:

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं उपयोगिता को बढ़ावा देने हेतु माउंट आबू में हिंदी माह 2025 का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की।

उद्घाटन समारोह:

हिंदी माह 2025 का उद्घाटन समारोह दिनांक 19 सितंबर 2025 (शुक्रवार) को पी.आर.एल., अहमदाबाद से ऑनलाइन माध्यम द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी की वैज्ञानिकता, अभिव्यक्तिगत सामर्थ्य, तथा वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक महत्व पर उपयोगी एवं प्रेरक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। उद्घाटन सत्र के अंतर्गत हिंदी तकनीकी सेमिनार का भी आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा तकनीकी विषयों में हिंदी के प्रयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यक्रम ने सभी प्रतिभागियों में हिंदी के प्रति नई ऊर्जा, गर्व और प्रेरणा का संचार किया।

पी.आर.एल. माउंट आबू वेधशाला में आयोजित प्रतियोगिताएँ एवं कार्यक्रम

1. पहचान कौन? प्रतियोगिता: 22 सितंबर 2025

पी.आर.एल. माउंट आबू वेधशाला में हिंदी माह 2025 के अंतर्गत 'पहचान कौन?' प्रतियोगिता का आयोजन 22 सितंबर 2025, सोमवार को किया गया। इस प्रतियोगिता में भारत के महान वैज्ञानिकों एवं प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। प्रतिभागियों को इन व्यक्तियों की पहचान करनी थी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों में भारतीय वैज्ञानिकों के प्रति जानकारी, जिज्ञासा और गर्व की भावना को बढ़ावा देना था।



परिणाम:

प्रथम स्थान – टीम ए, द्वितीय स्थान – टीम ई, तृतीय स्थान – टीम सी

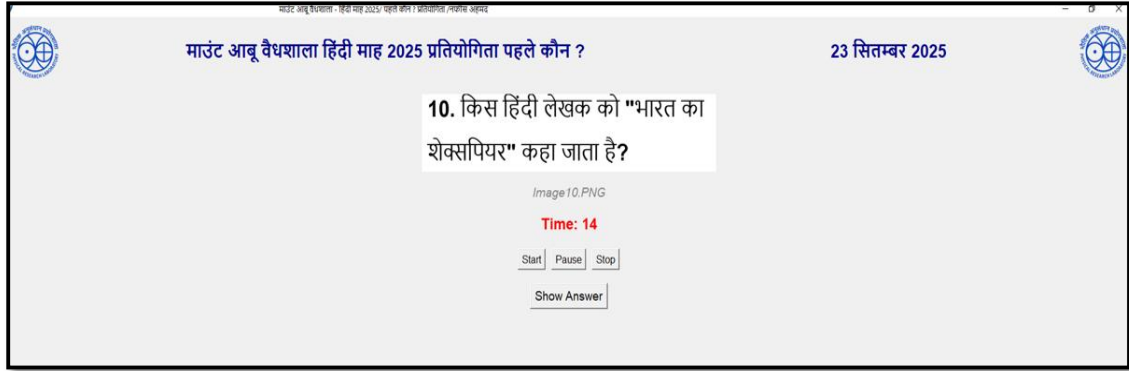
प्रतियोगिता की झलकियां



2. पहले कौन? प्रतियोगिता: 23 सितंबर 2025

हिंदी माह 2025 के अंतर्गत 'पहले कौन?' प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23 सितंबर 2025 (मंगलवार) को किया गया। यह प्रतियोगिता त्वरित उत्तर पर आधारित थी, जिसमें प्रतिभागियों को निर्धारित समय में अधिकतम प्रश्नों के सही उत्तर देने थे। सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह, तत्परता एवं उत्कृष्ट ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का नमूना संलग्न है



प्रतिभागी:

श्री अजय, श्री इंद्रराज, श्री आकाश, श्री चंदन, श्री तन्मय, सुश्री श्रेया, सुश्री श्रिया, श्री हार्दिक, श्री कमल, श्री आसिफ, श्री रिथिन, सुश्री निकिता, श्री महेश, श्री आशीष, श्री अभिषेक, सुश्री विभा, सुश्री शालिनी, सुश्री भव्या।

परिणाम:

श्री चंदन, श्री अजय और श्री महेश ने समान अंक प्राप्त किए। जजों ने निर्णय लेते हुए तीनों को समान पुरस्कार प्रदान किए।

प्रतियोगिता की झलकियां



3. आशुभाषण प्रतियोगिता: 30 सितंबर 2025

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों की विचार अभिव्यक्ति, त्वरित सोच एवं वक्तृत्व कौशल को प्रोत्साहित करना था।

प्रतिभागियों ने दिए गए विषयों पर अपने विचार स्पष्टता, आत्मविश्वास और प्रभावी भाषा में प्रस्तुत किए।

परिणाम:

प्रथम स्थान – श्री आशीष कुमार, द्वितीय स्थान – श्रेया सिगतिया, तृतीय स्थान – श्री हार्दिक कलावंत

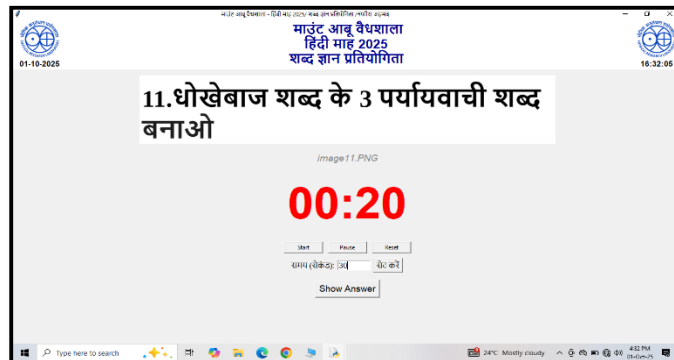
प्रतियोगिता की झलकियां



4. शब्द ज्ञान प्रतियोगिता: 1 अक्टूबर 2025

यह प्रतियोगिता शब्द निर्माण, विलोम शब्द, सन्धि-विच्छेद तथा पर्यायवाची से संबंधित प्रश्नों पर आधारित थी।

इस प्रतियोगिता का नमूना संलग्न है



परिणाम:

प्रथम स्थान – टीम डी, द्वितीय स्थान – टीम बी, तृतीय स्थान – टीम ए

प्रतियोगिता की झलकियां



5. हिंदी सुलेख प्रतियोगिता: 6 अक्टूबर 2025

इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत सुंदर और आकर्षक लेखन प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी लेखन-कला और स्वच्छ हस्तलेखन से निर्णायकों को प्रभावित किया। इस प्रतियोगिता का शीर्षक "हिंदी हमारी पहचान" रखा गया था।

इस प्रतियोगिता में निम्न प्रतिभागियों ने भाग लिया :

श्री रीथिन पी वालि, सुश्री भव्या, श्री हार्दिक चौधरी, श्री आसिफ मोहम्मद, श्री आकाश शर्मा, श्री शंकर सिंह, श्री सोदा राम, श्री इंद्रराज सिंह, श्री महेश चंद्र सैनी, श्री चंदन सिंह, सुश्री श्रेया गुप्ता, श्री हार्दिक कलावंत, श्री तन्मय कुमार, श्री अजय कुमार सिंह ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

परिणाम:

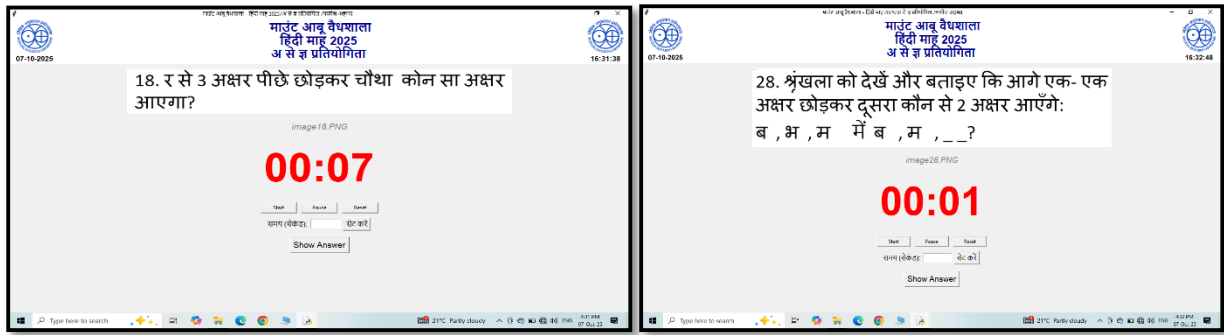
प्रथम स्थान – श्रेया गुप्ता, द्वितीय स्थान – हार्दिक कलावंत, तृतीय स्थान – आसिफ मोहम्मद और तन्मय कुमार को संयुक्त रूप से

6. अ से ज्ञ तक प्रतियोगिता: 7 अक्टूबर 2025

अक्षरों के संसार की इस रोचक प्रतियोगिता में सभी कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

परिणाम:

प्रथम स्थान – टीम ए, द्वितीय स्थान – टीम डी, तृतीय स्थान – टीम सी जिसका नमूना नीचे दिया गया है



प्रतियोगिता की झलकियां



7. विद्यालय भ्रमण एवं जनजागरूकता

दिनांक 16 अक्टूबर 2025, गुरुवार को विद्यालय में जाकर कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों हेतु एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के महत्व, भाषा के विभिन्न प्रकारों, तथा सांकेतिक भाषा (Sign Language) की जानकारी प्रदान करना था।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भाषा के प्रकारों - जैसे मौखिक भाषा, लिखित भाषा, और सांकेतिक भाषा - के बारे में समझाया। विद्यार्थियों ने रुचिपूर्वक सीखा कि सांकेतिक भाषा कैसे बोलने और सुनने में अक्षम व्यक्तियों के लिए संवाद का सशक्त माध्यम बनती है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों से निबन्ध लिखवाया गया जिसका विषय था

" देश के विकास मे हिंदी का योगदान " रखा गया था।

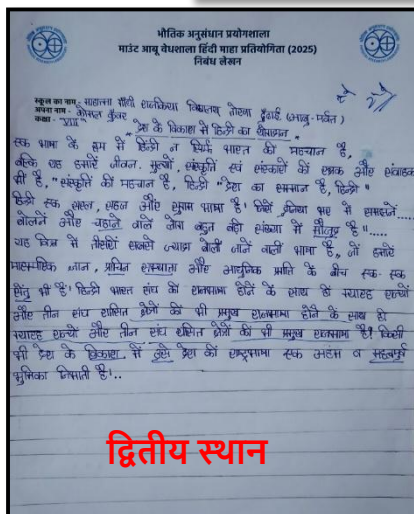
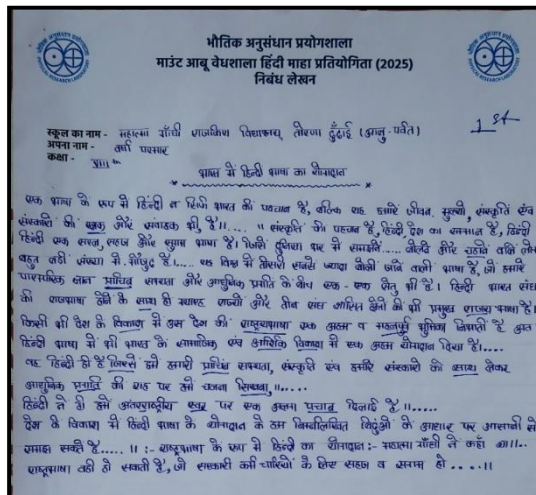
परिणाम :

राजकीय उ. प्रा. विद्यालय: तोरना माउंट आबू

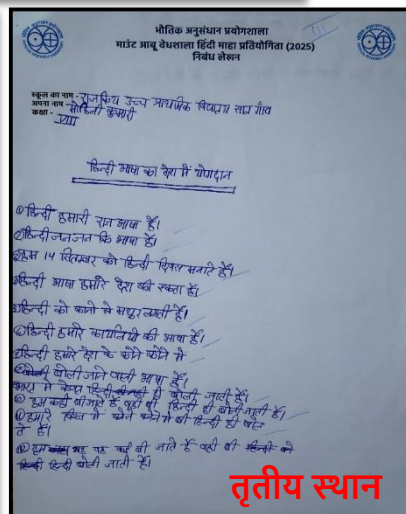
प्रथम स्थान – वर्षा परमार, द्वितीय स्थान – कोमल कुँवर, तृतीय स्थान – रक्षा कुमारी

राजकीय उ. प्रा.विद्यालय: सालगाँव माउंट आबू

प्रथम स्थान →



द्वितीय स्थान



तृतीय स्थान

प्रतियोगिता की झलकियां



8. भाषा परख प्रतियोगिता: 09 अक्टूबर 2025

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों, अधिकारियों, प्रशिक्षुओं तथा विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, ज्ञान और अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करना था। इस प्रतियोगिता में भाषा-परख, वर्तनी-शुद्धता तथा बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) जैसे विषयों को शामिल किया गया।

परिणाम:

प्रथम स्थान (संयुक्त रूप से): टीम बी और टीम डी, द्वितीय स्थान: टीम ई, तृतीय स्थान: टीम ए

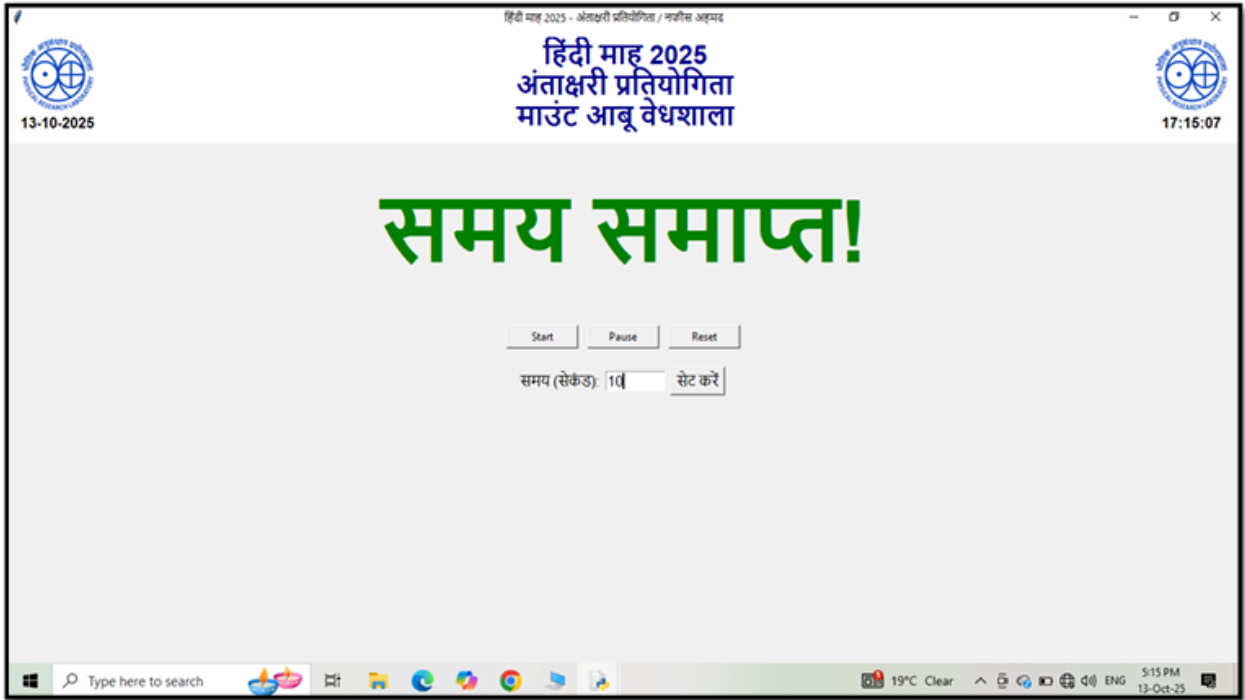
प्रतियोगिता की झलकियां



9. अन्ताक्षरी: 13 अक्टूबर 2025

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों, अधिकारियों, प्रशिक्षुओं तथा विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, ज्ञान और अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना था। इस प्रतियोगिता में हिंदी भाषा और क्षेत्रीय भाषाओं के गीत तथा लोकगीतों को शामिल किया गया।

इस प्रतियोगिता का नमूना संलग्न है



परिणाम:

प्रथम स्थान : टीम 'बी', **द्वितीय स्थान :** टीम 'डी', **तृतीय स्थान :** टीम 'ए'

10. हिंदी समाचार पत्र पठन: 16 अक्टूबर 2025

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में वर्तमान घटनाओं, सरकारी नीतियों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति तथा सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

परिणाम:

प्रथम स्थान : श्री रघुवीर सिंह, **द्वितीय स्थान:** श्री अजय कुमार नन्द जी सिंह, **तृतीय स्थान:** श्री अर्जुन सिंह

समापन समारोह: 17 अक्टूबर 2025

इस अवसर पर एस्ट्रोनॉमी एण्ड ऐस्ट्रोफिज़िक्स डिवीजन के अध्यक्ष प्रोफेसर अभिजीत चक्रवर्ती तथा सभी कर्मचारी, प्रशिक्षु, विधार्थी और संविदा कर्मी उपस्थित रहे। प्रोफेसर अभिजीत चक्रवर्ती ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और पुरस्कार वितरित किये।

विशेष योगदान:

- इस अवसर पर तकनीकी नवाचार का एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।
- प्रतियोगिता को और भी रोचक एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक *पाइथन स्क्रिप्ट* तैयार की गई।
- इस पाइथन स्क्रिप्ट में **रैंडम प्रश्न चयन** की सुविधा प्रदान की गई, जिससे कंप्यूटर स्वतः प्रश्न चुन सके।
- इस स्क्रिप्ट को लिखने में **नफ़ीस अहमद** का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने अत्यंत परिश्रम और लगन से यह कार्य सम्पन्न किया।
- स्क्रिप्ट के माध्यम से न केवल प्रश्न संग्रहीत किए गए, बल्कि उनके उत्तर भी संकलित किए गए, ताकि प्रतियोगिता उपरांत प्रतिभागियों को सही उत्तर बताए जा सकें।
- इस तकनीकी सहयोग ने कार्यक्रम की गुणवत्ता को नई ऊँचाई प्रदान की।

हिंदी माह की झलकियां





शुक्र ग्रह विज्ञान सम्मेलन 2025

ग्रहीय वैज्ञानिक कई दशकों से शुक्र, मंगल, बृहस्पति, शनि आदि विभिन्न ग्रहों पर शोध कर रहे हैं और इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति की है। हालांकि, पृथ्वी की भगिनी ग्रह शुक्र पर लंबी अवधि तक अन्वेषण हुआ है, लेकिन अभी तक इसे पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है। शुक्र ग्रह की सतह का विकास, अज्ञात यूवी अवशोषक, बिजली, सुपर-रोटेशन, निचले आयनमंडल में उल्कापिंड परत और शुक्र ग्रह पर अंतरिक्ष मौसम जैसी कई शोध विषय हैं। शुक्र ग्रह विज्ञान पर अवलोकन 1960 के दशक में वेनेरा के समय से किया गया है और मेरिनर, पायनियर वीनस, वेगा, मैगलन, वीनस एक्सप्रेस, अकात्सुकी, इकारोस जैसे कई मिशनों ने बहुत सारे डेटा प्रदान किए हैं। इसके अलावा, गैलीलियो, कैसिनी, मैसेंजर, पार्कर सोलर प्रोब, बेपीकोलंबो और सोलर ऑर्बिटर जैसे अन्य अनपेक्षित मिशनों ने भी शुक्र ग्रह के फ्लाइबाई अवलोकन दिए हैं। मिशनों के डेटा विश्लेषण शुक्र ग्रह से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक परिणाम लाते हैं और साहित्य में अभिलेखित हैं। शुक्र ग्रह विज्ञान पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर में कुछ सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं जो किसी ग्रहीय सम्मेलन के साथ होता है या एक समर्पित सम्मेलन के रूप में होता है।

हाल ही में, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने 25-26 सितंबर 2025 के दौरान शुक्र ग्रह विज्ञान, वीनस-SC 2025 (ऑनलाइन) पर पांचवें सम्मेलन का आयोजन किया है। यह शुक्र ग्रह की खोज के लिए मॉडलिंग, अवलोकन, डेटा विश्लेषण, वैचारिक उपकरण डिजाइन और वैज्ञानिक प्रयोगों पर केंद्रित है। सम्मेलन में शामिल प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र सतह, वायुमंडल, बिजली, आयनमंडल, अंतरग्रहीय धूल और ग्रह के साथ सौर पवन संपर्क थे। इस तरह के सम्मेलन दुनिया भर में वैज्ञानिकों के बीच चर्चा करने और सहयोग बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।

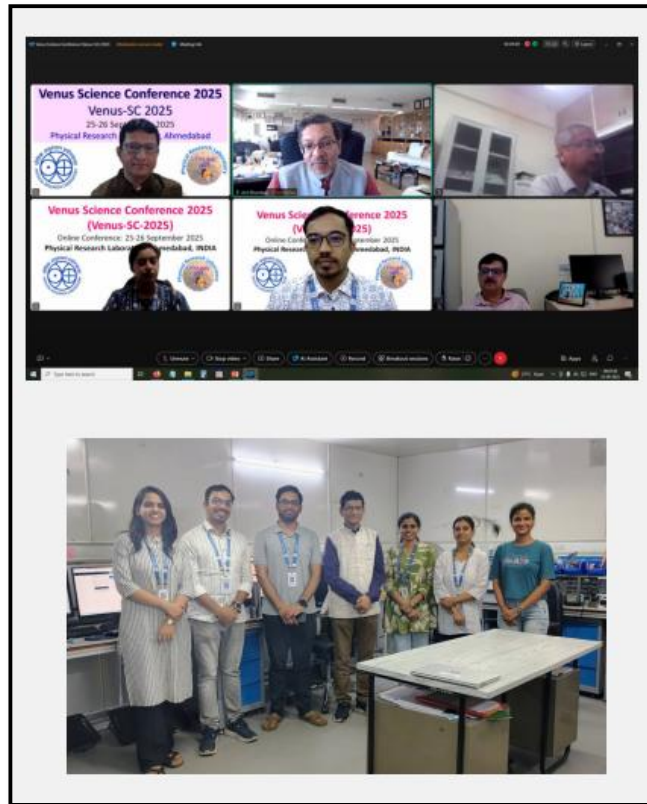
औपचारिक रूप से 231 प्रतिनिधियों ने सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया था, जिसमें मौखिक प्रस्तुतियों, लघु मौखिक प्रस्तुतियों के वक्ता और अन्य प्रतिभागी शामिल थे। मौखिक प्रस्तुतियों में भारत के और विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों की 24 वार्ताएं थीं। लघु मौखिक प्रस्तुतियों में भारत और बाहरी संस्थानों की 26 वार्ताएं थीं। वार्ता के कुछ उदाहरणों में भूविज्ञान, भू-रसायन, भूभौतिकी, वायुमंडलीय और तापीय विकास पर प्रमुख उत्कृष्ट प्रश्न, भूवैज्ञानिक इतिहास विकसित करने के लिए मानचित्रण, माफिक डाइक झुंड, ग्रहीय बिजली का डिटेक्शन और नेटवर्क, शुक्र ग्रह के पास अंतरग्रहीय धूल वातावरण, शुक्र ग्रह पर जीवन, वायुमंडलीय सुपररोटेशन, वीनस एरोसोल, वीनस एक्सप्रेस ASPERA-4 के निष्कर्ष और अकात्सुकी रेडियो उपग्रहण हैं। इस वर्ष, हमने हितधारकों को एक साझा मंच पर लाने के लिए प्लैनेटरी लाइटनिंग एंड नेटवर्क का एक विशेष सत्र शुरू किया है। इस विशेष सत्र का उद्देश्य सामूहिक रूप से अनुसंधान के लिए और सामाजिक पहलुओं के लिए डेटा का उपयोग करना है। हमने डोमेन विशेषज्ञों के बीच वैज्ञानिक चर्चा के लिए समर्पित समय स्लॉट भी शामिल किया है। पैनलिस्टों ने विभिन्न विज्ञान प्रश्नों का सुझाव दिया है जिन्हें भविष्य के वीनस ऑर्बिटर मिशन द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए।

भारत के बाहर के विश्वविद्यालयों/संस्थानों में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ताइवान, जापान, स्वीडन आदि देशों के विश्वविद्यालय एवं संस्थान शामिल थे।

भारत के केंद्रों/संस्थानों में एनईएसएसी, एसपीएल, पीआरएल, आईआईएसटी, कैम्ब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, आईआईटीएम, आईएमडी, एनसीईएसएस, एमिटी विश्वविद्यालय, बीएचयू, सीयूएसएटी, आईआईए, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, भारत माता कॉलेज, चारुसैट आदि शामिल थे। वीनस विज्ञान सम्मेलन में चार विभिन्न समय क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) से वक्ताओं ने भाग लिया।

सम्मेलन में कुल पाँच सत्र आयोजित किए गए, जिनमें संबंधित सभी शोध क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया। प्रत्येक सत्र के अध्यक्ष इस क्षेत्र के अत्यंत अनुभवी वैज्ञानिक थे, जो विभिन्न इसरो एवं अन्य संस्थानों से संबद्ध थे।

इस वर्ष, वीनस-SC 2025 के अंतर्गत एक विषय-प्रधान व्याख्यान तथा एक विशेष व्याख्यान "पीआरएल का अमृत व्याख्यान" भी शामिल किया गया। सम्मेलन के अंत में एक समापन सत्र आयोजित किया गया। प्रो. डी. पल्लमराजू (डीन, पीआरएल), एसओसी एवं एलओसी के सदस्य, आईटी टीम, इलेक्ट्रिकल टीम तथा अन्य सदस्यों ने सम्मेलन के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।



स्वच्छता ही सेवा 2025 – सफाई मित्र सुरक्षा शिविर

स्थल: चिकित्सालय, नवरंगपुरा

लाभार्थी: संविदा कर्मचारी (हाउसकीपिंग स्टाफ, कैंटीन कर्मचारी, माली, इत्यादि)

कुल लाभार्थी: 95

दिनांक: 06.10.2025 & 07.10.2025

स्वच्छता ही सेवा 2025 पहल के एक भाग और सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों की कार्ययोजना के अंतर्गत, नवरंगपुरा चिकित्सालय में संविदा कर्मचारियों के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का शीघ्र पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नैदानिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था। शिविर लगातार दो दिनों तक आयोजित किया गया, जिसे चार सत्रों में विभाजित किया गया, प्रत्येक सत्र में 24-25 श्रमिकों के समूह को शामिल किया गया ताकि सुचारू और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के प्रमुख घटक:

1. महत्वपूर्ण पैरामीटर और नैदानिक परीक्षण

सभी भाग लेने वाले श्रमिकों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें शामिल थे:

- महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी: रक्तचाप, नाड़ी दर, श्वसन दर और शरीर का तापमान।
- सामान्य और प्रणालीगत नैदानिक परीक्षा: समग्र स्वास्थ्य का आकलन करने और बीमारी के किसी भी प्रारंभिक लक्षण की पहचान करने के लिए भौ.अ.प्र. डॉक्टरों द्वारा आयोजित की जाती है।

2. पैथोलॉजिकल जांच

उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में गहन जानकारी प्रदान करने के लिए, निम्नलिखित परीक्षण किए गए:

- रक्त शर्करा जाँच: ग्लूकोमीटर का उपयोग करके।
- पैथोलॉजी परीक्षणों के लिए रक्त नमूना संग्रह:
 - पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी)
 - सीरम कोलेस्ट्रॉल
 - सीरम क्रिएटिनिन
 - एसजीपीटी (लिवर फंक्शन टेस्ट)

इन परीक्षणों से एनीमिया, मधुमेह, गुर्दे की शिथिलता और कोलेस्ट्रॉल संबंधी समस्याओं की पहचान करने में मदद मिली।

3. संवेदीकरण और स्वास्थ्य शिक्षा

चिकित्सा परीक्षणों के साथ-साथ, श्रमिकों को स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी दिए गए, जिसमें केन्द्रित थे:

- स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- रोके जा सकने वाले जीवनशैली विकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना जैसे:
 - उच्च रक्तचाप
 - मधुमेह
 - कैंसर
- हानिकारक आदतों को हतोत्साहित करना जैसे:
 - धूम्रपान
 - तंबाकू चबाना

इसमें निवारक देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य रखरखाव के लिए जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया गया। इस स्वास्थ्य पहल से कुल 95 संविदा कर्मचारियों को लाभ हुआ। यह शिविर निवारक स्वास्थ्य सेवा और स्वास्थ्य शिक्षा तक पहुँच प्रदान करके अग्रिम पंक्ति के सफाई और सहायक कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर की झलकियां



स्वच्छता ही सेवा अभियान – 2025, यूएसओ (पीआरएल)

स्वच्छता ही सेवा अभियान - 2025 का आयोजन उदयपुर सौर वेधशाला (यूएसओ)/ पीआरएल, उदयपुर में किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आसपास के वातावरण के प्रति स्वच्छता एवं उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना था। इस पहल के माध्यम से सामूहिक सहभागिता तथा सामुदायिक भावना को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। अभियान के अंतर्गत स्वस्थ एवं सुंदर भारत के निर्माण हेतु स्वच्छ परिवेश बनाए रखने और सतत स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

उ.सौ.वे./ पीआरएल, उदयपुर के समस्त स्टाफ सदस्यों, शोधार्थियों, पीडीएफ एवं प्रशिक्षुओं ने इस पहल में पूर्ण मनोयोग के साथ सहभागिता की। परिणामस्वरूप यह कार्यक्रम सामूहिक समर्पण एवं टीमवर्क का एक प्रेरणादायक तथा प्रभावी उदाहरण सिद्ध हुआ।

इस अभियान में आयोजित गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

1. स्वच्छता ही सेवा शपथ

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई, जहां प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत", स्वस्थ भारत के "दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ली। यह आयोजन सभी के लिए अपने निजी जीवन और कार्यस्थल, दोनों में स्वच्छता को अपनाने हेतु एक सशक्त प्रेरणा का स्रोत बना। उदयपुर सौर वेधशालापीआरएल/, उदयपुर के सभी कर्मचारी, शोधार्थी, पीडीएफ और प्रशिक्षु इस शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित हुए और स्वच्छता की शपथ ली।



2. स्वच्छता अभियान: स्वच्छ परिसर, स्वस्थ पर्यावरण

सभी स्टाफ सदस्यों, शोधार्थियों, पीडीएफ, प्रशिक्षुओं एवं संविदा कर्मचारियों ने "स्वच्छता ही सेवा-2025" के अवसर पर "स्वच्छता ही सेवा है" के दर्शन को आत्मसात करते हुए यूएसओ के मुख्य कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर डॉ. रोहन लुइस, श्री अभिषेक तथा श्री लवजीत मीणा ने परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। नवप्रवेशित प्रशिक्षुओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लेते हुए उत्साहपूर्वक योगदान दिया। उनकी सहभागिता ने अभियान में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया।

उदयपुर सौर वेधशाला/पीआरएल की फतेह सागर झील में स्थित टापू वेधशाला परिसर में भी स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, यूएसओ, प्रो. षिबु के. मैथ्यू ने अभियान का नेतृत्व किया। सभी प्रतिभागियों ने झील के तट से कचरा एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया। यह पहल न केवल क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित करने में सहायक रही, बल्कि स्थानीय पर्यावरण संरक्षण तथा जल एवं झील संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।





3. हस्ताक्षर अभियान

स्वच्छता ही सेवा 2025 के अवसर पर हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की शपथ ली एवं हस्ताक्षर किए।



4. पौधा वितरण - हरियाली की ओर एक कदम

“स्वच्छ पर्यावरण, हरित भविष्य” के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने हेतु उसौवे/ पीआरएल, उदयपुर के स्टाफ सदस्यों, शोधार्थियों, पीडीएफ एवं प्रशिक्षुओं को पौधों का वितरण किया गया।

5. फॉगइंग एवं फ्यूमिगेशन

स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत, यूएसओ, उदयपुर के सभी परिसरों में फॉगइंग एवं फ्यूमिगेशन का कार्य पूर्ण किया गया, जिससे कीड़ों, मच्छरों और अन्य कीटों को प्रभावी ढंग से लक्षित कर नियंत्रित किया जा सके।

6. संविदा कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच

उ.सौ.वे./पीआरएल, उदयपुर में कार्यरत सभी 25 संविदा कर्मचारियों की प्रारंभिक स्वास्थ्य जाँच कराई गई, ताकि उनकी स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इस जाँच में बुनियादी चिकित्सीय परीक्षण, प्रयोगशाला जाँच तथा चिकित्सकीय परामर्श सम्मिलित थे।

इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रोगों की रोकथाम को प्रोत्साहित करना था। इस प्रयास के माध्यम से एक स्वस्थ एवं अधिक उत्पादक कार्यबल के निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान देने का लक्ष्य रखा गया।



हिंदी माह समारोह 2025, उदयपुर परिसर

उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में दिनांक 18 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 की अवधि में हिंदी माह 2025 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनांक 14-15 सितंबर 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस 2025 एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में नामित यूएसओ स्टाफ सदस्य; प्रो. ब्रजेश कुमार, डॉ. अंशु कुमारी और डॉ. अभिषेक उपाध्याय ने भाग लिया। यूएसओ में हिंदी माह 2025 के उपलक्ष्य में राजभाषा हिंदी संबंधी विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं; जिनका विवरण इस प्रकार है :-

1. हिंदी माह उद्घाटन समारोह 2025; 18 सितम्बर, 2025

दिनांक 18 सितम्बर 2025 को उदयपुर सौर वेधशाला में 'हिंदी माह उद्घाटन समारोह' आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं ईश वंदना के साथ हुआ एवं समापन राष्ट्रगान द्वारा किया गया। शोधार्थी सुश्री सिमरत कौर एवं श्री हासिल दीक्षित द्वारा ईश वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. राहुल तनेजा, मनोचिकित्सक, उदयपुर ने 'तनाव : सामान्य परिघटना या रोगात्मक' विषय पर हिंदी में व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में उदयपुर सौर वेधशाला के सभी स्टाफ सदस्य सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अभिषेक उपाध्याय, संयोजक, हिंदी माह समिति 2025 के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं परिचय प्रो. ब्रजेश कुमार के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री अभिषेक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जिसके उपरांत प्रो. रमितेन्द्रनाथ भट्टाचार्य, अध्यक्ष, हिंदी माह समिति 2025 ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया।

2. आशुभाषण प्रतियोगिता; 23 सितम्बर 2025

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को भाषण हेतु चयन करने के लिए विभिन्न विषय प्रतियोगिता स्थल पर ही दिए गए एवं चयनित विषय पर मनन करने हेतु एक मिनट तथा भाषण देने हेतु अधिकतम तीन मिनट का समय दिया गया। प्रतियोगिता के अंत में प्रो. ब्रजेश कुमार ने सभी प्रस्तुतियों का सारांश प्रस्तुत किया।

3. हिंदी शब्द प्रश्नोत्तरी; 30 सितम्बर 2025 एवं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी; 14 अक्टूबर 2025

'हिंदी शब्द प्रश्नोत्तरी' एवं 'सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी' में क्रमशः हिंदी भाषा, साहित्य, मुहावरे, लोकोक्ति एवं सामान्य ज्ञान आदि से संबंधित प्रश्नों का संकलन था। उदयपुर सौर वेधशाला के सदस्यों ने दो टीमों बनाकर उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की।

4. मेरा कार्य प्रतियोगिता; 08 अक्टूबर 2025

'मेरा कार्य' प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने कार्य के बारे में बताते हुए हिंदी में प्रस्तुतीकरण दिया। प्रतियोगिता की शुरुआत में इस वर्ष श्री कुशाग्र उपाध्याय द्वारा 'सौर रेडियो अवलोकन के नए आयाम: यूएसओ-पीआरएल की वर्तमान क्षमताएँ और भावी परियोजनाएँ' विषय पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी व्याख्यान दिया गया।³

5. हिंदी माह समापन समारोह 2025; 16 अक्टूबर 2025

(संगीत संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह)

हिंदी माह समापन समारोह 2025, उदयपुर सौर वेधशाला में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसमें वेधशाला स्टाफ सदस्यों को सपरिवार आमंत्रित किया गया। समापन समारोह के अंतर्गत संगीत संध्या, पुरस्कार वितरण एवं रात्रिभोज का आयोजन किया गया। समापन समारोह के आरंभ में प्रो. रमितेन्द्रनाथ भट्टाचार्य, अध्यक्ष, हिंदी माह समिति 2025 ने सभी का स्वागत करते हुए हिंदी माह 2025 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। संगीत संध्या कार्यक्रम के अंतर्गत स्टाफ सदस्यों व उनके परिवारजनों को कविता पाठ एवं गायन हेतु मंच प्रदान किया गया तथा अंत में सभी ने अंताक्षरी कार्यक्रम में आनंदपूर्वक सहभागिता की। तत्पश्चात हिंदी माह की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रो. भुवन जोशी, उप प्रधान -I, यूएसओ ने स्टाफ सदस्यों व उनके परिवारजनों को विक्रम पत्रिका के बारे में जानकारी दी एवं पत्रिका में रचनात्मक योगदान करने अपील की। समापन समारोह के अंत में श्री अभिषेक उपाध्याय, संयोजक, हिंदी माह समिति 2025 के द्वारा हिंदी माह के सफल आयोजन हेतु निदेशक महोदय, पीआरएल; प्रधान, यूएसओ; हिंदी माह समिति के सभी सदस्यों एवं विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को रात्रिभोज हेतु आमंत्रित किया गया।

यूएसओ द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रमों के अलावा मुख्यालय पीआरएल, अहमदाबाद द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी तकनीकी संगोष्ठी, हिंदी टंकण प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता, वर्ग पहली एवं लघुनाटिका आदि में भी यूएसओ सदस्यों ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी सहभागिता प्रस्तुत की। यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि पीआरएल द्वारा आयोजित लघुनाटिका प्रतियोगिता में टीम यूएसओ ने लगातार दूसरे वर्ष पीआरएल के सभी परिसरों में प्रथम स्थान अर्जित करने का गौरव प्राप्त किया।



कविता



विनायक कुमार
'एक दीवाना पत्थर'

तू एक नदी है
और मैं?
मैं वो हूँ जो चाहता है कि
तेरी लहरों पर तैरूँ, गोते लगाऊँ
कभी चट्टानों से
तो कभी रेतीले किनारों से टकरा कर
मोह मिथ्या का कठोर आवरण उतार
जल सा कोमल हो जाऊँ
टूट कर कण कण हो जाऊ
और कण कण तुझ में समा जाऊँ
मेरा स्वयं, मेरी पहचान, कुछ बाकी ना रहे
तेरा हिस्सा बन तुझसा ही पावन हो जाऊँ
तू एक नदी है
तू बहती रहे ..
मैं तेरे तट पर किसी शहर सा बस जाऊँ
तुझसे ही मेरा अस्तित्व रहे
तू ना रहे तो मैं विलुप्त हो जाऊँ

सैकड़ों सालों बाद
खोद कर जब मेरे अवशेष निकले जाये
तब भी तेरे नाम से ही जाना जाऊँ
तू एक नदी है
तू बहती रहे ..
तू जहाँ ले जाये, तुझ संग बहता जाऊँ
पहाड़, जंगल, शहर और कसबे
तू जहाँ से भी गुजरे, तेरी पहचान छोड़ता जाऊँ
और अंततः जो कुछ भी शेष रह जाये मेरा
तेरा हो
तेरे संग सदा के लिए सागर में खो जाऊँ
तू एक नदी है
और मैं?
मैं हूँ ..
ऐसी चाहत रखने वाला
एक दीवाना पत्थर

पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 62वीं बैठक

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, मुख्य परिसर, अहमदाबाद की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 62वीं बैठक मंगलवार, 30 सितंबर 2025 को प्रातः 10:30 बजे से 12:40 बजे तक वीडियो कॉन्फरेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यालयाध्यक्ष एवं निदेशक, पीआरएल, प्रो. अनिल भारद्वाज ने बैठक की अध्यक्षता की। उपस्थित सदस्यों द्वारा पिछली बैठक के कार्यवृत्त की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने राजभाषा के क्षेत्र में पीआरएल, अहमदाबाद द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी इन्हें बनाए रखने का परामर्श दिया। कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने पिछली तिमाही में विभिन्न अनुभागों के आँकड़ों की समीक्षा की और स्थिति को नियमानुसार एवं संतोषजनक पाया। उन्होंने हिंदी माह समारोह 2025 को पूरे उत्साह के साथ मनाने तथा उसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, सितंबर माह के दौरान किए गए हिंदी कार्यों, जैसे टिप्पण एवं पत्राचार आदि के लिए प्रारंभ की गई विशेष प्रोत्साहन योजना में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया।

बैठक में मानक कार्यसूची के अनुसार मदवार चर्चा हुई जो निम्नानुसार है:-

- (i) धारा 3 (3) के अंतर्गत कागजात द्विभाषी जारी करना।
- (ii) हिंदी में पत्राचार की स्थिति।
- (iii) हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना।
- (iv) फाइलों पर हिंदी में टिप्पण देना।
- (v) हिंदी (भाषा, टंकण व आशुलिपि) का प्रशिक्षण।
- (vi) वेबसाइट पूरी तरह से द्विभाषी बनाना और अद्यतन रखना।
- (vii) विभागीय आई.टी. सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा व इसका उपयोग सुनिश्चित कराना।
- (viii) कोड/मैनुअल आदि पूरी तरह से द्विभाषी बनाना।
- (ix) सभी कम्प्यूटरों पर द्विभाषी सुविधा (यूनिकोड में) उपलब्ध कराना।
- (x) राजभाषा निरीक्षणों की स्थिति।
- (xi) अनुभागों को अपना पूरा काम हिंदी में करने के लिए अधिसूचित करना।
- (xii) मंत्रालय/विभाग से संबंधित अन्य विशेष मुद्दे।
- (xiii) मंत्रालय/विभाग में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए उपलब्ध साधनों, यंत्रों जैसे कंप्यूटर, प्रिंटर, फैक्स आदि की समीक्षा।
- (xiv) मंत्रालय/विभाग में रिक्त पदों एवं भविष्य में सृजित होने वाले पदों की समीक्षा।

(xv) मंत्रालय/विभाग में राजभाषा से संबंधित लोक शिकायतों की स्थिति की समीक्षा।

(xvi) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक संपन्न हुई।



बैठक की झलकियां



राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 2025 समारोह

“रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाएँगे।”

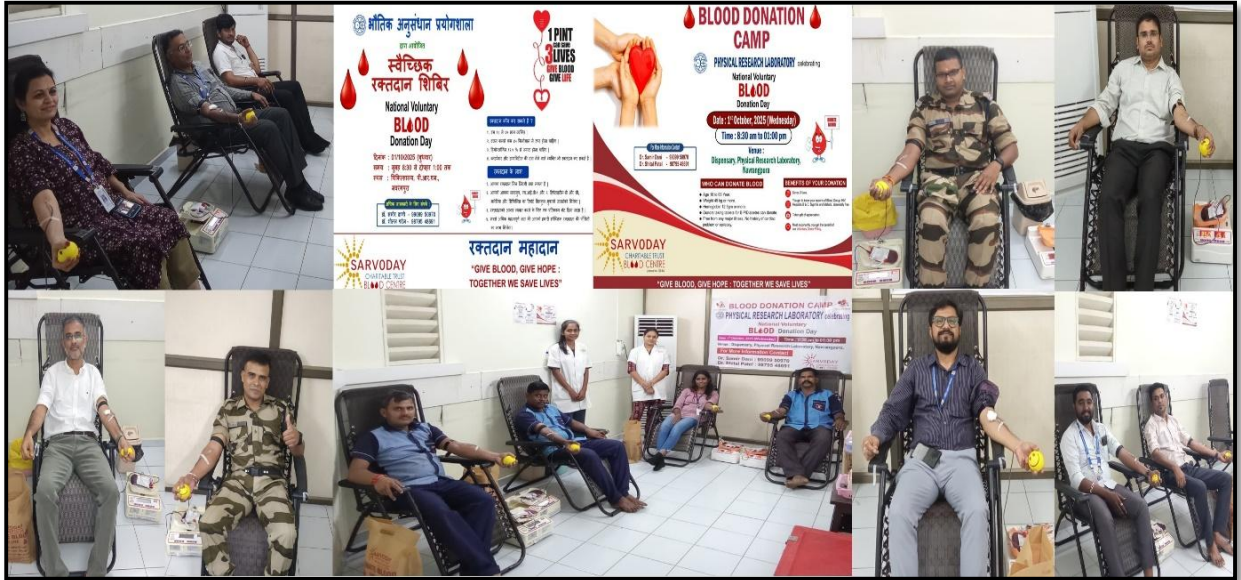
“राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस” प्रति वर्ष 01 अक्टूबर को पूरे देश में मनाया जाता है। इसके उपलक्ष्य में, चिकित्सालय, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला ने सर्वोदय चैरिटेबल ट्रस्ट ब्लड सेंटर, अहमदाबाद के सहयोग से 01 अक्टूबर, 2025 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया था।

शिविर के शुरू होने से पहले, जागरूकता और प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए विभिन्न चैनलों के माध्यम से प्रयास किए गए। रक्तदान शिविर के लिए पंजीकरण गूगल फॉर्म के रूप में ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था। चिकित्सालय टीम ने पीआरएल कर्मचारियों, अनुसंधान अध्येताओं, संविदा कर्मचारियों, सीआईएसएफ और अन्य लोगों से संवाद किया ताकि बड़ी संख्या में आकर वे अपना रक्तदान कर इस शिविर को सफल बना सकें। सुचारू एवं संगठित कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए, भीड़भाड़ से बचने के लिए रक्तदाताओं के आगमन को चरणबद्ध तरीके से निर्धारित किया गया था।

01 अक्टूबर 2025 को नवरंगपुरा चिकित्सालय में सर्वोदय चैरिटेबल ट्रस्ट ब्लड सेंटर, अहमदाबाद के सहयोग से रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई। कुल 40 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने एक यूनिट रक्त के रूप में अपना योगदान देने के लिए पहले से ही अपना पंजीकरण कराया था। शिविर सुबह 8:30 बजे शुरू हुआ और दोपहर बजे 1 तक चला। रक्तदान शिविर में 4½ घंटे के भीतर 42 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

चिकित्सालय, भौ.अ.प्र. सभी रक्तदाताओं को उनके स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने के निस्वार्थ कार्य के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है।

रक्तदान दिवस की झलकियां



पीआरएल-2025 में गरबा

पीआरएल में गरबा उत्सव शानदार और खुशी से भरी शाम थी, जिसमें 700 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने संस्कृति, लय और एकता के जीवंत प्रदर्शन को एक साथ लाया। यह 11 अक्टूबर, 2025 को मनाया गया। यह स्थल रंग-बिरंगी सजावट, चमकदार रोशनी और पारंपरिक गरबा संगीत की मनमोहक धुनों के साथ जीवंत हो गया, जिसने हर दिल को झूमने पर मजबूर कर दिया। बहुत ही आनंदमय वातावरण तालियों की लयबद्ध आवाज के रूप में हर कोई परंपरा और एकजुटता के उत्सव में डूबा हुआ था।

यह कार्यक्रम सिर्फ एक नृत्य से कहीं अधिक था - यह सभी पीआरएल सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा प्रदर्शित सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक गौरव और एकता का उत्सव था। भावपूर्ण प्रदर्शन से लेकर ऊर्जावान नृत्य दौर तक, हर पल नवरात्रि के उत्सव के सार को दर्शाता है। भारी भागीदारी और उत्साह ने पीआरएल में गरबा रात को एक अविस्मरणीय उत्सव में बदल दिया, जिससे सभी का मन आनंदित हुआ।



इन्फ्रा-रेड ऑब्जर्वेटरी, माउंट आबू में दिवाली - 2025 की रंगोली

दिवाली समारोह के दौरान, एक सदस्य ने प्रभावशाली रंगोली डिजाइन बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली न केवल सजावटी थी, बल्कि पीआरएल माउंट आबू इमारत का विस्तृत और रचनात्मक प्रदर्शन था, जो उल्लेखनीय सटीकता के साथ इसकी संरचना और सार को दर्शाता है।

रचनात्मक कला ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव का एक मुख्य आकर्षण बन गया। उनका डिज़ाइन धैर्य, रचनात्मकता और कार्यस्थल के साथ जुड़ाव की गहरी भावना को दर्शाता है। कर्मचारियों के सदस्यों, आगंतुकों और अधिकारियों ने रंगोली की सराहना की, जिन्होंने इसमें शामिल प्रयास और कलात्मक कौशल की प्रशंसा की। यह परिसर में एक उत्सव का माहौल लेकर आया और वैज्ञानिक गौरव के साथ मिश्रित दिवाली की सांस्कृतिक भावना का प्रतीक था।

इस तरह के कलात्मक योगदान न केवल उत्सव के माहौल को बढ़ाते हैं बल्कि हमारी टीम के भीतर विविध प्रतिभाओं को भी उजागर करते हैं। उत्सव को स्मरणीय बनाने में हम श्री तन्मय व्यास के समर्पण और रचनात्मकता के लिए उनकी सराहना करते हैं।



राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग के निर्देशानुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को पुनर्स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिवस देश की आंतरिक शक्ति, सामूहिक संकल्प तथा वास्तविक एवं संभावित चुनौतियों का सामना करने की क्षमता को सुदृढ़ करने का प्रतीक है।

पीआरएल में राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर, 2025 को मनाया गया। इस अवसर पर 31 अक्टूबर, 2025 (शुक्रवार) को प्रातः 11:00 बजे पीआरएल के सदस्यों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ग्रहण की तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

राष्ट्रीय एकता दिवस की झलकियां

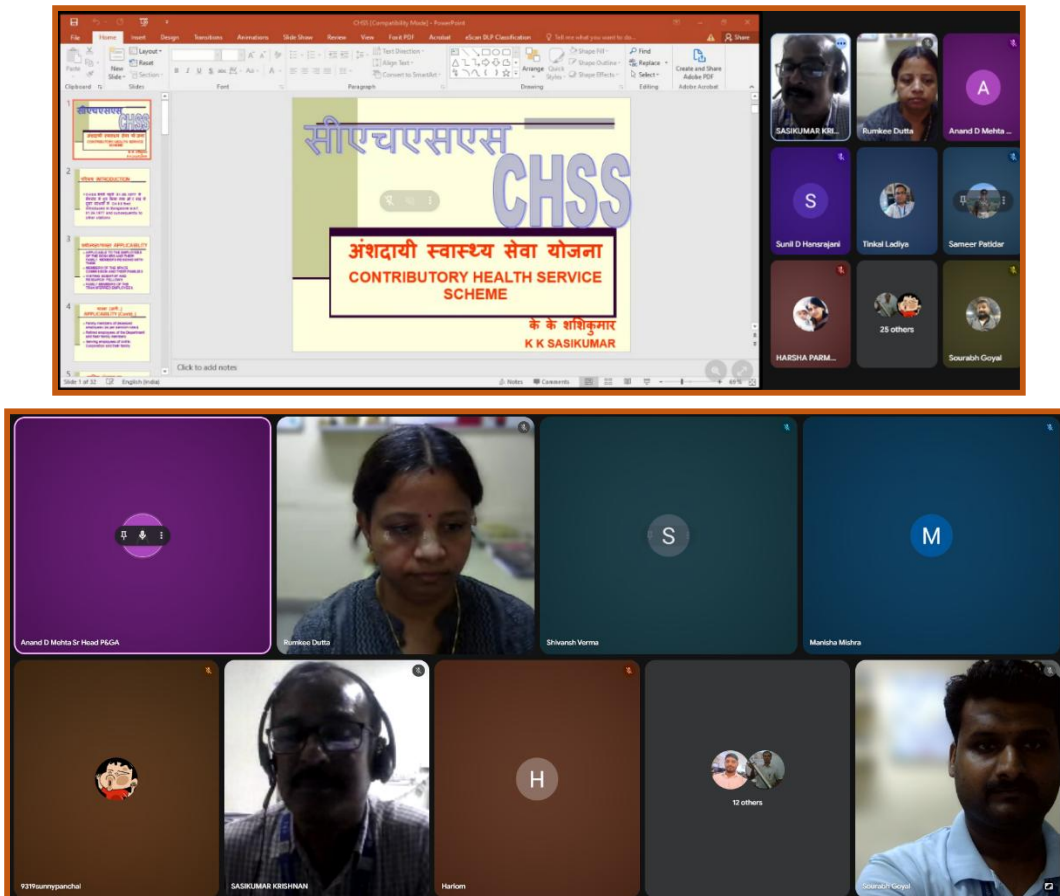


हिंदी कार्यशाला: अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही

भारत सरकार, राजभाषा विभाग के नियम एवं अंतरिक्ष विभाग के निदेशानुसार प्रत्येक तिमाही में पीआरएल में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही की हिंदी कार्यशाला 04 नवंबर 2025 को 1600 बजे ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई। इस हिंदी कार्यशाला में वक्ता के रूप में श्री के.के. शशिकुमार, प्रधान कार्मिक एवं सामान्य प्रशासन, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद ने "सीएचएसएस संबंधी नियमों आदि" के विषय पर कार्यशाला दी। कार्यशाला के प्रारंभ में श्रीमती रुमकी दत्ता, उप-निदेशक (रा.भा.), ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा सभी के द्वारा राजभाषा के प्रोत्साहन में योगदान के लिए आभार प्रकट किया। इस हिंदी कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सदस्यों को सीएचएसएस संबंधी महत्वपूर्ण नियमों के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यशाला में कुल 40 सदस्यों को नामित किया गया था।

प्रस्तुति के बाद, एक चर्चात्मक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसका संचालन श्रीमती हर्षा परमार द्वारा किया गया। माननीय प्रशिक्षक महोदय ने प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों के उत्तर धैर्य पूर्वक दिए।

कार्यशाला की कुछ झलकियां



मेरे गिरिडीह की छठ : दादी की आस्था, मेरा बचपन

गिरिडीह मेरा घर है। और छठ मेरे लिए केवल पर्व नहीं - यह दादी की शांत आस्था और मेरे बचपन की सबसे सजीव याद है।

कार्तिक की ठंडी हवा चलते ही दादी की वही धीमी आवाज़ कानों में पड़ती थी - "छठ आने वाली है।" और उसी पल घर जैसे और पवित्र हो जाता था।

नहाय-खाय : दादी से शुरू होता पर्व

सुबह बहुत पहले दादी उठ जाती थीं। घर में सबसे पहले उन्हीं के कदमों की आहट होती थी। दादी उसरी नदी की ओर जाती थीं। लौटते समय उनके चेहरे पर थकान नहीं — अजीब-सी शांति होती थी।

आँगन की लिपाई, मिट्टी के चूल्हे की आग, और लौकी-भात की सादगी - सब कुछ दादी के हाथों पवित्र बन जाता था।

दादी कहती थीं - "आज से छठ मईया घर में आ गई हैं।" और सच में, उस दिन के बाद घर नहीं - मन बदल जाता था।

खरना : मौन में छिपी दादी की ममता

पूरा दिन दादी निर्जला उपवास रखती थीं। मैं पूछता - "दादी, भूख नहीं लगती?"

दादी हल्की मुस्कान के साथ कहती थीं - "छठ में भूख नहीं देखी जाती।"

शाम होते-होते गुड़ की खीर की खुशबू पूरे घर को भर देती थी। दीया जलता, पूजा होती और लोकगीत गूंज उठते - "केलवा जरे जरे हो छठी मइया के नाव..."

उन गीतों में दादी की पूरी दुनिया बसती थी।

संध्या अर्घ्य : दादी, दीपों के बीच

तीसरे दिन मेरा गिरिडीह दीपों का शहर बन जाता था। दादी सूप उठाती थीं - फल, ठेकुआ, नरियल, गन्ना। पानी में खड़ी होकर डूबते सूरज को अर्घ्य देती थीं।

उनके जुड़े हुए हाथ, बंद आँखें और काँपती आवाज़ - मेरे लिए वही छठ थी। उसरी बाँध, काली मंदिर घाट - हर जगह दादी जैसी कितनी ही औरतें, एक ही आस्था में डूबी हुईं।



श्री सुरज कुमार



भोरवा अर्घ्य : दादी की सबसे खामोश प्रार्थना

अंतिम दिन की भोर सबसे भावुक होती थी। ठंडी हवा, अँधेरा और चारों ओर सन्नाटा। उगते सूरज को अर्घ्य देते समय दादी कुछ नहीं बोलती थीं। पर मैं जानता था - उनकी हर प्रार्थना हम सबके लिए थी।

जब सूर्य की पहली किरण जल को छूती थी, तो लगता था - दादी की मन्नत पूरी हो गई।

आज...

आज मैं दादी से दूर हूँ, पर छठ आते ही मन अपने आप गिरिडीह लौट जाता है। उसरी नदी के किनारे, दीपों की कतार में, और दादी की यादों में।

छठ ने मुझे यह सिखाया - आस्था शब्दों में नहीं, चुपचाप निभाई जाती है।

गिरिडीह में छठ पूजा केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है। यह पर्व सिखाता है - शुद्धता, धैर्य और सूर्य के समान निरंतर आगे बढ़ना। जब अंतिम दिन सूर्य की किरणें आँगन में उतरती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे हर घर में छठ मईया का आशीर्वाद बस गया हो।



संविधान दिवस

भारत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि संविधान को अंगीकृत किए जाने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष "संविधान दिवस" मनाया जाएगा। अंतरिक्ष विभाग, बेंगलुरु से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, दिनांक 26 नवंबर 2025 को पीआरएल में संविधान दिवस मनाया जाना निर्धारित किया गया।

उक्त निर्देशानुसार पीआरएल में संविधान दिवस बुधवार, 26 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रातः 11:00 बजे पीआरएल के सदस्यों द्वारा अपने-अपने कार्यस्थलों पर "संविधान की प्रस्तावना" का सामूहिक वाचन किया गया।



प्रकाशिकी और फोटोनिक्स पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला (SCOPOSIS 2025) का आयोजन

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद ने 8 से 12 दिसंबर, 2025 तक ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला "स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। स्कोपोसिस 2025 एक संयुक्त कार्यक्रम है जो ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स (एससीओपी, SCOP) पर छात्र सम्मेलन का दशकीय संस्करण और 48वें ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया संगोष्ठी (ओएसआईएस, OSIS)



को एक साथ लाता है। इसमें प्रख्यात वैज्ञानिक, वरिष्ठ शोधकर्ता, युवा शोधकर्ता और शोध विद्यार्थी ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यह अनूठा सहयोग भारत और दुनिया भर में प्रकाशिकी और फोटोनिक्स अनुसंधान के विकास और महत्व पर प्रकाश डालता है। एससीओपी (SCOP) लंबे समय से वैज्ञानिक विचारों के आदान-प्रदान, ऑप्टिकल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को सहयोग करने में सक्षम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच रहा है। एससीओपी (SCOP) का आयोजन भारत में शोध छात्रों और शुरुआती कैरियर शोधकर्ताओं के लिए अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में ऑप्टिका स्टूडेंट चैप्टर द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की वार्षिक संगोष्ठी ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स के क्षेत्र में भारत के प्रमुख सम्मेलनों में से एक है, जिसमें वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी नवाचारों और संबंधित उपकरणों पर चर्चा करने के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक शामिल होते हैं।

स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 का उद्घाटन 10 दिसंबर को हुआ था, और इसमें पीआरएल प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष, श्री ए एस किरणकुमार, प्रोफेसर अनिल भारद्वाज, निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) अहमदाबाद, प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, श्री नीलेश एम. देसाई, निदेशक, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (SAC), अहमदाबाद और प्रोफेसर वेणु गोपाल अचंता, निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) नई दिल्ली और अध्यक्ष ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओएसआई, OSI) ने भाग लिया था। उद्घाटन समारोह में सम्मेलन स्मारिका/कार्यवाही का विमोचन, पीआरएल में विकसित एक स्वदेशी क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्पाद का शुभारंभ और उद्योग और प्रदर्शनी मंडप का उद्घाटन भी हुआ। स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 ने 500 से अधिक प्रतिभागियों की मेजबानी की, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जापान,

इज़राइल, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, फिनलैंड, चेक गणराज्य, डेनमार्क और नीदरलैंड के 20 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और 350 राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल थे। सम्मेलन गर्व से 13 देशों और भारत के 22 राज्यों के प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें 125 से अधिक संस्थान शामिल हैं, जिनमें राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालय,

आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर, डीम्ड विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, निजी संस्थान, विदेशी विश्वविद्यालय और स्वायत्त संस्थान शामिल हैं।

सम्मेलन के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विषयगत चर्चा की गई:

- शास्त्रीय प्रकाशिकी (Classical Optics)
- क्वांटम प्रकाशिकी
- लेजर और अल्ट्राफास्ट ऑप्टिक्स
- अंतरिक्ष और रक्षा के लिए प्रकाशिकी
- नैनोफोटोनिक्स
- ऑप्टिक्स में एआई (AI) और एमएल (ML)

वार्ता, प्रतिभागियों की सूची का सारांश:

- प्रतिभागियों की संख्या: 503

कुल वार्ता (talks):

- ट्यूटोरियल व्याख्यान: 16
- थीसिस प्रस्तुति: 19
- आमंत्रित वक्ता: 75 (1 उद्घाटन भाषण)
- मौखिक प्रस्तुति (प्रतिभागी): 62

पोस्टर: 200 (दिन 1, 10 दिसंबर): 67 (दिन 2, 11 दिसंबर), 67 (दिन 3, 12 दिसंबर): 66)

पुरस्कार: विक्रम साराभाई सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार- 10,

पीआरएल छात्र चैप्टर पुरस्कार-3, और प्रकाशिकी में महिलाएँ पुरस्कार -2

छात्रों को दी जाने वाली सहायता: 105 (यात्रा अनुदान-58, आवास अनुदान: 23, पंजीकरण शुल्क छूट- 11 सहित)

सरकारी एजेंसी/सोसाइटी से सहायता समर्थन :

1. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ)
2. ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया
3. स्पिंगर,
4. ऑप्टिका

स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 सम्मेलन के आयोजन की तस्वीरें चित्र 1 से चित्र 5 में दिखाई गई हैं। अपने व्यापक वैज्ञानिक एजेंडे, वैश्विक भागीदारी और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ, स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बनने की ओर अग्रसर है जो वैज्ञानिक सहयोग को आगे बढ़ाएगा, नवाचार को बढ़ावा देगा और प्रकाशिकी, फोटोनिक्स और क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत के नेतृत्व को मजबूत करेगा।



चित्र 1: स्कोपोसिस (SCOPOSIS) सम्मेलन के दौरान विक्रम साराभाई की प्रतिमा की सजावट



चित्र 2: श्री ए एस किरण कुमार, अध्यक्ष पीआरएल परिषद, प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, प्रोफेसर वेणु गोपाल अचंता, निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) नई दिल्ली, प्रोफेसर अनिल भारद्वाज, निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) अहमदाबाद, और प्रोफेसर डी. पल्लमराजू, डीन, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) अहमदाबाद, सम्मेलन स्थल पर जाते हुए।



चित्र 3: स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 के प्रतिभागियों का समूह फ़ोटो



चित्र 4: स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 सम्मेलन के उद्घाटन की झलकियाँ



चित्र 5: स्कोपोसिस (SCOPOSIS) 2025 सम्मेलन के पोस्टर प्रस्तुति की तस्वीर

पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 63वीं बैठक

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, मुख्य परिसर, अहमदाबाद की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 63वीं बैठक बुधवार, 31 दिसंबर 2025 को 1100 बजे से 1315 बजे तक वीडियो कॉन्फरेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। कार्यालयाध्यक्ष एवं निदेशक, पीआरएल, प्रो. अनिल भारद्वाज ने इस बैठक की अध्यक्षता की। अध्यक्ष, रा.भा.का.स. ने बैठक की शुरुआत सभी सदस्यों के अभिनंदन एवं स्वागत संदेश से की, तथा दिनांक 19.12.2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन स्तर पर वर्ष 2024-25 के दौरान भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन हेतु भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी। वर्ष 2025 की अंतिम रा.भा.का.स. बैठक में निदेशक, पीआरएल ने नववर्ष की अग्रिम बधाई दी तथा अत्यधिक उत्साह के साथ पीआरएल में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बनाए रखने की सलाह दी। कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने पिछली तिमाही में अनुभागों के आंकड़ों की समीक्षा की एवं स्थिति नियमानुसार एवं संतोषजनक पाया।

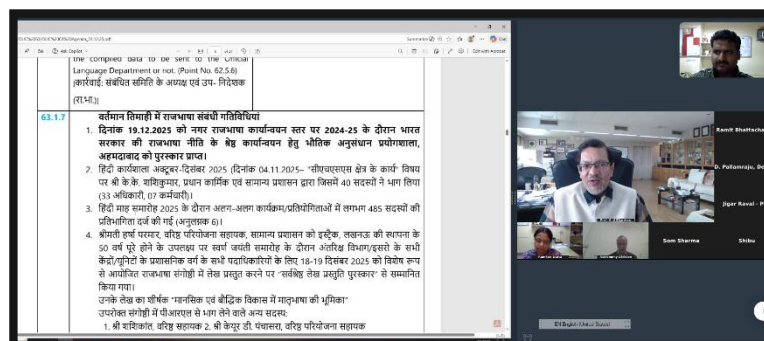
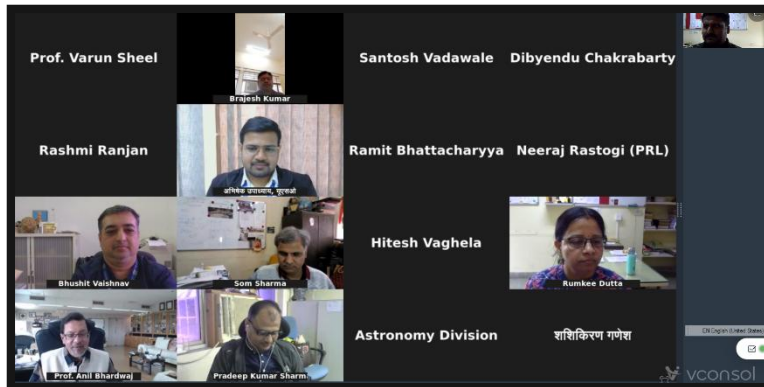
कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने समापन संबोधन में राजभाषा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

बैठक में मानक कार्यसूची के अनुसार मदवार चर्चा हुई जो निम्नानुसार है:-

- (iv) धारा 3 (3) के अंतर्गत कागजात द्विभाषी जारी करना।
- (v) हिंदी में पत्राचार की स्थिति।
- (vi) हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना।
- (xvii) फाइलों पर हिंदी में टिप्पण देना।
- (xviii) हिंदी (भाषा, टंकण व आशुलिपि) का प्रशिक्षण।
- (xix) वेबसाइट पूरी तरह से द्विभाषी बनाना और अद्यतन रखना।
- (xx) विभागीय आई.टी. सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा व इसका उपयोग सुनिश्चित कराना।
- (xxi) कोड/मैनुअल आदि पूरी तरह से द्विभाषी बनाना।
- (xxii) सभी कम्प्यूटरों पर द्विभाषी सुविधा (यूनिकोड में) उपलब्ध कराना।
- (xxiii) राजभाषा निरीक्षणों की स्थिति।
- (xxiv) अनुभागों को अपना पूरा काम हिंदी में करने के लिए अधिसूचित करना।
- (xxv) मंत्रालय/विभाग से संबंधित अन्य विशेष मुद्दे।
- (xxvi) मंत्रालय/विभाग में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए उपलब्ध साधनों, यंत्रों जैसे कम्प्यूटर, प्रिंटर, फैक्स आदि की समीक्षा।

- (xxvii) मंत्रालय/विभाग में रिक्त पदों एवं भविष्य में सृजित होने वाले पदों की समीक्षा।
 - (xxviii) मंत्रालय/विभाग में राजभाषा से संबंधित लोक शिकायतों की स्थिति की समीक्षा।
 - (xxix) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा।
- धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक संपन्न हुई।

बैठक की झलकियां



प्रो. विक्रम ए साराभाई और प्रो. के.आर. रामनाथन की पुण्यतिथि


30 दिसंबर 2025 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के सम्मानित संस्थापक, प्रोफेसर विक्रम ए. साराभाई की पुण्यतिथि तथा अगले दिन, 31 दिसंबर 2025 को पीआरएल के संस्थापक निदेशक, प्रोफेसर के. आर. रामनाथन की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में, पीआरएल में इन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अग्रदूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को केरामनाथन सभागार के फ़ोयर क्षेत्र .आर . में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर विक्रम ए. साराभाई एवं प्रोफेसर के. आर. रामनाथन के चित्रों को पुष्पमालाओं से अलंकृत किया गया तथा उनकी स्मृति में दीप प्रज्वलित किया गया, जो विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की शाश्वत ज्योति का प्रतीक था।

पीआरएल परिवार के सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर इन दिवंगत दूरदर्शी वैज्ञानिकों के प्रति अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। यह आयोजन उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संस्थागत निर्माण और राष्ट्रसेवा की भावना को स्मरण करने तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करने का अवसर बना।



पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)

क्र. सं.	शीर्षक, तिथि एवं समय	वक्ता	संबंधन	फ़ोटो
1.	भारत में हिंदी में विज्ञान संचार का परिदृश्य (2026-12-24 16:00:00)	डॉ चन्द्र मोहन नौटियाल	विज्ञानी एवं प्रमुख, रेडियोकार्बन प्रयोगशाला (सेवानिवृत्त) बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ सम्पादक - सीएसआईआर-निस्पर की हिंदी शोध पत्रिका एवं पत्रिका 'क्षितिज'	
2.	"ध्यान -आनंद और श्रेष्ठता का आंतरिक जागरण" लाइव गाइडेड मेडिटेशन कार्यशाला (2025-11-19 16:30:00)	पद्म भूषण श्री कमलेश डी . (दाजी) पटेल	ग्लोबल गाइड हार्टफुलनेस संस्थान	
3.	साइबर स्वच्छता (2025-10-15 16:00:00)	श्री कृतार्थ झाला	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डिजिटल फोरेंसिक्स और सूचना सुरक्षा राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात	
4.	फैलता विज्ञान सिकुड़ती वैज्ञानिक दृष्टि (2025-09-24 16:00:00)	श्री प्रियदर्शन	वरिष्ठ कार्यकारी संपादक Ndtv India	
5.	भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र सुधार की संकल्पना एवं मायने (2025-08-27 16:00:00)	डॉ चन्द्र प्रकाश सिंह	उप निदेशक, तकनीकी निदेशालय In-Space	

पीआरएल का अमृत व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्या न संख्या	शीर्षक	वक्ता	संबंधन
1.	2025- 12-17 16:00:00	111	स्पेस इस दी न्यू ब्लैक	 प्रो. मिन्ना पामरोथ	प्रोफेसर, कम्प्यूटेशनल स्पेस फिजिक्स, हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड।
2.	2025- 11-19 11:30:00	110	प्रारंभिक ब्रह्मांड में युवा आकाशगंगाओं का भौतिकी	 प्रोफेसर रघुनाथन श्रीआनंद	निदेशक, अंतर- विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी केंद्र, पुणे
3.	2025- 10-31 17:30:00	109	वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों का स्थलीय और अंतरिक्ष-आधारित अवलोकन	 डॉ. मनीष कुमार नाजा	निदेशक, आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (ARIES), नैनीताल, भारत

4.	2025- 09-25 16:30:00	108	ब्रह्मांडीय धूल से लेकर शुक्र ग्रह के रहने योग्य क्षेत्र तक	 <p>प्रो. विंग-हुएन आईपी</p>	प्रोफेसर, नेशनल सेंट्रल यूनिवर्सिटी, ताओयुआन, ताइवान
5.	2025- 08-06 16:00:00	107	कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खगोल विज्ञान और नागरिक विज्ञान	 <p>प्रो. अजीत केम्भावी</p>	प्रोफेसर एमेरिटस, अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र, पुणे

कर्मचारियों का कार्यग्रहण/कार्यमुक्ति विवरण

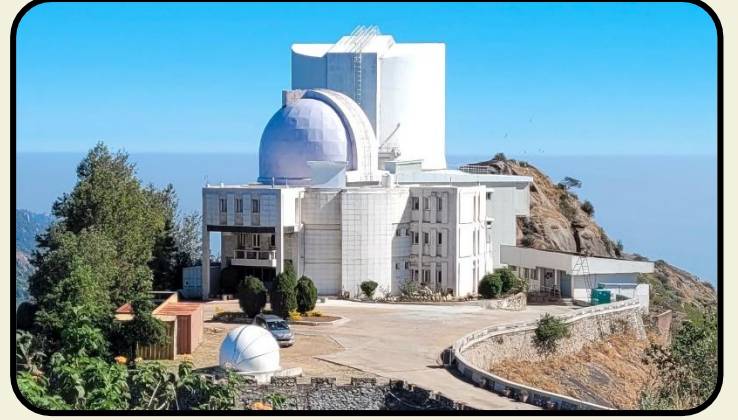
नवनियुक्तों का विवरण (01.08.2025 से 31.12.2025 तक)				
क्रमांक	वेतन क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	PR09664	श्री हरिओम मीना	सहायक	04.08.2025
2	PR02068	डॉ. कृष्णप्रसाद चिरक्किल	असिस्टेंट प्रोफेसर	28.08.2025
3	PR09665	सुश्री पूर्वी गिरी	कनिष्ठ वैयक्तिक सहायक	19.09.2025
4	PR09666	श्री विनय कुमार यादव	सहायक	03.10.2025
5	PR09667	श्री आशीष सेगंर	कनिष्ठ वैयक्तिक सहायक	17.10.2025
6	PR01362	श्री अमृत शंकर मिश्रा	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.सी.	24.11.2025
7	PR09668	श्री अतुल पी. राज	सहायक	04.12.2025
8	PR09669	श्री चिराग	कनिष्ठ वैयक्तिक सहायक	05.12.2025

कार्यमुक्ति करने वाले कार्मिकों का विवरण (01.08.2025 से 31.12.2025 तक)				
क्रमांक	वेतन क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यमुक्ति तिथि
1	PR01317	श्री पीयूष शर्मा	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.डी.	17.10.2025

पेंशनभोगियों/सेवानिवृत्त कार्मिकों की मृत्यु का विवरण (01.08.2025 से 31.12.2025 तक)				
क्रमांक	वेतन क्रमांक	नाम	पदनाम	मृत्यु तिथि
1	PR02008	स्वर्गीय प्रो. सत्य प्रकाश	वरिष्ठ प्रोफेसर	24.09.2025
2	PR09061	स्वर्गीय श्री डी.आर. शेलाट	प्रशासनिक अधिकारी	14.10.2025
3	PR08073	स्वर्गीय श्री बी.डी. वाघेला	सफाईवाला-सी	11.11.2025
4	PR08036	स्वर्गीय श्री बी.बी. राजपूत	ट्रेड्समैन-एफ	15.12.2025



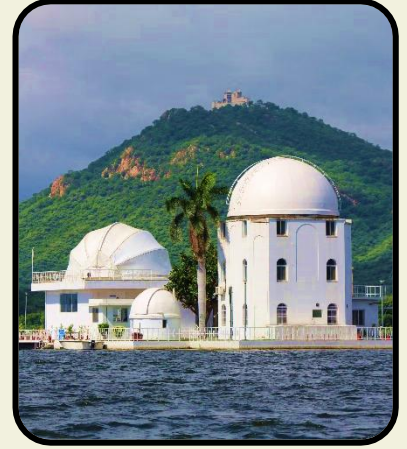
पी.आर.एल मुख्य परिसर, अहमदाबाद



पी.आर.एल इन्फ्रारेड वेधशाला, गुरुशिखर, माउंट आबू



पी.आर.एल. थलतेज परिसर, अहमदाबाद



पी.आर.एल सौर वेधशाला, उदयपुर

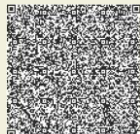
भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
(भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग की यूनिट)
नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009
दूरभाष: (079) 26314000
फैक्स: (079) 26314900
ई - मेल: director@prl.res.in
<https://www.prl.res.in>



website-hindi



website-english



prl-contact

Physical Research Laboratory

(A unit of Dept. of Space, Govt. of India)
Navrangpura, Ahmedabad - 380009
Phone: (079) 26314000
Fax: (079) 26314900
E-Mail: director@prl.res.in
<https://www.prl.res.in>

<https://www.kooapp.com/profile/prlahmedabad>

<https://www.linkedin.com/in/prl-ahmedabad-89600122b/>

<https://www.instagram.com/prl1947/>



<https://www.facebook.com/PhysicalResearchLaboratory>



<https://twitter.com/PRLAhmedabad>



https://www.youtube.com/c/PRLAhmedabad_webinars